@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार 08 फ़रवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 443 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब और दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैन्युफैक्चरर है - पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, 'हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं।

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को मलेशिया पहुंचे। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने कुआलालंपुर में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं अपने प्यारे दोस्त प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को इस समुदाय के समारोह में शामिल होने के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं उन्हें अभी अपनी स्पीच में इस बड़े लेवल और भविष्य में भारत-मलेशिया की दोस्ती के बारे में कही गई उनकी बहुत अच्छी बातों के लिए भी धन्यवाद देता हूं। इतना ही नहीं, वह मेरा स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट आए, और वह मुझे अपनी कार में यहां लाए। यह बेहद खास था, भारत और आप सबके लिए उनके प्यार और सम्मान को दिखाता है।' उन्होंने कहा, 'मैं आपके प्यार भरे शब्दों, मेहमाननवाजी और दोस्ती के लिए शुक्रगुजार हूं। हमने अभी-अभी अपना रिकॉर्ड बनाने वाला सांस्कृतिक समारोह देखा है। 800 डांसर एकदम सही तालमेल में। ये परफॉर्मेंस हमारे लोगों को आने वाले कई सालों तक याद रहेंगी। ' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'अनवर इब्राहिम और मैं उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले से ही दोस्त हैं। मैं सुधारों पर उनके फोकस, उनकी महान बुद्धि और 2025 में आसियान की उनकी कुशल अध्यक्षता की सराहना करता हूं। मुझे उम्मीद है कि सभी ने संक्रांति, पोंगल और थाईपुसम को बहुत खुशी के साथ मनाया होगा। जल्द ही महाशिवरात्रि का त्योहार भी आ जाएगा। कुछ ही दिनों में रमजान शुरू हो जाएगा, उसके बाद हरि राया

आएगा, जिसे बहुत श्रद्धा से मनाया जाएगा। ' पीएम मोदी ने कहा, 'हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। 'मेक इन इंडिया' एक पौधा था जिसे अभी-अभी लगाया गया था। आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैन्युफैक्चरर है। 2014 से हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट लगभग 30 गुना बढ़ गया है। भारत तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है। हमने दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और फिनटेक इकोसिस्टम बनाया है। उदाहरण के लिए, सिर्फ एक दशक में हमारी सोलर एनर्जी कैपेसिटी लगभग 40 गुना बढ़ गई है। पहले, भारत को सिर्फ एक बड़े मार्केट के तौर पर देखा जाता था। आज, हम निवेश और ट्रेड का हब हैं। उन्होंने कहा, 'भारत और मलेशिया के दिलों को जोड़ने वाली बहुत सी चीजें हैं। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और मैंने जिस प्रदर्शनी को देखा, वह इस कनेक्शन को बहुत खूबसूरती से दिखाती है। आप वो जरिया हैं, जो हमें जोड़ता है। और उससे भी बहुत पहले, भारत को एक आजाद देश बनाने के लिए आपके हजारों पुरखों ने बड़ी कुर्बानियां दीं। उनमें से कई ने तो कभी भारत देखा भी नहीं था, फिर भी वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस की इंडियन नेशनल आर्मी में शामिल होने वाले पहले लोगों में से थे। '

उन्होंने कहा कि 'यह कमाल की बात है कि आपने सदियों से अपनी परंपराओं को कैसे संभालकर रखा है। हाल ही में, अपने महीने के रेडियो प्रोग्राम, मन की बात में, मैंने आपके बारे में बात की थी। मैंने 1.4 बिलियन भारतीयों के साथ शेयर किया कि कैसे मलेशिया में 500 से ज्यादा स्कूल बच्चों को भारतीय भाषाओं में पढ़ाते हैं। '

देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है : अमित शाह

'जम्मू कश्मीर को जल विद्युत परियोजनाओं की पूरी क्षमता को विकसित करने की जरूरत है। '

एजेंसी
जम्मू। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जम्मू में विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, केन्द्रीय गृह मंत्री ने सड़क बुनियादी ढांचे, जल विद्युत परियोजनाओं, बिजली, उद्योग, पर्यटन, 4जी और ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विकास की व्यापक समीक्षा की। बैठक में जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अबदुल्ला, केन्द्रीय गृह सचिव

और केन्द्र सरकार और जम्मू और कश्मीर सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार, एक विकसित और समृद्ध जम्मू और कश्मीर के विजन के प्रति कटिबद्ध है। मोदी सरकार द्वारा विकास में तेजी लाने के लिए किए जा रहे निरंतर और समर्पित प्रयासों से जम्मू और कश्मीर में विकास परियोजनाओं में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। जम्मू कश्मीर को जल विद्युत परियोजनाओं की पूरी क्षमता को विकसित करने की जरूरत है। सरकार की जनकल्याण योजनाओं का 100फीसदी सैचुरेशन प्राप्त करना और सभी विकास परियोजनाओं का लाभ लाभार्थियों को मिलना सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि युवाओं को विकास के साथ जोड़ने के लिए स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने और स्पोर्ट्स अकादमियों की स्थापना पर ध्यान दिया जाए। इस विषय में विभिन्न स्पोर्ट्स बॉडीज से बात करके लगभग 200 करोड़ रुपए के निवेश की कोशिश की जाएगी।

नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के माध्यम से जम्मू और कश्मीर में डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रयास होने चाहिए। एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, जम्मू और कश्मीर को पहली बार वित्त वर्ष 2025-26 में स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट योजना के दायरे में लाया गया है, जिससे पूंजीगत परियोजनाओं के लिए 50 साल के ब्याज-मुक्त ऋण मिल सकेंगे। गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मजबूत वित्तीय अनुशासन से समय के साथ केंद्रशासित प्रदेश के वित्तीय घाटे को स्थिर करने में मदद मिलेगी।

जल जीवन मिशन से 16 करोड़ घरों को मिल रहा नल से जल - सीआर पाटिल

'कांग्रेस की महिला सांसदों का प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंच जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और संसद के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है।'

एजेंसी
जयपुर। लोकसभा में बजट पर प्रधानमंत्री के जवाब न देने को लेकर जारी राजनीतिक गतिरोध के बीच केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सीआर पाटिल ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि जिस दिन प्रधानमंत्री को संसद में जवाब देना था, उसी दिन कांग्रेस ने जानबूझकर ऐसा माहौल बना दिया कि स्थिति बिगड़ सकती थी। सीआर पाटिल ने कहा कि कांग्रेस की महिला सांसदों का प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंच जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और संसद के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लोकसभा सवाल पूछने और जवाब देने का मंच है, न कि किसी को घेरने या दबाव बनाने का स्थान। मंत्री ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि जो लोग महिलाओं को आगे कर राजनीति करते हैं, वे स्वयं कमजोर होते हैं और अपनी ताकत पर भरोसा नहीं कर पाते। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि उसी दिन कांग्रेस सांसदों ने केंद्रीय मंत्री नवनीत सिंह बिट्टू को अपमानित करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि एक पगड़ीधारी सरदार का रास्ता रोकना और उन्हें घेरना पूरी तरह गलत है। संसद में टोका-टोकी होती है, सवाल पूछे जाते हैं, लेकिन यह सब अपनी सीट पर खड़े होकर किया जाता है। प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचना मर्यादाओं के खिलाफ है।

दालें आयात करना हमारे लिए शर्म की बात, अब दालों का निर्यातक बनेगा भारतः शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी
सीहोर/ नई दिल्ली । मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के अमलाहा स्थित खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र (एफ़एलआरपी) से आज देश की दलहन नीति और किसान-केंद्रित कृषि विमर्श का नया अध्याय जुड़ा और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में देशव्यापी दलहन क्रांति का आगाज हुआ। यहां आयोजित राष्ट्रीय दलहन परामर्श एवं रणनीति बैठक में एक ही मंच पर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान के साथ ही केंद्रीय राज्य मंत्री तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, ओडिशा के उपमुख्यमंत्री, कई राज्यों के कृषि मंत्री, शीर्ष वैज्ञानिक, आईसीएआर-आईसीएआरडीए के प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, एफपीओ, बीज और दाल मिल प्रतिनिधि जुटे- और संदेश साफ थाः दलहन में

आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप अब खेतों के बीच से तय होगा, दिल्ली के फाइलों के कमरों से नहीं। एक तरफ अमलाहा (सीहोर) में खाद्य दलहन अनुसंधान केंद्र (एफएलआरपी) से 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' का रोडमैप तय हुआ, तो दूसरी तरफ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष की आशंकाओं को खारिज करते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि दालें आयात करना हमारे लिए शर्म की बात है, अब भारत दालों का निर्यातक बनेगा और हालिया अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बावजूद भारत के किसान के हितों पर जरा सी भी आंच नहीं आने दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने स्पष्ट कहा कि विपक्ष का 'देश बेच दिया, किसान बेच दिए, किसान बर्बाद हो जाएंगे' वाला नैरेटिव आज के तथ्य सामने आने के बाद टिक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक ऐतिहासिक और अद्भुत समझौता है, जिसमें भारत की प्रगति और विकास के नए द्वार खुलेंगे, निर्यात बढ़ेगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और किसान की आय भी बढ़ेगी, क्योंकि हमारे मसाले निर्यात होंगे, चावल हमारा इन देशों में कितना जाता है, उसका निर्यात बढ़ेगा, और हमारे डेयरी के उत्पाद सुरक्षित रहेंगे हैं और इसलिए भारत के किसानों को इससे बहुत फायदा है। उन्होंने मंच से कहा कि इस ऐतिहासिक समझौते के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारत के किसानों की तरफ से धन्यवाद देता हूं। 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' की राष्ट्रीय बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि आप समझ सकते हैं कि पूरा हिंदुस्तान आज अमलाहा में इकट्ठा हो गया है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 30 माओवादियों का सामूहिक आत्मसमर्पण

'पूना मारगेम' नीति उनके सुरक्षित, सम्मानजनक और स्वावलंबी भविष्य के लिए हर मदद कर रही है।

एजेंसी
बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बस्तर दौरे के मौके पर 30 माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया।

यह घटना छत्तीसगढ़ सरकार की 'पूना मारगेमः पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान के तहत हुई, जो आत्मसमर्पण और पुनर्वास की नीति पर आधारित है। ये 30 कैडर साउथ सब जोनल ब्यूरो से जुड़े थे, जिनमें 20 महिलाएं और 10 पुरुष शामिल

हैं। इन पर कुल 85 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इनमें कंपनी कमांडर, एरिया कमेटी सदस्य, पार्टी सदस्य, डीएकेएमएस और केएएमएस अध्यक्ष और जनताना सरकार के अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे लोग शामिल हैं। इन कैडरों ने स्वेच्छा से एक कार्डेक्स वायर बंडल और 50 जिलेटिन स्टिक्स सुरक्षा बलों को सौंप दिए। यह आत्मसमर्पण उप पुलिस महानिरीक्षक केरिपु ऑप्स बीजापुर सेक्टर बीएस नेगी, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के सामने हुआ। सुरक्षा बलों जैसे डीआरजी, जिला बल, छत्तीसगढ़ स्पेशल फोर्स, एसटीएफ, कोबरा और केरिपु बटालियनों के संयुक्त प्रयासों से यह संभव हुआ। इन बलों ने क्षेत्र में लगातार सक्रियता, विश्वास निर्माण और संवेदनशील व्यवहार से माओवादियों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया।

बजरंग दल की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक का शुभारंभ

लखनऊ। लखनऊ के एस.आर. इंस्टीट्यूट में बजरंग दल की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक का शनिवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे, संत रामशरण दास महाराज और इंस्टिट्यूट के चेयरमैन पवन सिंह चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापति, विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह और देश भर से आए बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उद्घाटन के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिलिंद परांडे ने कहा कि देश में जिहादी हिंसा का मुद्दा लगातार बढ़ रहा है। कुछ लोग हिंसा के आधार पर हिंदू समाज को डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हिंदू समाज इस गलतफहमी को दूर करने में सक्षम है।

आयुष चिकित्सा पद्धति पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है: संजय सेठ

'भारत शिक्षा, स्वास्थ्य, और पर्यटन के लिए दुनिया की पसंदीदा जगह बने।'

एजेंसी
नई दिल्ली। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति पर देश ही नहीं दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। यह क्षेत्र तेजी से विकसित कर रहा है। हम न सिर्फ देश के 140 करोड़ लोगों की जरूरतों के लिए कैसे समाधान खोज रहे हैं बल्कि विश्व के लिए भी समाधान पेश कर रहे हैं। इस बार बजट में आयुष का खास ध्यान रखा है। संजय सेठ शनिवार को यहां स्वास्थ्य एवं वेलनेस कंपनी हमदर्द लेबोरेटरीज द्वारा आयोजित हकीम अब्दुल हमीद एक्सीलेंस अवॉर्ड्स समारोह को संबोधित कर रहे थे। संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनता को हमारी सबसे बड़ी ताकत बताया है। वर्ष 2030

तक लगभग 75 करोड़ भारतीयों की उम्र 25 वर्ष होगी। इसलिए 2047 तक हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि भारत शिक्षा, स्वास्थ्य, और पर्यटन के लिए दुनिया की पसंदीदा जगह बने। सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि हमदर्द लेबोरेटरीज विकसित भारत के सच्चे ब्रांड एंबेसडर के रूप में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभाशाली लोगों को प्रोत्साहित कर रहा है।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में 71 लाख के इनामी 7 नक्सली ढेर

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पिछले तीन दिनों से चल रही मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 71 लाख रुपये के इनामी 07 नक्सलियों मार गिराया है। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने शनिवार को गढ़चिरौली में पत्रकार वार्ता में बताया कि जिले में सिर्फ सात नक्सली बचे हैं, 31 मार्च तक जिले से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। उन्होंने बताया कि तीन दिन और तीन रात तक चली इस मुठभेड़ में पुलिस के जवानों ने बहादुरी से नक्सलियों का सामना किया। हालांकि इसमें दीपक मडावी नाम का एक जवान बलिदान हो गया, जबकि एक जवान घायल हो गया। उसकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस के जवान इस मुठभेड़ में 7 नक्सलियों को मारने में कामयाब रहे और इन सभी की पहचान हो गई है। इसमें दो बड़े कैडर शामिल हैं, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी और कंपनी नंबर 10 का कमांडर प्रभाकर और कंपनी नंबर 5 का कमांडर पगु मोड्यम। इन सभी पर 200 मामले दर्ज हैं और महाराष्ट्र सरकार ने कुल 71 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। प्रभाकर से अब तक दस बार आत्मसमर्पण करने की अपील की गई थी। लेकिन जब से उसने कोई जवाब नहीं दिया, तब पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी। अब गढ़चिरौली जिले में केवल 7 हथियारबंद नक्सली बचे हैं, जिनमें गढ़चिरौली जिले के दो और छत्तीसगढ़ के 5 कैडर शामिल हैं। उन्हें पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करना चाहिए ,वर्ना उन्हें 31 मार्च तक खत्म कर दिया जाएगा।

'तीन दिन और तीन रात तक चली इस मुठभेड़ में पुलिस के जवानों ने बहादुरी से नक्सलियों का सामना किया।'

संघ किसी व्यक्ति या विचारधारा के विरुद्ध नहीं : डॉ. मोहन भागवत

'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहा है'

एजेंसी
मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को मुंबई में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किसी व्यक्ति, संगठन या विचारधारा के विरुद्ध नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रहा है। संघ प्रमुख डॉ. भागवत आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुंबई में आयोजित 'नए क्षितिज' कार्यक्रम में बोल रहे थे। संघ प्रमुख ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संघ किसी व्यक्ति, संगठन या विचारधारा के विरुद्ध नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघ न तो अर्धसैनिक संगठन है और न ही सत्ता, प्रतिष्ठा या लोकप्रियता की आकांक्षा रखता है।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि संघ का कार्य अपने आप में अद्वितीय है, जिसे समझने के लिए न केवल देश बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। उन्होंने बताया कि विश्व के पांचों महाद्वीपों से लोग संघ की गतिविधियों का अध्ययन करने आते हैं और इसके कार्यों को लेकर जिज्ञासाएं प्रकट करते हैं। संघ का कार्य न किसी प्रतिस्पर्धा के परिणामस्वरूप शुरू हुआ और न ही किसी अन्य संगठन के विरोध में। उन्होंने कहा कि संघ की तुलना अक्सर अन्य संगठनों, संस्थानों या राजनीतिक दलों से कर दी जाती है, जिससे अनेक बार भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ में स्वयंसेवकों को शारीरिक प्रशिक्षण के अंतर्गत लाठी चलाना सिखाया जाता है, लेकिन

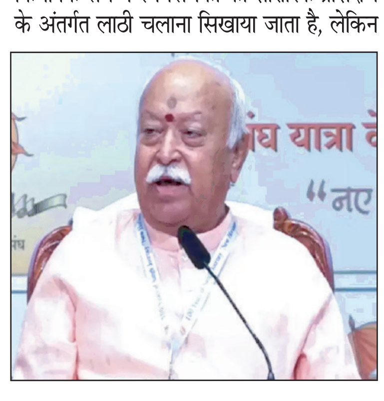

संघ न तो सैन्य संगठन है और न ही कुश्ती का अखाड़ा। यहां भारतीय परंपरा पर आधारित गीत, संगीत, अनुशासन और संस्कारों के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण तथा सामाजिक समरसता पर बल दिया जाता है। इतिहास का उल्लेख करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि अंग्रेजों ने कांग्रेस की स्थापना एक 'सुरक्षा वाल्व' के रूप में की थी, लेकिन भारतीयों ने उसे स्वतंत्रता संग्राम का सशक्त माध्यम बना दिया। इसी प्रकार संघ भी समाज के भीतर सकारात्मक और रचनात्मक परिवर्तन के लिए सतत प्रयासरत है।

यूपीएससी ने आवेदन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए कॉल सेंटर के समय में किया विस्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2026 और भारतीय वन सेवा (आईएफएस) परीक्षा 2026 के उम्मीदवारों की सुविधा के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। आवेदन प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से आयोग ने अपने कॉल सेंटर के परिचालन घंटों में विस्तार किया है। यूपीएससी के अनुसार अब आवेदनकर्ता सुबह 07:00 बजे से रात 09:00 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। साथ ही, शनिवार, रविवार और अवकाश के दिनों सहित सभी दिन संपर्क किया जा सकता है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आवेदकों के साथ संवाद को मजबूत करना और परीक्षा संबंधी प्रश्नों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना है। यह कदम आयोग की एक कुशल, उत्तरदायी और विद्यार्थी-केंद्रित परीक्षा प्रणाली बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अब उम्मीदवार नियमित कार्यालय समय के बाद भी समाधान प्राप्त कर सकेंगे, जिससे आवेदन प्रक्रिया के अंतिम दिनों में होने वाली भीड़ और तकनीकी तनाव को कम किया जा सकेगा।

विधान परिषद में टोपी उतरवाने का सीएम नीतीश का वीडियो वायरल, सियासत गरमाई

चर्चा है- यह बीजेपी की संगत का असर, तिलक लगवाने से भी कर चुके हैं इनकार

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। सीएम नीतीश ने विधान परिषद में पूर्व मंत्री, राजद नेता और वर्तमान एमएलसी को टोपी उतारने के लिए कह दिया। इसका वीडियो सामने आया तो अब राजनीति गरमा गई। कहा जा रहा है कि नीतीश अब एनडीए के साथ हैं और उनपर बीजेपी की राजनीति का असर हो गया है। यही कारण है कि नीतीश कुमार टोपी पहनने, टोपी ट्रांसफर करने से लेकर उतरवाने तक पर उतर आए हैं। क्या यह सच है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बजट सत्र में चर्चा के दौरान बीते 5 फरवरी को बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और राजद के नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी अपना वक्तव्य विधान परिषद में दे रहे थे। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार भी वहां मौजूद थे। विधान परिषद में टोपी पहनकर आए अब्दुल बारी सिद्दीकी से सीएम नीतीश ने कहा कि यह टोपी क्यों पहने हैं? हटाइये ना। इस पर अब्दुल बारी ने अपनी टोपी उतार दी और कहा कि लीजिए आपका हुकुम सर आंखों पर, मैं अपनी टोपी उतार देता हूं। वैसे टोपी उतरवाना एक मुहावरा है। बस यहीं से यह छोटा सा वाकया बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया और बिहार की सियासत गर्म गई।

एक बार फिर से टोपी उतरवाने की चर्चा करते हुए सीएम नीतीश को विपक्षी दल अपने निशाने पर ले रहे हैं। उनकी राजनीति में बदलाव से जोड़कर इसे देखा जा रहा है और बीजेपी की संगत का असर कहा जा रहा है। अब जब बात खुली है और टोपी की सियासत को हवा दे दी गई है तो टीका लगाने से नीतीश कुमार के इनकार करने का वाकया भी है। ऐसा बीते साल हुआ था और वह भी सीतामढ़ी में माता जानकी से जुड़े एक कार्यक्रम में।

नीतीश कुमार ने सीतामढ़ी में 8 अगस्त 2025 को मंदिर में पूजा के दौरान 'टीका' लगाने से इनकार कर दिया था। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जब पुजारी सीएम नीतीश कुमार को तिलक लगाने आए तो उन्होंने अपना सिर पीछे कर लिया और तिलक लगवाने से इनकार कर दिया। खास बात यह कि इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। दरअसल, सीतमढ़ी में टीका लगाने से इनकार करने की घटना के कुछ ही दिनों बाद 21 अगस्त 2025 को पटना के एक मदरसा कार्यक्रम में नीतीश कुमार ने टोपी पहनने से भी इनकार किया था। चर्चा उनके उस बयान की होने लगी जो उन्होंने 2013 में दिया था। विपक्षी दलों और सोशल मीडिया पर इन दोनों घटनाओं को नीतीश कुमार के पुराने स्टैंड से जोड़कर देखा गया।

इंडिगो फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी, पायलट ने कराई सुरक्षित लैंडिंग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान में लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। विमान के लैंडिंग गियर के लीवर में समस्या थी। यह विमान ए321 नियो था, जो फ्लाइट नंबर 6ई2157 के रूप में उड़ान भर रहा था। इसमें 210 से ज्यादा यात्री सवार थे। हालांकि, पायलट ने समझदारी से विमान को सुरक्षित रूप से एयरपोर्ट पर लैंड करा लिया। यह मामला शुक्रवार को पेश आया। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि लैंडिंग गियर का ऑटोमैटिक सिस्टम काम नहीं कर रहा था, इसलिए पायलट ने मैनुअल सिस्टम का इस्तेमाल किया। बाद में तकनीकी खराबी को ठीक कर लिया गया। दिक्कत दूर होने के बाद विमान ने दूसरी उड़ानें भी सामान्य रूप से पूरी कीं। इस मामले पर इंडिगो एयरलाइंस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

मधेपुरा में मिड-डे-मील लेने से 70 से अधिक बच्चे बीमार, स्कूल में मचा हड़कंप

मधेपुरा (एजेंसी)। बिहार के मधेपुरा जिले में शनिवार को मिड-डे-मील खाने के बाद बड़ा हादसा सामने आया है। सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कारू टोला, साहुगढ़ में भोजन करने के बाद 70 से अधिक बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। खाना खाने के कुछ ही देर बाद बच्चों को उल्टी, पेट दर्द, चक्कर और घबराहट की शिकायत होने लगी, जिससे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चों की हालत तेजी से बिगड़ती देख शिक्षकों ने तुरंत स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। इसके बाद एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से सभी बीमार बच्चों को मधेपुरा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने तत्काल इलाज शुरू किया। डॉक्टरों का कहना है कि अधिकांश बच्चों की हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। हालांकि, इलाज के दौरान एक बच्ची की स्थिति गंभीर बताई जा रही है, जिसे विशेष निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही बच्चों के परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए, जिससे वहां भी तनावपूर्ण माहौल बन गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मिड-डे-मील में छिपकली गिरने की आशंका जताई जा रही है, जिसके कारण भोजन जहरीला हो सकता है। हालांकि, इस बात की आधिकारिक पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। स्कूल प्रशासन ने एहतियातन भोजन वितरण तुरंत रोक दिया और बचे हुए खाने को सुरक्षित रख लिया गया है, ताकि उसकी जांच की जा सके।

अजित पवार की मौत पर बोले रोहित पवार- मौत को लेकर है संदेह, 10 फरवरी को प्रेजेंटेशन देंगे

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने शनिवार को अजित पवार की मौत को लेकर कहा कि महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत की परिस्थितियों को लेकर सभी के मन में अनेक सवाल और संदेह हैं। ऐसे में वो 10 फरवरी को मुंबई में एक डिटेल प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करेंगे और बताएंगे कि हादसा कैसे और क्यों हुआ। उन्होंने यह बात बारामती में जिला परिषद चुनाव में मतदान करने के बाद पत्रकारों के समक्ष कही। दरअसल महाराष्ट्र में शनिवार को 12 जिला परिषद और 125 पंचायत समितियों के लिए वोटिंग हुई। यहां बताते चलें कि पहले ये चुनाव 5 फरवरी को होने वाले थे, लेकिन 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे में अजित पवार की मौत के बाद चुनाव टल गए थे। यहां रोहित पवार ने कहा कि अजित पवार चाह रहे थे कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अलग-अलग गुट एक हों। इसलिए विलय की कोशिशें आगे भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि अजित दादा दिल से चाहते थे कि सभी एक परिवार की तरह साथ आएं और आज सभी साथ आए हैं। परिवार अब भी एकजुट है और आगे भी उसी तरह प्रयास जारी रहेंगे।

बच्चों को चढ़ाया गया एचआईवी संक्रमित रक्त, हाईकोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में थैलेसीमिया से पीड़ित पांच मासूम बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाए जाने के गंभीर मामले में झारखंड हाईकोर्ट के सख्त रुख के बाद आखिरकार प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। हाईकोर्ट के निर्देश पर चाईबासा सदर थाना में सदर अस्पताल के ब्लड बैंक के तत्कालीन लैब टेक्नीशियन मनोज कुमार समेत अन्य संबंधित कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना अक्टूबर 2025 की बताई जा रही है। चाईबासा सदर अस्पताल में 5 से 7 वर्ष की आयु के पांच बच्चों को नियमित ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ा दिया गया। बाद में जब जांच कराई गई तो सभी बच्चों के एचआईवी पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई, जिससे पूरे जिले में हड़कंप मच गया। बच्चों के परिजनों ने आरोप लगाया कि ब्लड बैंक में रक्त की जांच और स्क्रीनिंग प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरती गई। मामले की सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार की अदालत ने इसे अत्यंत गंभीर और मानव जीवन से जुड़ा मामला बताया। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पीड़ित परिवार संबंधित थाना में शिकायत दर्ज कराएं और थाना प्रभारी तत्काल एफआईआर दर्ज करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह के मामलों में देरी अस्वीकार्य है और इससे पीड़ितों को न्याय मिलने में बाधा आती है। अदालत के आदेश के बाद पीड़ित बच्चों में से एक की मां की ओर से दिए गए आवेदन पर चाईबासा सदर थाना में मामला दर्ज किया गया। सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया कि आवेदन में आरोप लगाया गया है कि ब्लड बैंक में निर्धारित मानकों के अनुसार रक्त की जांच नहीं की गई, जिसके कारण संक्रमित रक्त बच्चों को चढ़ा दिया गया और वे एचआईवी से संक्रमित हो गए। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और संबंधित दस्तावेजों व कर्मचारियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। हाईकोर्ट ने इस बात पर भी नाराजगी जताई थी कि घटना उजागर होने के बावजूद एफआईआर दर्ज करने में करीब चार महीने की देरी हुई। अदालत ने इसे सिस्टम की गंभीर विफलता करार दिया था। मामले के सामने आने के बाद राज्य सरकार ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को 2-2 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी।

राजस्थान के टाइगर रिजर्व में रील बनाने, शूट व सेल्फी लेने पर लगा बैन

आदेश का पालन नहीं करने पर पर्यटकों के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व समेत कुल चार टाइगर रिजर्व में रील बनाने, वीडियो शूट करने और सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों पर रोक लगा दी है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत उठाया है, जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में कोई बाधा न आए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिअक सफारी के पर्यटक और गाइड मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए आदेश जारी किया है। इसके तहत टाइगर रिजर्व में पोस्टर और फ्लैक्स भी लगा दिए गए हैं। साथ ही गाइड को भी निर्देश दिए हैं कि वे मोबाइल फोन के रोक संबंधी आदेश के बारे में टूरिस्ट्?स को भी अवगत करा दें। राजस्थान में फिलहाल चार टाइगर रिजर्व है। इनमें रणथंभौर टाइगर रिजर्व, सरिस्का टाइगर रिजर्व (अलवर), मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (कोटा) और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (बूंदी) शामिल हैं। धौलपुर-करौली और कुंभलगढ़ को भी टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक टाइगर रिजर्व के अधिकारियों का कहना है कि मोबाइल के कारण कई पर्यटक जानवरों के बेहद करीब जाने की कोशिश करते हैं, जिससे जानवर परेशान होते हैं। सफारी गाड़ियां एक जगह इकट्ठी हो जाती हैं। इससे जंगल का शांत माहौल प्रभावित होता है और वन्यजीवों पर दबाव बढ़ता है। यह फैसला वन्यजीवों की सुरक्षा और प्राकृतिक वातावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से लिया गया है। डीएफओ ने बताया कि आदेश का पालन नहीं करने पर वन विभाग की ओर से पर्यटकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे पर्यटकों पर पेनल्टी लगाई जाएगी। यह 100 रुपए से लेकर हजारों में हो सकती है। इसके साथ ऐसे लोगों के खिलाफ वन विभाग एफआईआर भी दर्ज करा सकता है। हालांकि आदेश के तहत सफारी के दौरान सिर्फ मोबाइल फोन पर रोक रहेगी। डिजिटल कैमरे और डीएसएलआर कैमरे बिना किसी चार्ज के ले जा सकेंगे। साथ ही सैलानियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वन्यजीवों के पास नहीं जाएं, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जोधपुर आ रहीं थाईलैंड की राजकुमारी, शाही अंदाज में किया जाएगा स्वागत, प्रशासन अलर्ट

-सिरिवन्नवारी सेना में मेजर हैं, घुड़सवारी, खेल, कला व संस्कृति में है गहरी रुचि

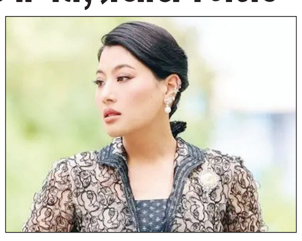

नई दिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारीरत्ना 8 फरवरी को जोधपुर के दो दिवसीय दौरे पर आ रही हैं। वे विशेष विमान से जोधपुर पहुंचेंगी। राजकुमारी के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने तैयारियां की हैं। उनके दौरे को लेकर पुलिस आयुक्त ने मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में रॉयल थाई एंबेसी के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की सुरक्षा, आवागमन, ठहराव और भ्रमण को लेकर अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजकुमारी के शाही स्वागत को लेकर प्रशासन अलर्ट है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एयरपोर्ट से लेकर राजकुमारी के ठहरने और भ्रमण करने वाले स्थानों तक विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखने के निर्देश दिए हैं। राजकुमारी का स्वागत पारंपरिक और शाही अंदाज में किया जाएगा। राजकुमारी मेहरानगढ़ किला, उम्मेद भवन पैलेस और जसवंत थड़ा सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगी। पुलिस आयुक्त ने विशेष सुरक्षा, विभागीय समन्वय और आमजन को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

बता दें राजकुमारी सिरिवन्नवारी केवल फैशन तक सीमित नहीं हैं। वे थाईलैंड की शाही सेना में मेजर के पद पर कार्यरत हैं। इसके अलावा वे एक कुशल घुड़सवार हैं और खेल, कला व संस्कृति के क्षेत्र में उनकी गहरी रुचि है। राजकुमारी सिरिवन्नवारी नारीरत्ना आधुनिक फैशन को पारंपरिक शिल्प से जोड़ने के लिए भी जानी जाती हैं। उनका खुद का लग्जरी फैशन ब्रांड है, जो दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय है।

हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को नेपाल से सबक लेना चाहिए: अरशद मदनी

वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश मोहब्बत, सद्भाव और इंसाफ के रास्ते पर आगे बढ़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को पड़ोसी देश नेपाल के इतिहास से सबक लेना चाहिए। मदनी ने कहा कि नेपाल में भी एक समय हिंदू राष्ट्र की व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन वह ज्यादा समय तक नहीं टिक सकी और आखिरकार वहां लोकतांत्रिक संविधान के तहत नई व्यवस्था अस्तित्व में आई। उनका कहना है कि यही उदाहरण बताता है कि किसी भी देश की तरक्की, स्थिरता और शांति लोकतंत्र और संविधान से ही संभव है, न कि किसी एक धर्म को राष्ट्र पर थोपकर।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मौलाना अरशद मदनी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि नफरत के सौदागर और हिंदू राष्ट्र का सपना देखने वालों को नेपाल से सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब किसी देश में एक खास विचारधारा या धर्म को थोपने की कोशिश की गई, वहां अंततः वह व्यवस्था ढह गई और जनता ने लोकतांत्रिक मूल्यों को चुना। मदनी ने कहा कि नेपाल में हाल के समय में हिंदू राष्ट्र की स्थापना की गई थी, लेकिन अंततः वहां यह व्यवस्था समाप्त हो गई और एक लोकतांत्रिक संविधान के तहत नई राजनीतिक व्यवस्था बनी। उन्होंने कहा कि यह साफ संकेत है कि आज की वैश्विक परिस्थितियों में किसी भी देश की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब वहां संविधान, लोकतंत्र और सभी नागरिकों के समान अधिकारों की रक्षा की जाए।

मौलाना मदनी ने कहा कि भारत में भी कुछ सांप्रदायिक शक्तियां और संगठन देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना देख रहे हैं, लेकिन उनकी यह साजिश कभी सफल नहीं होगी। उन्होंने दो टूक कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद सेक्युलरिज्म और भारतीय संविधान की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान विविधता, सहअस्तित्व और संवैधानिक मूल्यों से है और इसे किसी भी सूरत में बदला नहीं जा सकता है। मदनी ने इस्लाम और मुसलमानों को लेकर कहा कि कुछ ताकतें इस्लाम और मुसलमानों दोनों को मिटाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि इस्लाम का चिराग कभी बुझ नहीं सकता। उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि जिन्होंने भी इस्लाम को मिटाने की कोशिश की वे खुद मिट गए। इस्लाम हमेशा कायम रहा है और रहेगा।

मदनी ने मुसलमानों से निराश न होने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात से घबराने या मायूस होने की जरूरत नहीं है। इतिहास बताता है कि जो कौमें अपनी पहचान, संस्कृति और धर्म के साथ जीना चाहती हैं, उन्हें कुर्बानियां देनी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमान एक जीवित कौम हैं और जीवित

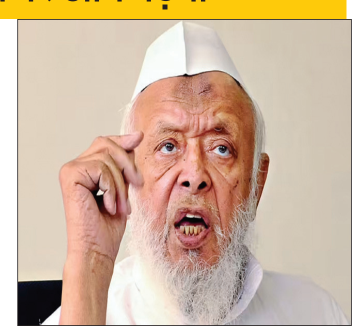

कौमें हालात से हार मानने के बजाय समझदारी, दूरदर्शिता और सही रणनीति से आगे बढ़ती हैं। अपने पोस्ट के आखिर में मदनी ने भरोसा जताया कि एक दिन ऐसा जरूर आएगा जब जुल्म का अंत होगा और अत्याचार करने वालों के गले में जंजीरें होंगी। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश हिंदुस्तान फिर से प्यार, मोहब्बत, सद्भाव और इंसाफ के रास्ते पर आगे बढ़ेगा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बोले जयराम- हाउडी मोदी पर आखिरकार भारी पड़ा नमस्ते ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का कहना है कि दोनों देशों के बीच जारी हालिया संयुक्त बयान से यह साफ हो गया है कि सरकार की गले मिलने वाली कूटनीति का देश को कोई ठोस लाभ नहीं मिला। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि 'हाउडी मोदी' पर आखिरकार 'नमस्ते ट्रंप' भारी पड़ गया है।

गौरतलब है कि 'नमस्ते ट्रंप' और 'हाउडी मोदी' अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों के प्रतीक माने गए थे। 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम का आयोजन फरवरी 2020 में अहमदाबाद में हुआ था, जबकि 'हाउडी मोदी' सितंबर 2019 में ह्यूस्टन में आयोजित किया गया था। इन आयोजनों को दोनों देशों के मजबूत रिश्तों का सार्वजनिक प्रदर्शन माना गया।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, कि

अमेरिका-भारत के हालिया संयुक्त वक्तव्य में कई अहम पहलुओं पर स्पष्टता नहीं है, लेकिन जो तथ्य सामने आए हैं, वे भारत के हित में नहीं दिखते। उन्होंने दावा किया कि इस समझौते के तहत भारत अब रूस से तेल आयात बंद करने की दिशा में बढ़ेगा। साथ ही अमेरिका ने यह भी संकेत दिया है कि यदि भारत प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस से तेल खरीदता है, तो उस पर 25 प्रतिशत तक का दंडात्मक शुल्क दोबारा लगाया जा सकता है।

कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि भारत, अमेरिकी किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए आयात शुल्क में कटौती करेगा, जिसका सीधा नुकसान भारतीय किसानों को होगा। रमेश के अनुसार, अमेरिका से भारत का वार्षिक आयात लगभग तीन गुना तक बढ़ सकता है, जिससे भारत का लंबे समय से बना आ रहा वस्तुओं का व्यापार अधिशेष समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका को भारत की आईटी और अन्य सेवाओं के निर्यात को लेकर अब भी अनिश्चितता बनी रहेगी। संयुक्त बयान का हवाला देते हुए रमेश ने दावा किया कि भारत के अमेरिका को वस्तुओं के निर्यात पर पहले की तुलना में अधिक शुल्क लगाए जाने की आशंका है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने कूटनीतिक दिखावे और बड़े आयोजनों पर तो जोर दिया, लेकिन ठोस आर्थिक और व्यापारिक लाभ सुनिश्चित करने में विफल रही। जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि गले मिलने, हाथ मिलाने और तस्वीरें खिंचवाने से देश का हित सुरक्षित नहीं होता। उन्होंने कहा कि 'हाउडी मोदी' पर 'नमस्ते ट्रंप' भारी पड़ गया और अब हालात ऐसे हैं कि 'दोस्त-दोस्त न रहा' जैसी स्थिति बनती दिख रही है।

इस्लामाबाद की मस्जिद पर हमले के बाद कश्मीर में लगे मुनीर और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

श्रीनगर (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में एक शिया मस्जिद पर हुए भीषण आत्मघाती हमले की गूँज शुक्रवार को कश्मीर घाटी की सड़कों पर सुनाई दी। इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में स्थित खादिजा तुल कुबरा मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुए इस धमाके में 31 लोगों की मौत और 169 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने सरहद के इस पार भी लोगों को झकझोर कर रख दिया है। इस पवित्र स्थल पर हुए रक्तपात के विरोध में जम्मू-कश्मीर के शिया समुदाय और आम नागरिकों ने स्वतःस्फूर्त विरोध प्रदर्शन कर पाकिस्तान सरकार के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है।

कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में हुए ये प्रदर्शन किसी राजनीतिक दल या संगठन के आह्वान पर नहीं थे, बल्कि यह लोगों के भीतर उपजे डर और असुरक्षा की भावना का परिणाम थे। हमले की खबर फैलते ही बारामूला के चैनाबल पट्टन और डाइवर परिहासपोरा में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने कुछ समय के लिए रास्तों को अवरुद्ध किया और पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। श्रीनगर के शिया बहुल इलाकों जैसे इमामबाड़ा जदीबल और हरवान में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां लोगों ने पाकिस्तान सरकार की विफलता पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। बांदीपोरा के इंदरकोट-सुंबल इलाके में शाम को कैंडल मार्च निकालकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। सुरक्षा विशेषज्ञों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि घाटी में पाकिस्तान के खिलाफ यह स्वर एक बड़े बदलाव का संकेत है। दशकों से पाकिस्तान खुद को कश्मीर के मुसलमानों के मसीहा और रक्षक के रूप में पेश करने का प्रोपेगेंडा चलाता रहा है, लेकिन उसके अपने ही देश में शिया समुदाय पर बार-बार होने वाले लक्षित हमलों ने इस दावे की पोल खोल दी है। जानकारों का कहना है कि ये प्रदर्शन पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और विशेषकर आर्मी चीफ आसिम मुनीर के लिए एक बड़ा झटका हैं, क्योंकि अब कश्मीर के लोग सीमा पार की सांप्रदायिक अस्थिरता को पहचान रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, पाकिस्तान में मस्जिदों और धार्मिक जुलूसों पर हो रहे आतंकी हमले अब कश्मीर में उल्टा असर डाल रहे हैं। पहले जहाँ सीमा पार की घटनाओं का इस्तेमाल कुछ वर्गों में सहानुभूति पैदा करने के लिए किया जाता था, वहीं अब वही घटनाएँ नाराजगी में बदल रही हैं। प्रदर्शनों में शामिल लोगों का सीधा सवाल था कि जो देश अपनी राजधानी में इबादत कर रहे लोगों और अल्पसंख्यकों को सुरक्षा नहीं दे पा रहा, वह दूसरों के अधिकारों की बात करने का नैतिक आधार कैसे रख सकता है। इन प्रदर्शनों को सीमा पार बैठे उन तत्वों के लिए भी एक गंभीर चेतावनी माना जा रहा है जो कश्मीर में धार्मिक भावनाओं को भड़काने का काम करते हैं।

इस बार विधानसभा चुनाव जीतकर ममता सीएम बनी तो तोड़ देंगी शीला दीक्षित का रिकॉर्ड

-बीजेपी और पीएम मोदी की लहर के बावजूद ममता ने टीएमसी को मजबूत बनाए रखा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में इस साल अप्रैल में विधानसभा चुनाव होना है। सीएम ममता बनर्जी अगर अगले कार्यकाल में भी सीएम बनती हैं तो वे दिल्ली की भूतपूर्व सीएम शीला दीक्षित का रिकार्ड तोड़ देंगी। शीला दीक्षित 15 साल 25 दिन तक सीएम रही थीं। बंगाल में फिलहाल ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस एकमात्र पार्टी है, जो बीजेपी से लोहा लेती रही हैं। ममता ने अपने दम पर साढ़े 3 दशक से ज्यादा समय तक बंगाल में शासन करने वाले वामपंथी दलों के ग्रुप- लेफ्ट फ्रंट को सत्ताच्यूत करने में पहली बार 2011 में सफलता पाई थी। तब से वे बंगाल पर एकछत्र राज कर रही हैं। देश में बीजेपी के उभार और पीएम मोदी की लहर के बावजूद ममता ने टीएमसी को अभी तक मजबूत बनाए रखा है। बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इस बार की तरह ही पूरी ताकत झोंक दी थी। पीएम मोदी से लेकर बीजेपी के तमाम छोटे-बड़े नेताओं ने बंगाल के तूफानी दौरे किए थे। नतीजे आए बीजेपी की सीटें विधानसभा में 2 से बढ़ कर 77 हो गईं। टीएमसी की सीटें भी घटीं, लेकिन ममता तीसरी बार सरकार बनाने में सफल रही।

विश्लेषकों ने इसे उनका करिश्मा नहीं, बल्कि मुस्लिम वोटों का ममता के पक्ष में इकतरफा ध्रुवीकरण माना। बंगाल में तकरीबन 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है। टीएमसी को 2021 में 49 फीसदी वोट मिले थे। बीजेपी टीएमसी से 10 फीसदी वोट लाकर दूसरे नंबर पर रही। बीजेपी के प्रबल विरोध के बावजूद अपनी जीत से उत्साहित ममता ने पीएम बनने के सपने भी देखने शुरू कर दिए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक शीला दीक्षित सबसे लंबे समय तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं। वे 3 दिसंबर 1998 से 28 दिसंबर 2013 तक दिल्ली की सीएम रहीं। उनका कुल कार्यकाल 15 साल 25 दिन का रहा। उनके नाम एक और रिकार्ड है। दिल्ली में पुरुष और महिला मुख्यमंत्रियों में उनका नाम सर्वाधिक समय तक सीएम रहने वालों में सबसे ऊपर है। सीएम के रूप में उन्होंने दिल्ली को विश्वस्तरीय शहर बनाने में अहम योगदान दिया। शीला दीक्षित के बाद महिला मुख्यमंत्रियों में सर्वाधिक समय का रिकार्ड ममता बनर्जी ने बना लिया है। ममता ने करीब 14 साल से अधिक का रिकार्ड बना लिया है, जो शीला दीक्षित से कुछ ही महीने कम है। लंबे समय तक सीएम रहने वाली तीसरी सीएम रहीं जे जयललिता वे 14 साल और 124 दिन तक तमिलनाडु की सीएम रही थीं।

बता दें देश में अब तक कुल 18 महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। पहली महिला मुख्यमंत्री के रूप में सुचेता कृपलानी का नाम आता है। वे 1963 में यूपी की सीएम बनीं। दूसरी सीएम रहीं शीला दीक्षित। वे दिल्ली 15 साल से अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहीं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी 2011 से अब तक सीएम पद पर हैं। अन्य महिला मुख्यमंत्रियों में सुचेता कृपलानी, नंदिनी सत्पथी (ओडिशा), शशिकला काकोडकर (गोवा), सैयदा अनवरा तैमूर (असम), वीए जानकी रामचंद्रन (तमिलनाडु), जे जयललिता (तमिलनाडु), मायावती (उत्तर प्रदेश), राजिंदर कौर भट्ठल (पंजाब), राबड़ी देवी (बिहार), सुषमा स्वराज (दिल्ली), उमा भारती (मध्य प्रदेश), वसुंधरा राजे (राजस्थान), आनंदीबेन पटेल (गुजरात), मेहबूबा मुफ्ती (जम्मू-कश्मीर), आतिशी (दिल्ली) और रेखा गुप्ता (दिल्ली)।

ममता बनर्जी की मूल पार्टी कांग्रेस रही है। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी- टीएमसी बनाई। वामपंथी शासन से लगातार लडती रहीं। आखिरकार उन्हें 2011 में वामपंथी शासन को खत्म करने में सफलता मिली। तब से उन्होंने दो अहम काम किए हैं। आधी आबादी के रूप में ख्यात महिला शक्ति को अपने साथ जोड़े रखने के लिए उन्होंने उनके लिए गर्भावस्था से लेकर बुढ़ापे तक के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाईं। उनकी लक्खी भंडार योजना बमाल की महिलाओं में सबसे पापुलर है। इसके अलावा भी उन्होंने कई योजनाएं युवाओं के लिए भी

चलाई हैं। नतीजा यह कि मौजूदा विधानसभा में बीजेपी को छोड़ कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों के साथ दूसरी विरोधी भी शून्य पर हैं।

ममता बनर्जी यह भी समझ रही हैं कि बीजेपी से मुकाबला इस बार पहले के मुकाबले थोड़ा कठिन है। इसकी वजह यह है कि पिछली बार उन्हें जो 49 फीसदी वोट मिले थे, उसमें 30 फीसदी तो अकेले मुस्लिम थे। बीजेपी को सत्ता से दूर रखने के लिए मुसलमानों ने कांग्रेस और वामपंथियों का मोह त्याग कर एकमुश्त टीएमसी को वोट किया था यानी 70 फीसदी हिन्दुओं में सिर्फ 19 फीसदी वोट ही उन्हें मिले थे1 इस बार टीएमसी से निष्कासित नेता हुमायू कबीर के अलग पार्टी बना लेने से मुस्लिम वोटों में विभाजन का खतरा पैदा हो गया है। ओवैसी ने भी हुमायू कबीर से हाथ मिला लिया है1 यह मुस्लिम मतों में विभाजन का स्पष्ट संकेत है। तीसरा खतरा बन कर उभरी हैं ईडी और सीबीआई जैसी केंद्री जांच एजेंसियां उनसे ममता लगातार पंगा लेती रही हैं, लेकिन आई-पैक रेड मामले में उनकी परेशानी बढ़ सकती है।

अवैध तरीके से विदेश गए भारतीयों पर शिकंजा

नई दिल्ली । विदेशों में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों पर लगातार शिकंजा कस रहा है। इसी का परिणाम है कि वापसी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सरकार ने जवाब दिया। विदेशों में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों पर लगातार शिकंजा कस रहा है। इसी का परिणाम है कि वापसी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। लोकसभा में विदेश मंत्रालय द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, खासकर अमेरिका समेत कई देशों से भारतीय नागरिकों के निर्वासन के मामलों में पिछले तीन वर्षों में तेज उछाल देखा गया है।

सरकार ने इस मुद्दे पर अमेरिकी प्रशासन से मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई है। लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि अधिकांश देश अवैध रूप से रह रहे भारतीयों का पूरा डेटा साझा नहीं करते, लेकिन उपलब्ध आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि निर्वासन के मामलों में तेजी आई है। अमेरिका से वर्ष 2023 में 617 भारतीय नागरिकों को वापस भेजा गया था, जो 2024 में बढ़कर 1,368 हो गया। वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 3,414 तक पहुंच गई, जो पिछले दो वर्षों की तुलना में काफी अधिक है। मध्य-पूर्व के देशों से भी बड़ी संख्या में भारतीयों को वापस भेजा गया है। सऊदी अरब से 2023 में 37 हजार से अधिक भारतीयों का निर्वासन हुआ था, जबकि 2024 में यह संख्या घटकर करीब 14 हजार और 2025 में लगभग 13 हजार रही। वहीं संयुक्त अरब अमीरात से निर्वासन के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूएई से 2023 में करीब 3,500 भारतीयों को वापस भेजा गया था, जो 2024 में बढ़कर 6 हजार से ज्यादा और 2025 में लगभग 9,500 तक पहुंच गया। सरकार के मुताबिक भारतीय नागरिकों के निर्वासन के प्रमुख कारणों में बिना वैध वीजा विदेश जाना, वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी वहां रहना, बिना वर्क परमिट काम करना और श्रम कानूनों का उल्लंघन शामिल हैं। कई मामलों में भारतीय नागरिक नियोक्ताओं को छोड़कर भाग जाते हैं या कानूनी मामलों में भी फंस जाते हैं। निर्वासन के दौरान भारतीय नागरिकों के साथ व्यवहार को लेकर भी सरकार सतर्क नजर आ रही है। विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को हथकड़ी लगाए जाने को लेकर चिंता जताई है।

मजदूर सुलखन सिंह के लिए संजीवनी बना हेल्थ कार्ड, बिना एक रुपया खर्च किए हुआ 3 लाख रुपए का इलाज: धालीवाल

अमृतसर। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि भगवंत मान सरकार द्वारा जनता से किए गए वादे जमीनी स्तर पर सच होते दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच के चलते 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना' अब पूरी तरह प्रभावी हो चुकी है।

शनिवार को आप नेता प्रभबीर सिंह बराड़ और गुरप्रताप सिंह संधू के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए धालीवाल ने बताया कि इस योजना के तहत पंजाब के लगभग 65 लाख परिवारों को 10 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज की सुविधा सुनिश्चित की गई है, जो विशेष रूप से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

योजना की सफलता का जीवंत प्रमाण देते हुए धालीवाल ने गुरदासपुर के गांव गुरदासनंगल निवासी सुलखन सिंह का उदाहरण साझा किया। उन्होंने बताया कि दिहाड़ी मजदूरी करने वाले सुलखन सिंह अचानक दिल की गंभीर बीमारी की चपेट में आ गए थे, जिसके इलाज का खर्च डॉक्टरों ने करीब 3 लाख रुपए बताया था।

आर्थिक तंगी के कारण परिवार के लिए यह खर्च उठाना असंभव था, लेकिन मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत मात्र एक दिन में उनका हेल्थ कार्ड तैयार किया गया। इसके बाद अमृतसर के एक निजी अस्पताल में बिना एक भी पैसा खर्च किए उनके दिल का सफल ऑपरेशन हुआ और स्टेंट डाले गए। धालीवाल ने कहा कि सुलखन सिंह का स्वस्थ होकर घर लौटना उन विरोधियों को करारा जवाब है जो सरकार की नीतियों को महज 'जुमलेबाजी' करार देते हैं।

धालीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार का मुख्य एजेंडा शिक्षा और स्वास्थ्य के ढांचे को मजबूत करना है। दोनों क्षेत्रों में निवेश कर सरकार आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत और सुरक्षित भविष्य तैयार कर रही है। पिछली सरकारों के दौरान गरीब वर्ग महंगे इलाज के कारण या तो कर्ज में डूब जाता था या इलाज के अभाव में दम तोड़ देता था, लेकिन मान सरकार ने स्वास्थ्य को हर नागरिक का बुनियादी अधिकार बनाया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पतालों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि किसी भी मरीज को किसी प्रकार की परेशानी न हो और कोई भी अस्पताल कार्ड धारक से अतिरिक्त राशि की मांग न कर सके।

आप नेता ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने दशकों तक सत्ता में रहकर इन बुनियादी सुविधाओं को नजरअंदाज किया, उन्हें आज बदलाव पच नहीं रहा है।

डीजेबी के 3 इंजीनियर व ठेकेदार पर एफआईआर

नई दिल्ली । दिल्ली के जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के गड्ढे में गिरकर एक बाइक सवार युवक कमल ध्यानी की मौत हो गई। इस मामले में डीजेबी के तीन इंजीनियरों और ठेकेदार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मंत्री आशीष सूद के नेतृत्व में एक जांच टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। घटना के बाद दो इंजीनियर निलंबित और एक की सेवा समाप्त कर दी गई है। जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के गड्ढे में बाइक सवार कमल ध्यानी की मौत के मामले की जांच के लिए गठित टीम शनिवार को मंत्री आशीष सूद के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। इस बीच पुलिस ने दिल्ली जल बोर्ड के तीन इंजीनियरों और ठेकेदार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा में एफआईआर दर्ज कर ली है। जनकपुरी थाना क्षेत्र स्थित जोगिंदर सिंह मार्ग पर डीजेबी द्वारा खोदे गए लगभग 20 फीट गहरे गड्ढे में गिरकर मोटरसाइकिल सवार युवक कमल ध्यानी की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद कमल पूरी रात गड्ढे में अपनी बाइक के नीचे दबा रहा और वहीं दम तोड़ दिया। घटना के बाद दिल्ली जल बोर्ड के अधिशासी अभियंता एएस ग्रेवाल और सहायक अभियंता वंदना को निलंबित कर दिया गया है, जबकि अनुबंध पर कार्यरत कनीय अभियंता आलोक कुमार की सेवा समाप्त कर दी गई। वहीं, दिल्ली पुलिस ने तीनों अभियंता और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज की है। कमल ध्यानी मूल रूप से उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल स्थित खंदवाड़ी गांव के रहने वाले थे। दिल्ली में वह कैलाशपुरी में अपने पिता नरेश, मां, बड़े भाई सोनू और जुड़वा भाई करण के साथ रहते थे। पिता इलाके के शिव मंदिर में पुजारी हैं।

एनिवर्सरी केक लेकर बेटे के आने का इंतजार कर रहे थे माता-पिता

नई दिल्ली । करीब आधी रात हो चुकी थी। सभी लोग उसके घर आने का इंतजार कर रहे थे। उसने भी फोन पर बताया था कि वह 10 मिनट में घर पहुंच जाएगा। घर में एनिवर्सरी केक रखा था। अगले दिन छोटी-मोटी पार्टी की तैयारी थी। लेकिन, सब कुछ धरा ही रह गया क्योंकि वह घर नहीं पहुंच सका। करीब आधी रात हो चुकी थी। सभी लोग उसके घर आने का इंतजार कर रहे थे। उसने भी फोन पर बताया था कि वह 10 मिनट में घर पहुंच जाएगा। घर में एनिवर्सरी केक रखा था। अगले दिन छोटी-मोटी पार्टी की तैयारी थी। लेकिन, सब कुछ धरा ही रह गया क्योंकि वह घर नहीं पहुंच सका। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के गड्ढे में जान गंवाने वाले 25 साल के कमल ध्यानी ने गुरुवार रात 11:53 बजे अपने जुड़वां भाई को फोन किया था और उसे भरोसा दिलाया कि वह 10 मिनट में घर लौट आएगा। प्लान माता-पिता की शादी की सालगिरह मनाने का था। डाइनिंग टेबल पर केक रखा हुआ था। घर वाले उसके आने का इंतजार कर रहे थे।

इस बीच 30 मिनट बीत गए, लेकिन ध्यानी अपने घर नहीं पहुंचा। बार-बार कॉल करने पर भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो उसके माता-पिता घबरा गए और उसे ढूंढने के लिए घर से निकल पड़े। उन्होंने उसके ऑफिस में पूछताछ की। पार्क और सड़कों पर उसे ढूंढा।

सागरपुर, डाबरी, मंगोलपुरी, जनकपुरी, पालम और रोहिणी थाने के चक्कर भी लगाए, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। पुलिस ने कथित तौर पर शिकायत दर्ज करने से मना कर दिया क्योंकि उसके लापता हुए 24 घंटे नहीं हुए थे। उन्होंने ध्यानी को ढूंढने में मदद के लिए दो पुलिसवालों को भेजा, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। पुलिस ने उन्हें गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने के लिए सुबह 11 बजे वापस आने को कहा।

दिल्ली में टैक्सी ड्राइवरों का प्रदर्शन

बाइक टैक्सी बैन और रेगुलेशन की मांग

नई दिल्ली । दिल्ली में टैक्सी चालकों ने शनिवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर सरकार से टैक्सी सेक्टर को रेगुलेट करने, बाइक टैक्सियों पर प्रतिबंध लगाने और ऐप-बेस्ड कैब सेवाओं की नीतियों में बदलाव की मांग की। दिल्ली में टैक्सी चालकों ने शनिवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर सरकार से टैक्सी सेक्टर को रेगुलेट करने, बाइक टैक्सियों पर प्रतिबंध लगाने और ऐप-बेस्ड कैब सेवाओं की नीतियों में बदलाव की मांग की। इस प्रदर्शन में ऐप आधारित कैब ड्राइवरों के साथ-साथ पारंपरिक टैक्सी और ऑटो चालक भी शामिल हुए। यह प्रदर्शन राष्ट्रीय चालक संयुक्त मोर्चा समिति और ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी कांग्रेस यूनियन के बैनर तले किया गया। प्रदर्शनकारी चालकों ने कहा कि मौजूदा नीतियों और अनियमित व्यवस्था के कारण उनके रोज़गार पर गंभीर असर पड़ रहा है। खासकर निजी वाहनों और बाइक टैक्सियों को टैक्सी की तरह इस्तेमाल करने से लाइसेंसधारी चालकों की आमदनी घट रही है। ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी कांग्रेस यूनियन के अध्यक्ष किशन वर्मा ने कहा कि उनकी मांगों को लेकर एक ज्ञापन केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को सौंपा जाना है। उन्होंने कहा हम चाहते हैं कि ड्राइवरों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय चालक आयोग (राष्ट्रीय चालक आयोग/राष्ट्रीय चालक आयोग) का गठन किया जाए। इसके साथ ही देशभर में निजी बाइक टैक्सियों पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए। उन्होंने ऐप आधारित कैब सेवाओं में लागू सर्ज प्राइसिंग पर भी सवाल उठाए। वर्मा के मुताबिक सर्ज प्राइसिंग का फायदा ड्राइवरों को नहीं मिलता लेकिन आम लोगों को लगता है कि ड्राइवर ज्यादा कमा रहे हैं। हकीकत में कंपनियां इसका बड़ा हिस्सा अपने पास रखती हैं। प्रदर्शनकारी चालकों का आरोप है कि बिना किसी स्पष्ट नियम के निजी वाहनों को टैक्सी के रूप में चलाने की अनुमति दी जा रही है, जिससे नियमों का पालन करने वाले चालकों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि इस पर सख्त रोक लगे और एक समान नीति बनाई जाए।

आईपीएस अफसर की दबंगई पड़ी भारी छुट्टी के दौरान की थी फर्जी रेड

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने मिजोरम कैडर के आईपीएस शंकर चौधरी के खिलाफ धोखाधड़ी और बंधक बनाने का मुकदमा दर्ज किया है। अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने छुट्टी के दौरान बिना अनुमति के छापेमारी की और एक विदेशी नागरिक को अवैध रूप से कैद रखा। दिल्ली पुलिस ने एक आईपीएस अधिकारी के खिलाफ बेहद गंभीर मामले में एफआईआर दर्ज की है। मामला 2023 का है, जब मिजोरम कैडर के एक एसपी ने दिल्ली में बिना किसी अनुमति के फर्जी छापेमारी को अंजाम दिया। विजिलेंस जांच में खुलासा हुआ है कि अफसर ने न सिर्फ नियमों की धज्जियां उड़ाईं, बल्कि एक विदेशी नागरिक को अवैध तरीके से हिरासत में भी रखा। आरोपी आईपीएस अफसर की पहचान शंकर चौधरी के रूप में हुई है, जो उस वक्त मिजोरम में एसपी नारकोटिक्स थे। रिपोर्ट के मुताबिक, वे दिल्ली में छुट्टी पर आए थे और उनकी छुट्टी 20 नवंबर 2023 को खत्म हो चुकी थी। इसके बावजूद, उन्होंने दिल्ली पुलिस मुख्यालय या मिजोरम सरकार को बिना बताए 21 से 29 नवंबर के बीच डाबरी-बिंदापुर इलाके में छापेमारी की। एफआईआर में सीसीटीवी फुटेज का हवाला दिया गया है, जो बेहद चौंकाने वाला है। 26 नवंबर की रात 3:34 बजे शंकर चौधरी एक नाइजीरियाई नागरिक के घर में घुसे। करीब दो घंटे बाद सुबह 5:40 बजे वे वहां से एक लॉकर और दो बैग लेकर निकले।

कामचलाऊ बैरिकेड में गैप और बिना चेतावनी गड्ढा

नई दिल्ली । जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदे गए एक गड्ढे में गिरकर कमल नामक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। जल बोर्ड ने सड़क पर कामचलाऊ बैरिकेड लगाकर बीच में ढाई फीट का गैप छोड़ दिया था, जिसका उपयोग लोग शॉर्टकट के रूप में करते थे। गड्ढे के पास न तो रोशनी थी और न ही कोई चेतावनी संकेत, जिससे कमल को अंधेरे में गड्ढा नहीं दिखा। परिवार ने रात भर तलाश की। इस घटना से जल बोर्ड की लापरवाही उजागर हुई है। जनकपुरी में बृहस्पतिवार रात दिल्ली जलबोर्ड द्वारा खोदे गड्ढे में गिरकर कमल नामक युवक की मौत का कारण दिल्ली जलबोर्ड द्वारा गत महीने नोएडा में युवराज नामक युवक की हादसे में हुई मौत की घटना से सीख नहीं लिए जाना है। जिसके कारण जलबोर्ड द्वारा सड़क पर काम चलाउ बैरिकेड लगाकर अपना पल्ला झाड़ लिया गया था। उस बैरिकेड में करीब ढाई से तीन फीट का गैप छोड़ दिया गया था, जिससे बाइक सवार उस मार्ग पर शार्टकट लेने के लिए उपयोग करते थे। इसी शार्टकट का कमल ध्यानी ने भी इस्तेमाल किया था। शार्टकट उसके लिए मौत का रास्ता बन गया। सड़क पर बैरिकेड के बीच छोड़े गए संकरे गैप और बिना चेतावनी खोदे गए गहरे गड्ढे में गिरने से कमल की जान चली गई।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती अर्चना राजक, आवासीय मकान संख्या A-42, क्षेत्रफल 40 वर्ग गज (अर्थात 33.44 वर्ग मीटर), जो कि खसरा संख्या 33/4 में स्थित है तथा पुरानी आबादी, सजवान नगर, ग्राम शाहबाद उर्फ मित्तेपुर, परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्री प्रथम प्रभाष कुमार से क्रय करने की इच्छुक हैं। उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री मोहम्मद अली थे, जिन्होंने इसे नोटरीकृत GPA/ATS/Will दिनांक 26.04.1993 के माध्यम से श्री पूरन सिंह सजवान के पक्ष में स्थानांतरित किया। तत्पश्चात श्री पूरन सिंह सजवान ने उक्त संपत्ति को नोटरीकृत GPA/ATS/Will (दो पृथक दस्तावेज) दिनांक 26.03.2011 के माध्यम से श्रीमती सविता देवी एवं श्री काली चरण के पक्ष में स्थानांतरित किया। दुर्भाग्यवश, श्रीमती सविता देवी एवं उनके पति श्री काली चरण का निधन हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित विधिक उत्तराधिकारी शेष रहे, अर्थात् उनके दो पुत्र श्री दीपक एवं श्री अजीत कुमार। श्री दीपक एवं श्री अजीत कुमार ने उक्त संपत्ति को बिक्री विलेख दिनांक 17.09.2025, पंजीकरण संख्या 10944, के माध्यम से श्री प्रथम प्रभाष कुमार के पक्ष में विक्रय किया। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है।

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार], अधिवक्ता
चेंबर संख्या-122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश
ईमेल: kumar2021ashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I Neeta D/o Om Parkash R/o H. No.108, Near Hanuman Mandir, Punjabi Colony, Narela, North West Delhi, Delhi-110040 have changed my name to Neha for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ASMA BEGAM W/O ABRAR HUSAIN R/O 1-2/11/1, GALI NO-1, SANGAM VIHAR, MEHRAULI, SOUTH DELHI, DELHI-110062, declare that name of my minor son has been wrongly written as MD SOIB in my minor son namely MOHAMMAD SUHAIB aged 8 years in his aadhaar card No. 53145 5909 1369. The actual name of my minor son is MOHAMMAD SUHAIB which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as HARSH S/o YOGENDER SINGH, R/o House No.-993, Gali No. 7, D-Block, Nathupura Burari, Salempur Majra Burari, PO Burari, Distt. North Delhi, Delhi- 110084, have changed my name and shall hereafter be known as HARSH SINGH.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **आमिर उर्फ लफंडर पुत्रः** करीमुद्दीन **पताः** एफ-168, मुरासी वाली गली गंदे नाले के पास, शहीद नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **FIR No. 516/2023 U/s 25/54/59 ARMS Act थानाः शकरपुर, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आमिर उर्फ लफंडर** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आमिर उर्फ लफंडर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 516/2023 U/s 25/54/59 ARMS Act थानाः शकरपुर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **आमिर उर्फ लफंडर** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.03.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पी. भार्गव राव
जेएमएफसी-05, कमरा नंबर 03
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/963/ED/2026
(Court Matter)

NAME CHANGE

I, ANANDANAIDU Father of No-2612569X Rank-HAV Name-RAVI KUMAR CHONGALA Presently residing at VPO-GEDDALUPPI, MANDAL-SEETHANAGARAM, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535546, have changed my name from ANANDANAIDU to CHONGALA ANANDHNAIDU for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 18/07/1947 instead of my correct date of birth as 01/01/1946 vide Affidavit dated 07/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, CH SANDHYARANI Wife of No-2612569X Rank-HAV Name-RAVI KUMAR CHONGALA Presently residing at VPO-GEDDALUPPI, MANDAL-SEETHANAGARAM, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535546, have changed my name from CH SANDHYARANI to CHONGALA SANDHYARANI for all future purposes and in my husband's service records my date of birth wrongly mentioned as 17/06/1989 instead of my correct date of birth as 01/07/1990 vide Affidavit dated 07/02/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client Sh. Imran Khan is the owner of Land admeasuring 100 Sq. yards, out of Khasra no. 245, situated Village Haldoni, Pargana & Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar , U.P. vide GIFT DEED dated 17.01.2025, Registered as doc.no. 2661, book no.1, vol. no. 30110, Page no. 243 to 262, on 17.01.2025, SRO- Dadri- Gautam Budh Nagar and Intend to mortgage the said property with Aditya Birla Capital Finance. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Angad Maurya is the purchasing the Property bearing No. 337/23 (Old Camety No. 355/18), admeasuring 153 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 8766/1111/1/16, situated at Gali No. 2, in the colony known as Hira Nagar, in the area of village Gurgaon, Tehsil & District Gurgaon (Haryana) from Mrs. Urmila Devi who was the owner of the abovementioned property vide SALE DEED dated 20.04.2010, Registered as Doc. No. 1617, in Book No. I, Volume No. 9753/832, Page Nos. 140/52-53 on 20-04-2010 (SRO- Gurgaon)and Intend to mortgage the said property with Utkarsh Small Finance Bank Limited. That the Sale Deed dated 22.12.1988 which was registered as Doc No. 8137 is Misplaced/lost. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 14 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, BACCHAN SINGH S/o BISHAN SINGH R/o PLOT NO-165, GALI NO-18, RAKSHA ENCLAVE, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059, have changed my name from BACCHAN SINGH to BACHAN SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NO-16016348F, Rank-HAV Name-RAJESH KUMAR residing at VILL-HANSAWAS KALAN, PO-BADHRA, TEHSIL-BADHRA, DIST-CHARAKHI DADRI, HARYANA-127308, have changed my mother's name from RISHALI DEVI to RISALO for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1961 instead of her correct date of birth as 01/01/1954 vide Affidavit dated 07/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-16016348F, Rank-HAV Name-RAJESH KUMAR residing at VILL-HANSAWAS KALAN, PO-BADHRA, TEHSIL-BADHRA, DIST-CHARAKHI DADRI, HARYANA-127308, have changed my father's name from DHANPAT SINGH to DHANPAT for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of his correct date of birth as 01/01/1948 vide Affidavit dated 07/02/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-15495315M Rank-DFR Name-LALJAMES DOUNGEL residing at SAIKUL, SENAPATI, MANIPUR-795118, in my service record my mother's (NEMKHONENG DOUNGEL) date of birth wrongly written as 01/07/1956 instead of her correct date of birth as 03/07/1968 vide Affidavit dated 07/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-16016348F, Rank-HAV Name-RAJESH KUMAR residing at VILL-HANSAWAS KALAN, PO-BADHRA, TEHSIL-BADHRA, DIST-CHARAKHI DADRI, HARYANA-127308, have changed my wife's name from VIDHAYA DEVI to VIDHYA for all future purposes and in my service records my wife's date of birth wrongly mentioned as 12/06/1986 instead of her correct date of birth as 26/06/1991 vide Affidavit dated 07/02/2026 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-15495315M Rank-DFR Name-LALJAMES DOUNGEL residing at SAIKUL, SENAPATI, MANIPUR-795118, in my service record my wife's (LHAINEILHING DOUNGEL) date of birth wrongly written as 07/02/1987 instead of her correct date of birth as 30/03/1989 vide Affidavit dated 07/02/2026 before Notary Public Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, CHONGALA ESWARAMMA Mother of No-2612569X Rank-HAV Name-RAVI KUMAR CHONGALA Presently residing at VPO-GEDDALUPPI, MANDAL-SEETHANAGARAM, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535546, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 22/03/1952 instead of my correct date of birth as 01/01/1961 vide Affidavit dated 07/02/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Hulas Vashistha S/o Ashok Kumar Vashistha R/o 602E/16, Ward No 3, Teachers Colony, Mehrauli, South Delhi, Delhi-110030 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as Hulas Vashishta, Ashok Kumar Vasishta and Kamlesh in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine, my father and my mother are Hulas Vashistha, Ashok Kumar Vashistha and Kamlesh Kumari.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Niruj Vashistha S/o Ashok Kumar Vashistha R/o 602E/16, Ward No 3, Mehrauli, Delhi, NCT Of Delhi Delhi-110030 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as Niruj Vashishtha, Ashok Kumar V and Kamlesh V in my 10th amd 12th Class Educational Documents. The actual name of mine, my father and my mother are Niruj Vashistha, Ashok Kumar Vashistha and Kamlesh Kumari.

NAME CHANGE

I, ZIAUL HASAN S/O MOHD JAMEERUDDIN R/O PLOT NO-2, KHASRA NO-596,ALI PREM GARDEN, PASONDA, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH 201005 CHANGED MY NAME TO MOHD JAHUL HASAN

NAME CHANGE

I, Ashru Lalasaheb Narsale S/o Lalasaheb Narsale Resident of Village - Punwar, PO - Jategaon, PS - Karmala, Teh - Karmala, Dist. - Solapur, State - Maharashtra, Pin-413203, My Son Narsale Jijaba Ashru Posted at Bihar Regt Center, C/o - 56 APO, Danapur, Pin-908765 Army Service book have changed my name from Narsale Ashru Lalasaheb to Ashru Laladaheb Narsale & Date of Birth from 10/06/1968 to 01/01/1963 for all future purposes. My Adhar Card No. 751726583329. Vide Affidavit Dated 07 Feb. 2026 before The Notary Public at Delhi (India) in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I, Sangita Ashru Narsale W/o Ashru Lalasaheb Narsale Resident of Village - Punwar, PO - Jategaon, PS - Karmala, Teh - Karmala, Dist. - Solapur, State - Maharashtra, Pin-413203, My Son Narsale Jijaba Ashru Posted at Bihar Regt Center, C/o - 56 APO, Danapur, Pin-908765 Army Service book have changed my name from Narsale Sangita Ashru to Sangita Ashru Narsale & Date of Birth from 09/10/1977 to 01/01/1968 for all future purposes. My Adhar Card No. 686418645335. Vide Affidavit Dated 07 Feb. 2026 before The Notary Public at Delhi (India) in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE

I, MOHD SHADMAN / SHADMAN PARVEZ S/O MOHD PARVEZ residing at HOUSE NO-T-334, GROUND FLOOR, GALI NO-8, GAUTAMPURI, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my changed my name to SHADMAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SIMA KUMARI wife of No.-14840061X, Rank- HAV/MT, Name-ALOK KUMAR SINGH residing at VILL-JANPUR, BARUN, KARMAN, AURANGABAD, BARAULI, BIHAR-824124, have changed my name from SIMA KUMARI to SIMA SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 07/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD VISHAL s/o Mohammad Shafi, r/o Q6, Asaf Ali Road, DDA Flats, Delhi G.P.O. North Delhi, Delhi-110006. have changed my son name from YUSUF to MOHAMMAD YUSUF for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Pradeep Kumar Tripathi alias Pradeep Kumar S/O: Ramnand Tripathi, residing at RZF 371/4B, KH No 51/14A, 1st floor, Raj nagar Part - 2, Palam Colony new Delhi-110077, Permanent Address -House No -32/3, Gha Type, Sector-20, Gandhinagar, PO: Gandhinagar Sector 21, DIST: Gandhinagar, Gujarat - 382021,have changed my name and shall hereafter be known as PRADEEP KUMAR TRIPATHI.

NAME CHANGE

I MD NASEEM S/O SAMASUL HAQ R/O A-133 KRISHNA BASTI AMAR PURI PAHAR GANJ CENTRAL DELHI 110055 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD NASEEM.

NAME CHANGE

I NAMAT PERVEEN W/O MOHD NASEEM R/O A-133/2 KRISHNS BASTI AMAR PURI RAM NAGAR CENTRAL DELHI 110055 HAVE CHANGED MY NAME TO NEMAT KHATOON.

NAME CHANGE

I, SEEMA W/O SUMIT KUMAR R/O 15-A/2, SECOND FLOOR, BUDH VIHAR, BAREJA SADAN, BADARPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110044 have Changed my Name from Seema to Seema Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SUSHMA W/o Manoj Kumar R/o D-4/244, Sector -20, Rohini, Delhi-110086, have changed my name from SUSHMA to SUSHMA NAGARWAL for all future purpose.

NAME CHANGE

I Neeta D/o Om Parkash R/o H. No.108, Near Hanuman Mandir, Punjabi Colony, Narela, North West Delhi, Delhi-110040 have changed my name to Neha for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as Vijay S/O Jai Shri, R/O E - 109 thuts, suray park badali, Tehri Daulat Pur, North West Delhi. Delhi -110042, have changed my name and shall hereafter be known as TRIBHUVAN.

NAME CHANGE

I, AJIJ KHAN S/O NANHA KHAN residing at H NO-781, JHEEL SCOOTER MARKET, JHEEL KURANJA, KRISHNA NAGAR, DELHI -110051. have changed my changed my name to ABDUL AZIZ KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, KAMALJEET SINGH S/O TARA SINGH R/O 71-A, POCKET A-10 KOHINOOR APPARTMENTS , KALKAJI EXTENSION DELHI-110019 have changed my name to KAMALJIT SINGH . for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MUHAMMAD FURKAAN S/O VAJEER AHMED R/O D-490, WEST VINOD NAGAR, SHAKARPUR, DELHI 110092 CHANGED MY NAME TO MOHD FURKAN.

NAME CHANGE

I MOHD ZAKIR S/O NANNE KHAN R/O X-32, X BLOCK WELCOME SEELAMPUR DELHI-110053, I have changed my name to ZAKIR Permanently for all Future purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Sunil Kumar S/O Ram Kumar, R/O H NO-1D, block D1 kanwar singh nagar, Ranhola, Nangloi, DIST:West Delhi, Delhi, 110041,declare that name of my father has been wrongly written as Ram Kawar in my 10th Class educational documents and Passport no F9672835. The actual name of my father is Ram Kumar, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as Minara Bibi W/O ABDUL HAMID, residing at Hno 2412 - 2373, 1st Floor Block E JJ Colony Village Bawana Delhi 110039, Permanent Address-Goaldaha, PO: Dhutradaha, DIST: North 24 Parganas, West Bengal - 743425, have changed my name and shall hereafter be known as FATIMA BIBI.

NAME CHANGE

I, SHAKTI SINGH RAJPUT S/O RAM SINGH RAJPUT R/O HOUSE NO-354, GALI NO-1,C2, SHYAM KUNJ, BHONDSI(168), GURGAON, HARYANA-122102, HAVE CHANGED MY NAME TO SHAKTI SINGH S/O RAM SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I PUJARANI KHANDA legally wife of Army No. 15209862W, Rank - Hav (OpR), Name - Manoj Kumar Khanda presently residing At - Janakpur, Post- Sanbisol, Teh - Kaptipada, Dist. Mayurbhanj, State - Odisha, Pin - 757040 have changed my name PUJARANI KHANDA to PUJARANI SENAPATI and date of birth is 02/01/1991 to 02/03/1991 for all future purposes. Vide affidavit dated 07/02/2026 before Notary Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा ने आईएएस अधिकारी की सेवाएं केन्द्र सरकार को सौंपी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने आईएएस अधिकारी श्यामल मिश्रा की सेवाएं केन्द्र सरकार को सौंप दी हैं। मिश्रा वर्तमान में हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण, नई दिल्ली के मुख्य प्रशासक तथा ऊर्जा विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं। उल्लेखनीय है कि श्यामल मिश्रा को केन्द्र सरकार के दूरसंचार विभाग में प्रशासक (डिजिटल भारत निधि) नियुक्त किया गया है।

हरियाणा में पीजीटी को तरक्की देकर प्रिंसिपल बनाएगी सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार बहुत जल्द पीजीटी अध्यापकों को प्रिंसिपल के पद पर प्रमोट करने जा रही है। करीब 150 पीजीटी को प्रिंसिपल के पद पर प्रमोट किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी करके एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने के लिए कहा है। दो माह पहले भी शिक्षा विभाग ने 218 पीजीटी को प्रमोट कर प्रिंसिपल बनाया था। उस समय प्रदेश के 349 स्कूलों में प्रिंसिपल के पद खाली थे। वर्तमान में सेवानिवृत्ति के चलते करीब 150 के करीब पद फिर से खाली हो गए हैं। जिसके चलते विभाग एक बार फिर से प्रमोशन कर इन खाली पदों को भरने की तैयारी कर रहा है। शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी पत्र में जिला शिक्षा अधिकारियों को कहा गया है कि जिन अधिकारियों ने पहले पदोन्नति न लेने का विकल्प चुना था और एक वर्ष बीत चुका है, वह भी अपने संबंधित जिला प्रमुख के माध्यम से पदोन्नति के लिए अपने मामले भेज सकते हैं। जो अधिकारी पदोन्नति नहीं लेना चाहते, वे अपने संबंधित जिला प्रमुख के माध्यम से पत्र भेज सकते हैं। जिन पीजीटी को पदोन्नति दी जाएगी उनके सभी दस्तावेज जिला शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से भेजे जाएंगे। राज्य पुरस्कार आदि के कारण 58 वर्ष से अधिक सेवा विस्तार पर कार्यरत अधिकारियों के मामले सेवा विस्तार आदेश और राज्य पुरस्कार के सत्यापित प्रमाण पत्र के साथ भेजे जाने चाहिए।

एचपीएससी ने युवाओं पर थोपी 'रिजेक्शन पॉलिसी': सुरजेवाला

कैथल। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा की भाजपा सरकार और हरियाणा लोक सेवा आयोग पर तीखा हमला बोला है। जारी बयान में सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने युवाओं को नौकरी देने के लिए 'सिलेक्शन पॉलिसी' नहीं, बल्कि उन्हें बाहर करने के लिए 'रिजेक्शन पॉलिसी' लागू कर रखी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने एचपीएससी को अब 'हेरा फेरी सर्विस कमीशन' बना दिया है। पीजीटी कंप्यूटर साइंस भर्ती का उदाहरण देते हुए सुरजेवाला ने कहा कि 2019 में शुरू हुई यह प्रक्रिया 2026 में आकर युवाओं के लिए काल बन गई है। 1,711 पदों के लिए हजारों युवाओं ने आठ साल तक अपना समय, पैसा और सेहत दांव पर लगाई, लेकिन परिणाम आने पर अधिकांश को फेल घोषित कर दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 5,000 से अधिक योग्य उम्मीदवारों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए सुरजेवाला ने कहा कि एक तरफ नायब सैनी 'परीक्षा पर चर्चा' जैसे आयोजनों पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ वे हरियाणा के युवाओं को उच्च पदों के लिए रोजगार योग्य मानने से ही इनकार कर रहे हैं। उन्होंने इसे सरकार का दोहरा चरित्र करार दिया।

डहीना पावर हाउस में लगेगा नया ट्रांसफार्मर

रेवाड़ी। जिले के गांव डहीना स्थित 132 केवी पावर हाउस में 16/20एमवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा। नये ट्रांसफार्मर के लगने से पावर हाउस में ओवरलोडिंग की समस्या खत्म हो जाएगी साथ ही 25 से अधिक गांवों को निर्बाध रूप से बिजली की आपूर्ति हो सकेगी। हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के कार्यकारी अभियंता संजय यादव ने बताया कि पहले डहीना पावर हाउस में 10/16एमवीए के दो ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं। यह ट्रांसफार्मर करीब 18 वर्ष पहले लगाए गए थे। जिनमें से एक ट्रांसफार्मर को अपग्रेड करते हुए उसकी जगह पर 16/20एमवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया जाना है। ट्रांसफार्मर आ चुका है, तकनीकी टीम की जांच के बाद ट्रांसफार्मर को चालू कर दिया जाएगा।

इस ट्रांसफार्मर पर निगम की तरफ से करीब दो करोड़ 80 लाख रुपये का खर्चा किया गया है। इसके अलावा निगम की तरफ से 220केवी रेवाड़ी पावर हाउस में 100 एवीए का स्पेयर ट्रांसफार्मर रखा गया है, जिसका आपात स्थिति में उपयोग किया जा सकेगा। इसी प्रकार निगम की तरफ से 132 केवी बावल शहर में 25 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया है। धारूहेड़ा स्थित 66केवी पावर हाउस में भी 16 एमवीए की जगह 315 एमवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया है तथा पाली गोठड़ा में 25एमवीए तथा बुड़ौली पावर हाउस में 16 की जगह 25एमवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया है।

परीक्षा के लिए की गई मेहनत व प्रयास ही परीक्षार्थी की पहचान: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

कैथल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि परीक्षा पर चर्चा केवल अंकों की बात नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थी के मन, आत्मविश्वास और सपनों की चर्चा है। यह उनके लिए खुद को परखने और आत्मविकास का अवसर भी है। परीक्षा में कई बार अंक कम आ जाते हैं, उससे घबराना नहीं चाहिए। निरंतर कड़ी मेहनत और प्रयास करने चाहिए। हमें अपने जीवन में विजन और सोच बड़ी रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री सैनी शिक्षा निदेशालय द्वारा आरकेएसडी कॉलेज के सभागार में आयोजित परीक्षा पे चर्चा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एग्जाम वॉरियर्स विशेष एपिसोड के लाइव प्रसारण देखा। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कक्षा नौवीं से 12वीं के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं की

शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप अपने जीवन में निरंतर आगे बढ़े, ऊंचाई को छुए और विकसित भारत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। निश्चित रूप से आप सभी विद्यार्थी वर्ष 2047 में विकसित भारत के मजबूत स्तंभ होंगे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को परीक्षा का दबाव न लेने का आह्वान करते हुए कहा कि परीक्षा आपकी पहचान नहीं बल्कि परीक्षा के लिए किए गए आपके प्रयास, मेहनत व सोच ही आपकी असली पहचान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सबने परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में भाग लिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को सुना। प्रधानमंत्री ने परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों के मन में उठने वाले डर और तनाव को लेकर एक बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर वर्ष बच्चों की परीक्षाओं से पहले उनसे जुड़कर चर्चा करते हैं।

इससे पहले डीसी अपराजिता ने परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम से विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयां मिलेंगी और परीक्षा को तनाव नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखने की सकारात्मक सोच को और सुदृढ़ करेगा।

कार्यक्रम के अंत में शिक्षा विभाग की अतिरिक्त निदेशक ऋचा राठी व डीसी अपराजिता ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा, पूर्व विधायक लीला राम, जिला परिषद चेयरमैन कर्मबीर कौल, नगर परिषद चेयरपर्सन सुरभि गर्ग, एसपी उपासना मौजूद रहे।

फर्रुखनगर अनाजमंडी में खड़ी बीएलडब्ल्यूए गाड़ी में लगी आग

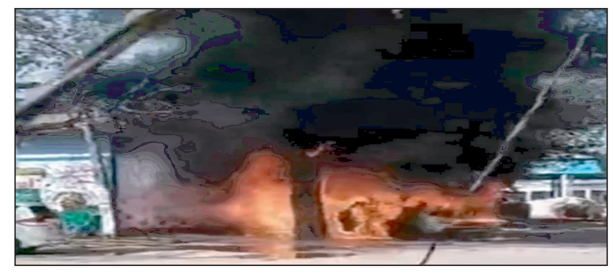

एजेंसी

गुरुग्राम। फर्रुखनगर की अनाज मंडी में दोपहर को खड़ी एक बीएमडब्ल्यूए कार में आग लग गई। कार में सवार महिला, पुरुष ने बाहर निकलकर जान बचाई। इस घटना से मंडी परिसर में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार बीएमडब्ल्यू कार अनाज मंडी परिसर में खड़ी थी, जिसमें एक महिला और एक पुरुष बैठे थे। इसी दौरान कार के नीचे से धुआं निकलने लगा। कुछ ही देर में कार से आग की लपटें उठने लगीं। आसपास के लोगों ने तुरंत कार में सवार महिला, पुरुष को आग लगने की सूचना दी। आनन-फानन में दोनों बाहर निकले। लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलने के कारण वे सफल नहीं हो सके। आग इतनी भीषण थी कि कार का एक बड़ा हिस्सा जलकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम गाड़ी लेकर पहुंचे और आग बुझानी शुरू की। लोगों की सूझबूझ और कार सवारों की सतर्कता से किसी भी प्रकार की जनहानि टल गई। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं लगा है।

एचएसएससी ने स्टेनो भर्ती के लिए आवेदन पोर्टल खोला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने विभिन्न समूहों के पदों पर सीधी भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी https://adv®xw®w{.hryssc.com लिंक के माध्यम से 6 फरवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद वेबसाइट लिंक निष्क्रिय हो जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विभागों की वरीयता केवल उन्हीं अभ्यर्थियों से ली जाएगी जो स्टेनोग्राफी स्किल टेस्ट में उत्तीर्ण होंगे। हिम्मत सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार आयोग द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं में सिख अभ्यर्थियों को निर्धारित मानकों के अनुसार किरपान पहनने और साथ रखने की अनुमति दी जाएगी। किरपान की कुल लंबाई 9 इंच (22.86 सेंटीमीटर) से अधिक तथा ब्लेड की लंबाई 6 इंच (15.24 सेंटीमीटर) से अधिक नहीं होनी चाहिए। ऐसे सिख अभ्यर्थियों को परीक्षा के निर्धारित समय से कम से कम एक घंटा पहले परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा। इसके अतिरिक्त, विवाहित महिला अभ्यर्थियों को परीक्षा कक्ष में मंगलसूत्र पहनने की अनुमति होगी और उन्हें निर्धारित समय से कम से कम 30 मिनट पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा। हिम्मत सिंह ने कहा कि आयोग ने राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुरूप सभी परीक्षा केंद्रों, पर्यवेक्षकों और सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं।

समाधान शिविर में शिकायतों के समाधान में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई: सोनू भट्ट

एजेंसी

गुरुग्राम। अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट ने लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर शिकायतों को लंबित न रखा जाए और बिना ठोस कारण के मामलों को री-ओपन करने की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग समाधान की संशोधित रिपोर्ट समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर समयबद्ध तरीके से अपलोड करें, ताकि कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित हो सके। एडीसी ने कहा कि समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच है और अधिकारियों की जिम्मेदारी है

कि वे लोगों को मौके पर ही राहत प्रदान करें। शिकायतों का निपटारा पूरी जांच और तथ्यों के आधार पर किया जाए, जिससे दोबारा शिकायत दर्ज कराने की नौबत न आए। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। इससे पूर्व चंडीगढ़ से आबकारी एवं कराधान विभाग की आयुक्त एवं सचिव आशिमा बराड़ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित समाधान शिविरों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर सरकार की पैनी नजर है और किसी भी प्रकार की ढिलाई या औपचारिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए कि लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में ठोस कार्रवाई के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में गुरुग्राम के एसडीएम परमजीत चहल ने बताया कि अब तक समाधान शिविरों के माध्यम से कुल 8177 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 6,795 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जबकि 276 शिकायतें प्रक्रिया में हैं। 485 शिकायतों को नियमानुसार निरस्त किया गया है तथा 59 मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि शेष मामलों का भी शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

गुरुग्राम में वायु प्रदूषण नियंत्रण को एक्शन प्लान किया लागू

निगमायुक्त की अध्यक्षता में बैठक में वर्ष निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति की हुई समीक्षा
वार्षिक कार्य योजना में मल्टी-सेक्टर रोडमैप, धूल, वाहनों और निर्माण गतिविधियों पर फोकस

एजेंसी

गुरुग्राम। बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए गुरुग्राम के विभिन्न विभागों द्वारा वर्ष 2026 के लिए तैयार विस्तृत एनुअल एक्शन प्लान पर कार्य शुरू हो गया है। इस योजना में सड़क धूल नियंत्रण, वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कमी, निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) गतिविधियों का प्रबंधन और शहरी ट्रैफिक सुधार जैसे प्रमुख बिंदुओं को शामिल किया गया है। योजना का उद्देश्य 2026 तक वायु गुणवत्ता में सुधार लाना और पीएम 10 व पीएम 2.5 के स्तर में कम से कम 10 प्रतिशत की कमी सुनिश्चित करना है। इस बारे में नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया की अध्यक्षता में निगम कार्यालय में संबंधित विभागों की मासिक समन्वय बैठक हुई, जिसमें वर्ष 2026 के लिए निर्धारित लक्ष्यों के तहत की जा रही कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जीएमडीए, नगर निगम, पुलिस, जीएमसीबीएल, एचएसपीसीबी, एचएसवीपी, पीडब्ल्यूडी, एग्रीकल्चर, एनएचएआई आदि विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार शहर में 2021-2024 के औसत स्तर की तुलना में 2026 तक

पीएम 10 और पीएम 2.5 में 10 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य तय किया गया है। शहर में 33 प्रमुख ट्रैफिक जाम स्थलों की पहचान करके कई स्थानों पर शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कार्य की योजना के तहत काम शुरू किया गया है। कुछ स्थानों पर सिग्नल सुधार, लेन प्रबंधन और रोड इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड किया जाएगा, जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े स्थानों पर फ्लाईओवर और बड़े ढांचागत विकास प्रस्तावित हैं। इसके अलावा गुरुग्राम में प्रतिदिन लगभग 1500 टन सीएंडडी वेस्ट उत्पन्न होता है, जबकि मौजूदा प्रसंस्करण क्षमता 1200 टन प्रतिदिन है। इस अंतर को कम करने के लिए नई सीएंडडी प्रोसेसिंग यूनिट लगाने, रिसाइकल्ड निर्माण सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देने, सरकारी परियोजनाओं में प्रोसेस्ड मटेरियल अनिवार्य करने की पहल आदि से खुले में मलबा फेंकने और उससे उडने वाली धूल को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। सड़क धूल को वायु प्रदूषण का बड़ा कारण मानते हुए 2026-27 के दौरान सेंकड़ों किलोमीटर सडक़ों के पुनर्विकास की योजना बनाई गई है। इसमें टूटी व कच्ची सडक़ों का पक्का निर्माण, रोड एज का सुदृढ़ीकरण, नियमित मैकेनिकल स्वीपिंग और धुलाई आदि कार्य किए जाएंगे। नगर निगम के अधीन लगभग 600 किमी सडक़ों को चरणबद्ध तरीके से बेहतर बनाया जाएगा, जिसके लिए विस्तृत मासिक लक्ष्य भी तय किए गए हैं। शहर में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम पहले से लागू है, जिसमें एएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) और ऑटोमैटिक चालान प्रणाली शामिल है।

दमनदीप में तैनात आईपीएस के पिता ने रोहतक में गोली मारकर की आत्महत्या

एजेंसी

रोहतक। नई अनाज मंडी में एक आईपीएस के पिता ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। एफएसएल व डीएसपी ने भी घटना स्थल का निरीक्षण कर इस बारे में पता किया। पुलिस के अनुसार बहुअकबरपुर निवासी जयपाल किसी काम के चलते नई अनाज मंडी में दुकान नंबर 38 पर आया हुआ था। इसी दौरान उसने अपने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए। इसी बीच सूचना मिलने पर शिवाजी कालोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और इस बारे में पता किया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिवाजी कालोनी थाना प्रभारी राकेश सैनी ने बताया कि उन्हें एक अधेड़ द्वारा आत्महत्या की सूचना मिली थी और इसी आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि गांव बहुअकबर पुर निवासी जयपाल ने आत्महत्या की है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है और शव को

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है जयपाल का बेटा आईपीएस है और इस वक्त दमनदीप में तैनात है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

हरियाणा के युवाओं से एचपीएससी ने फिर धोखा किया: कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, कांग्रेस की महासचिव व पूर्व मंत्री कुमारी सैलजा ने हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) की भर्ती प्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि वर्ष 2019 में निकली स्नातकोत्तर शिक्षक (कंप्यूटर साइंस) के 1711 पदों की भर्ती का परिणाम 2026 में आना और उसमें भी सिर्फ 39 अभ्यर्थियों का चयन होना हरियाणा के युवाओं के साथ एक बहुत बड़ा धोखा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि आठ वर्षों तक हज़ारों युवाओं को उम्मीद में बाँधे रखना और अंत में उन्हें अयोग्य घोषित कर देना, उनकी मेहनत, आत्मसम्मान और भविष्य, तीनों पर सीधा हमला है। इस दौरान भर्ती के नियम बार-बार बदले गए, मानदंडों में फेरबदल किया गया और परीक्षा पद्धति में लगातार बदलाव किए गए, जिससे अभ्यर्थी भ्रम में रहे। इसी बीच सैकड़ों युवा आयु सीमा पार कर चुके हैं। उन्होंने सवाल किया इस नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने कहा कि हाल में घोषित असिस्टेंट प्रोफेसर की मुख्य परीक्षा के नतीजे भी भर्ती व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करते हैं। सामान्य वर्ग में केवल 336 अभ्यर्थियों को पास किया गया, जबकि

नियमों के अनुसार 2020 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाना चाहिए था। आरक्षित वर्ग के साथ तो और भी बड़ा अन्याय हुआ जहाँ 1016 के स्थान पर मात्र 166 अभ्यर्थियों को ही पास किया गया। जिन अभ्यर्थियों को एसकेटी परीक्षा में पास किया गया उनमें से 80 प्रतिशत से भी अधिक अभ्यर्थी बाहर के यानी हरियाणा से दूसरे राज्यों के हैं। कई सब्जेक्ट में तो हरियाणा के मात्र 8 प्रतिशत छात्र ही पास किए गए हैं। यह हरियाणा के युवाओं के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। अंग्रेज़ी विषय में स्थिति अत्यंत चौंकाने वाली है। आरक्षित वर्ग के लिए 301 पद थे, लेकिन केवल 16 अभ्यर्थियों को पास किया गया और 285 पद खाली छोड़ दिए गए। अनुसूचित जाति की ओएससी व डीएससी श्रेणियों के लिए 120 पदों में से केवल 3 अभ्यर्थी पास हुए। कुल 613 अंग्रेज़ी पदों के विरुद्ध मात्र 151 अभ्यर्थी ही योग्य घोषित किए गए। सामान्य वर्ग में भी 502 पदों के सामने केवल 336 अभ्यर्थियों को पास किया गया, जबकि 1004 अभ्यर्थियों को बुलाया जाना चाहिए था।कुमारी सैलजा ने कहा कि एएमओ और पीजीटी की भर्तियों में भी 35 प्रतिशत की कठोर सीमा लगाकर हजारों अभ्यर्थियों को साक्षात्कार से बाहर कर दिया गया, जिससे अधिकांश पद खाली रह गए। यह स्पष्ट करता है कि समस्या युवाओं की योग्यता में नहीं, बल्कि भर्ती प्रक्रिया की खामियों और मनमानी में है।

हरियाणा सरकार बढ़ाएगी न्यूनतम मजदूरी दरें

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार प्रदेश में मजदूरी की न्यूनतम दरों को बढ़ाने की तैयारी में है। प्रदेश सरकार ने मजदूरी की दरें नए सिरे से तय करने के लिए कमेटी और सब कमेटी गठित कर दी हैं। इनमें संयुक्त श्रम आयुक्त और उप श्रम आयुक्त के साथ ही नियोक्ताओं और श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है।

श्रम विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन द्वारा गठित कमेटी में संयुक्त श्रम आयुक्त परमजीत सिंह ढुल को अध्यक्ष बनाया गया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, कमेटी को और सब कमेटी को पड़ोसी राज्यों के साथ मजदूरी की दरों की तुलना कर 90 दिन में अपनी रिपोर्ट सरकार को देनी होगी। इसके बाद न्यूनतम मजदूरी की दरों में बदलाव किया जाएगा। नियोक्ता प्रतिनिधियों के रूप में गुरुग्राम औद्योगिक संघ के अध्यक्ष जेएन मंगला, एफआईसीसीआई एवं एचसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष रमन सलूजा, एमएसएमई चैंबर ऑफ कामर्स के वाइस चेयरमैन विनोद गुप्ता, मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन फरीदाबाद के अध्यक्ष सुखदेव सिंह, फरीदाबाद औद्योगिक संघ के राम अवतार अग्रवाल को शामिल किया गया है। इसी तरह श्रमिकों के प्रतिनिधियों के रूप में सीटू प्रधान सुरेखा, बीएमएस हरियाणा के प्रधान अशोक कुमार, एटक महासचिव अनिल पवार, इंटक प्रवक्ता नसीब जाखड़, हिंद मजदूर सभा के अध्यक्ष सूर्य देव त्यागी और स्वतंत्र प्रतिनिधि के रूप में बीएमएस के क्षेत्रीय संगठन सचिव पवन कुमार को शामिल किया गया है। ईंट भट्ठों के लिए न्यूनतम दरों का निर्धारण और अनुशंसा करने के लिए उप श्रम आयुक्त विश्वप्रीत सिंह हुड्डा की अगुवाई में गठित सब कमेटी में हरियाणा प्रदेश ईंट भट्टा मालिक संघ के चेयरमैन प्रमोद गुप्ता और अध्यक्ष अजीत यादव नियोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करेंगे।

सूरजकुंड शिल्प महोत्सव में बेहतरीन प्रस्तुतियों से कलाकार बांध रहे समां

एजेंसी

फरीदाबाद। 39वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव 2026 के अंतर्गत छोटी चौपाल कलाकारों के लिए एक बेहतरीन और सशक्त सांस्कृतिक मंच के रूप में उभर रही है। यहां प्रतिदिन हो रहे कार्यक्रमों में प्रदेश के ख्याति प्राप्त कलाकार अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह रहे हैं और कार्यक्रम को चार चांद लगा रहे हैं। हर रोज वंदे मातरम गीत के 150 वें स्मरण उत्सव के चलते गायन और डाँस प्रतियोगिता की आयोजित की जा रहीं हैं।

उल्लेखनीय है कि छोटी चौपाल पर आयोजित ये सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, महानिदेशक के. एम. पांडुरंग तथा अतिरिक्त निदेशक विवेक कालिया के मार्गदर्शन में प्रतिदिन आयोजित किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा लोक एवं शास्त्रीय कलाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलाकारों को नियमित रूप से मंच प्रदान किया जा रहा है। दिनभर चली प्रस्तुतियों में लोकनृत्य, शास्त्रीय नृत्य, सूफी संगीत, नाटक, रागिनी और हास्य कार्यक्रमों ने दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। सांस्कृतिक विविधता से भरपूर इन प्रस्तुतियों ने मेले में आए देश-विदेश के पर्यटकों सामाजिक संदेश के साथ दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कला एवं सांस्कृतिक अधिकारी डॉ दीपिका रानी ने बताया कि शिल्प महोत्सव 2026 के अंतर्गत 15 फरवरी तक

को भारतीय कला और संस्कृति से रूबरू कराया। कलाकार वेद सिंह द्वारा प्रस्तुत रागिनी, पुष्पा शर्मा द्वारा शास्त्रीय कथक नृत्य,समीन्द्र सम्मी द्वारा फाँक बैंड की प्रस्तुति,राम सिंह यादव एंड पार्टी द्वारा लोकनृत्य ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

इसके साथ ही विकास चोपड़ा मस्करे रंगमंच द्वारा प्रस्तुत नाटक ने छोटी चौपाल पर प्रतिदिन दिनभर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहेगा। ये कार्यक्रम न केवल कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान कर रहे हैं, बल्कि सूरजकुंड मेले की सांस्कृतिक पहचान को भी और अधिक समृद्ध बना रहे हैं।

सरकार ने न्यूनतम वेतन और अधिकतम वेतन में बढ़ाई खाई : गौरव कम्बोज

एजेंसी

हिसार। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन की बैठक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में हेमसा जिला कोषाध्यक्ष गौरव कम्बोज की अध्यक्षता में हुई। इसमें हेमसा राज्य महासचिव हितेन्द्र सिहाग, जिलासह कोषाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा और सह सचिव मंगल सिंह, अजय छाबड़ा मुख्य रूप से शामिल रहे। बैठक को संबोधित करते हुए गौरव कम्बोज ने बताया कि सरकार ने न्यूनतम वेतन और अधिकतम वेतन की खाई बहुत बढ़ा दी है। सातवें वेतन आयोगमें न्यूनतम वेतन 16 हजार 900 रुपए और अधिकतम वेतन 188200 रुपए है। जो 1:14 बनता है, जबकि यह 1:7 होना चाहिए। इसके अनुसार न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपए बनता है। इस अनुसार सातवें वेतन आयोग में लिपिक, स्टैनो टाइपिस्ट का 35 हजार 400 रुपए, सहायक, आंकड़ा सहायक, स्टेनोग्राफर का 44 हहजार 900 रुपए, उपाधीक्षक का 47 हजार 600 रुपए और अधीक्षक का 56 हजार 100 रुपए वेतन बनता है। उन्होंने मांग की कि सरकार हमारी वेतन की इस मांग को सातवें वेतन आयोग में समय रहते लागू करके आठवें वेतन आयोग का लाभ दे। हरियाणा का अलग से वेतन आयोग गठित होना चाहिए और सभी तरह की वेतन विसंगतियां दूर की जाएं। मंगल सिंह ने बताया कि कर्मचारी का अधिकार और सम्मान देने वाली पुरानी पेंशन सरकार लागू नहीं कर रही, जबकि पुरे देश में सांसद, राज्यसभा सांसद, विधायक कई-कई बार की पेंशन ले रहे हैं।बैठक में विजय रोहिल्ला, रमेश पाबड़ा, संजीव शर्मा, सुरेन्द्र, राजबाला, सरोज, कविता, संध्या, पूजा, निशा, पुष्पा, ज्योति, दलीप, रामवतार,पंकज, सुरेन्द्र नैन, गुलाब, रामजस, शिव कुमार, दीपक, राकेश, राजपाल व मेजर आदि मौजूद रहे।

ट्रंप की व्यापार नीति के तहत भारत का बड़ा बाजार अमेरिकी उत्पादों के लिए खुलेगा: ग्रीर

- ट्रंप प्रशासन की पहल, टैरिफ कटौती से अमेरिकी किसानों और कंपनियों को लाभ

वाशिंगटन ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीति के तहत भारत का विशाल बाजार अब अमेरिकी उत्पादों के लिए और अधिक खुलने जा रहा है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने कहा है कि भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर लगने वाले शुल्क (टैरिफ) को कम करने पर सहमत हुआ है, जिससे अमेरिकी कंपनियों और किसानों को सीधा फायदा मिलेगा। यह बयान शुक्रवार को उस समय आया, जब व्हाइट हाउस ने अमेरिका और भारत के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते (इंटरिम ट्रेड एग्रीमेंट) के ढांचे की घोषणा की। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच निष्पक्ष, संतुलित और आपसी लाभ पर आधारित व्यापार को बढ़ावा देना है। ग्रीर ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की पहल से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल भारत अब अमेरिकी कामगारों और उत्पादकों के लिए पहले से ज्यादा खुल रहा है। इस समझौते के तहत भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों पर टैरिफ खत्म करेगा या उनमें बड़ी कटौती करेगा। इसके अलावा, अमेरिकी खाद्य पदार्थों और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रेणी पर भी शुल्क कम किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका अपने बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने के लिए भारतीय सामानों पर 18 प्रतिशत की आपसी टैरिफ दर लगाएगा।

इस टैरिफ के दायरे में टेक्सटाइल और कपड़े, चमड़ा व जूते, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, ऑर्गेनिक केमिकल, होम डेकोर, हस्तशिल्प और कुछ मशीनरी शामिल होंगी। हालांकि, अगर यह अंतरिम समझौता पूरी तरह लागू होता है तो अमेरिका कुछ भारतीय उत्पादों जैसे सस्ती दवाएं, रत्न-हीरे और विमान के पुर्जों पर से शुल्क हटा सकता है। ग्रीर ने भारत के वाणिज्य मंत्रालय और विशेष रूप से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की भूमिका की सराहना की। दोनों देशों ने स्पष्ट किया है कि यह अंतरिम समझौता एक बड़े और व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में पहला कदम है, जिस पर बातचीत आगे भी जारी रहेगी।

भारत ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस से तेल आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई अमेरिका

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका ने घोषणा की है कि भारत ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस से तेल आयात बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके परिणामस्वरूप 7 फरवरी 2026 से भारतीय वस्तुओं पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत मूल्य-आधारित शुल्क हटा दिया जाएगा। अगस्त 2025 में भारत के रूस से तेल खरीदने पर यह अतिरिक्त शुल्क लगाया गया था, जो पहले से मौजूद 25 प्रतिशत शुल्क के साथ मिलकर कुल 50 प्रतिशत हो गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के अनुसार भारत ने अगले 10 वर्षों के लिए अमेरिका के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। इसके अलावा, भारत अमेरिका से ऊर्जा उत्पाद खरीदने और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने के लिए भी तैयार है। राष्ट्रपति कार्यालय ने इसे दोनों देशों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और आर्थिक तालमेल के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि यदि भारत भविष्य में रूस से तेल आयात फिर से शुरू करता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति की टीम अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क या अन्य उपायों की सिफारिश कर सकती है। वाणिज्य और विदेश मंत्री इस बात की निगरानी करेंगे कि भारत की प्रतिबद्धता का पालन हो रहा है या नहीं। ट्रंप ने कहा कि रूस की नीतियां अमेरिका के लिए असामान्य और असाधारण खतरा हैं। आदेश में विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को आईईईपीए कानून के तहत राष्ट्रपति को मिलने वाले अधिकारों का प्रयोग करने और आदेश के क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए हैं।

चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट, 75 फीसदी लुढ़क सकते हैं भाव

- वैश्विक संकेतों का असर, गिरावट के बाद घरेलू बाजार में दिखी तेज खरीदारी

नई दिल्ली ।

चांदी की कीमतों में शुक्रवार को एक बार फिर भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बड़ी गिरावट के बाद कॉमेक्स पर सिल्वर का भाव गिरकर 63.900 डॉलर प्रति औंस तक आ गया। इसका सीधा असर घरेलू बाजार पर भी देखने को मिला, जहां एमसीएक्स सिल्वर का रेट इंट्रा-डे में फिसलकर 2.29 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के निचले स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, निचले स्तरों पर निवेशकों की तरफ से जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली।

इसी का नतीजा रहा कि चांदी की कीमतों में रिकवरी आई और भाव दोबारा बढ़कर 2.48 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास पहुंच गया। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट के बावजूद आगे और दबाव बन सकता है। बाजार के जानकारों के अनुसार चांदी की कीमतों में गिरावट के पीछे दो बड़े कारण हैं। पहला, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब कम होता नजर आ रहा है। दोनों देश न्यूक्लियर बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं, जिससे सुरक्षित निवेश माने जाने वाले गोल्ड और सिल्वर की मांग घटी है। दूसरा कारण डॉलर का अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले मजबूत होना है। इसके अलावा, ऊंचे स्तरों पर निवेशकों द्वारा की गई प्रॉफिट बुकिंग ने भी कीमतों पर दबाव डाला। एक बाजार विशेषज्ञ का कहना है कि चांदी की कीमतें अपने उच्चतम स्तर से 75 से 80 प्रतिशत तक गिर सकती हैं। उनका अनुमान है कि आने वाले दो सालों में सिल्वर का भाव घटकर 25 से 30 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो चांदी में फिलहाल उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। ऐसे में निवेशकों को सतर्क रहने और किसी भी फैसले से पहले बाजार के संकेतों पर करीबी नजर रखने की सलाह दी जा रही है।

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क तय- निर्मला सीतारमण

जेनेरिक दवाओं, रत्न-हीरों और एयरक्राफ्ट पार्ट्स को मिलेगा फायदा, 'मेक इन इंडिया' को नई रफ्तार

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। दोनों देशों ने एक अंतरिम ट्रेड एग्रीमेंट के लिए फ्रेमवर्क को अंतिम रूप दे दिया है। इस समझौते के तहत भारतीय उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले टैरिफ में औसतन 18 प्रतिशत तक कमी आने की संभावना है, हालांकि यह पूरी तरह अंतरिम समझौते के सफल क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि भारत और अमेरिका ने आपसी और लाभकारी व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए एक संयुक्त बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत के लिए प्रतिबद्ध हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस फ्रेमवर्क को भारत-अमेरिका ट्रेड पार्टनरशिप के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय निर्यातकों को अधिक बाजार पहुंच मिलेगी और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने वाले नए रास्ते खुलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास और साझेदारी का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता किसानों, मछुआरों और उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा करेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में मदद करेगा। साथ ही निवेश और टेक्नोलॉजी साझेदारी को भी मजबूती मिलेगी। वो णिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह फ्रेमवर्क भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक सहयोग को और गहरा करेगा तथा सस्टेनेबल ग्रोथ के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस फ्रेमवर्क के तहत जेनेरिक दवाएं, रत्न और हीरे, एयरक्राफ्ट व एयरक्राफ्ट पार्ट्स जैसे क्षेत्रों में टैरिफ हटाने या घटाने का रास्ता खुलेगा। इसके अलावा, भारत को ऑटोमोटिव पार्ट्स के लिए तरजीही टैरिफ कोटा मिलने की भी संभावना है, जिससे भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी।

आरबीआई की छोटी एनबीएफसी को पंजीकरण और शाखा अनुमति में छूट देने की योजना

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने घोषणा की है कि जिन बीएफसी की संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से कम, जो जनता से पूंजी नहीं जुटाती और जिनका ग्राहकों से सीधा संपर्क नहीं है, उन्हें अब आरबीआई में पंजीकरण कराने से छूट दी जा सकती है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि इन कंपनियों पर लागू नियमों की समीक्षा की गई है, और उनकी विशेष संरचना को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय प्रस्तावित किया गया है। इसका उद्देश्य इन छोटी एनबीएफसी के लिए अनुपालन बोझ कम करना है। केंद्रीय बैंक ने यह भी प्रस्ताव रखा है कि इन एनबीएफसी को 1,000 से अधिक शाखाएं खोलने से पहले अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। इसका मतलब है कि ये कंपनियां अपनी विस्तार योजनाओं को आरबीआई की पूर्व मंजूरी के बिना लागू कर सकती हैं, जब तक कोई विशेष प्रतिबंध न हो। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कदम वित्तीय प्रणाली की स्थिरता और जोखिम प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ऋण का प्रवाह और नकदी उपलब्धता अर्थव्यवस्था में बनाए रखी जाए। इस मसौदे पर हितधारकों की राय 27 फरवरी, 2026 तक आमंत्रित की गई है। इसके माध्यम से आरबीआई नियमों को अंतिम रूप

देने से पहले सभी सुझावों को ध्यान में रखेगा। छोटे एनबीएफसी के लिए यह निर्णय सुविधाजनक संचालन और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देगा, साथ ही उन्हें कम अनुपालन बोझ के साथ कार्य करने की स्वतंत्रता भी देगा।

सोने में 2 लाख निवेश से 2050 तक बन सकती है करोड़ों की संपत्ति!

मुंबई । सोने की कीमत में गिरावट ने निवेशकों के लिए नए मौके खोले हैं। वर्तमान में 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 1,56,630 रुपए प्रति 10 ग्राम है। इस आधार पर 2 लाख रुपए में निवेश करने पर आपको लगभग 12.77 ग्राम सोना मिलेगा। दिखने में यह मात्रा छोटी लग सकती है, लेकिन दीर्घकालिक निवेश में इसकी असली ताकत समय के साथ बढ़ने वाले रिटर्न में है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार सोना ऐतिहासिक रूप से 8-11 फीसदी सालाना रिटर्न देता रहा है। यदि आप 24 साल के लिए निवेश करते हैं, तो 2 लाख रुपए की रकम भविष्य में इस तरह बढ़ सकती है- अनुमानित सालाना रिटर्न 7 फीसदी (धीमी बढ़त), 2050 में संभावित कीमत 10.14 लाख रुपए, अनुमानित सालाना रिटर्न 9 फीसदी (औसत बढ़त) 2050 में संभावित कीमत 15.82 लाख रुपए और अनुमानित सालाना रिटर्न11 फीसदी (शानदार बढ़त) 2050 में संभावित कीमत 24.44 लाख रुपए। सोना महंगाई से सुरक्षा प्रदान करता है और शेयरों या क्रिप्टो की तुलना में स्थिर निवेश माना जाता है। नियमित निवेश और लंबे समय तक पकड़ इसे और भी लाभकारी बना सकते हैं।

अमेरिकी बाजार मजबूत बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी बाजार शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुए। डाओ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1,206.95 अंक बढ़कर 50,115.67 पर बंद हुआ। इस साल अब तक यह 4.3 फीसदी ऊपर है। प्रमुख योगदानकर्ता कैटरपिलर का शेयर 7.1 फीसदी उछलकर 726.20 डॉलर पर पहुंचा। गोल्डमैन सैक्स और एनवीडिया ने भी इंडेक्स को मजबूती दी। एसएंडपी 500 में 2026 में 1.3 फीसदी की बढ़त रही, जबकि नैस्डैक 0.9 फीसदी गिरा। टेक सेक्टर में एआई को लेकर चिंताओं के कारण दबाव रहा। निवेशक उम्मीद कर रहे हैं कि फेडरल रिज़र्व महंगाई को काबू में रखते हुए अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं पहुंचाएगा और 2026 में ब्याज दरें घटाना जारी रखेगा।

सेंसेक्स दिसंबर 2026 तक 1,07,000 तक जा सकता है: रिपोर्ट

मुंबई । एक ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर सकारात्मक भविष्यवाणी की है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर बाजार में तेजी का माहौल बना रहता है तो दिसंबर 2026 तक सेंसेक्स 1,07,000 के स्तर तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई की ग्रोथ-फ्रेंडली नीतियां, ब्याज दरों में कटौती, बैंकिंग सिस्टम में बढ़ती लिक्विडिटी और सरकार का कैपेक्स पर जोर बाजार को मजबूत करेगा। बजट में ग्रोथ को बढ़ावा देने वाले कदम और टैक्स सुधार भी निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत हैं। आने वाले महीनों में कंपनियों की अर्निंग्स ग्रोथ में सुधार की संभावना है, जिससे विदेशी निवेशकों की वापसी हो सकती है। कमजोर पिछला प्रदर्शन, आकर्षक वैल्यूएशन और कमजोर रुपया निवेशकों को आकर्षित कर सकते हैं। भारत-अमेरिका ट्रेड डील और चीन से बेहतर संबंध भी बाजार के लिए पॉजिटिव फैक्टर माने जा रहे हैं। उनका निष्कर्ष है कि मजबूत नीतियां, बेहतर अर्निंग्स और वैश्विक सहयोग से भारतीय शेयर बाजार में सुधार की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

आरबीआई की नीति स्थिर, तरलता पर्याप्त; आर्थिक वृद्धि के लिए सहायक कदम

- डॉलर-रुपया विनिमय दर 90-91 रुपये प्रति डॉलर के दायरे में रहने का अनुमान

मुंबई । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने हाल ही में अपनी नीतिगत समीक्षा में ब्याज दरों को पहले के स्तर पर बनाए रखने और नीति को तटस्थ रखने का निर्णय लिया। गवर्नर ने स्पष्ट किया कि कर्ज का प्रवाह अर्थव्यवस्था की उत्पादक गतिविधियों के अनुसार होगा, जिससे आर्थिक विकास को सहारा मिलेगा। आरबीआई ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में तरलता पर्याप्त स्तर पर रहेगी। चालू वित्त वर्ष में बैंकिंग प्रणाली में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये की नकदी डाली गई है। बैंकों का अनुमान है कि अगले वित्त वर्ष में 4-5 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त तरलता उपलब्ध कराई जा सकती है। यह कदम बॉन्ड और कॉल मनी मार्केट सहित सभी वित्तीय बाजारों में नीतिगत प्रभावों के प्रसार में मदद करेगा। अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ हाल में घोषित व्यापार समझौतों से देश की आर्थिक वृद्धि के अनुमान 6.9 फीसदी से बढ़कर 7.1-7.2 फीसदी तक पहुंच सकते हैं। बैंकिंग विशेषज्ञों के अनुसार यह वृद्धि निवेश और निर्यात गतिविधियों में सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। डॉलर-रुपया विनिमय दर 90-91 रुपये प्रति डॉलर के दायरे में रहने का अनुमान है। वहीं 10 वर्ष की मियाद वाले सरकारी बांड पर यील्ड 6.65-6.80 फीसदी के बीच रहने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में मुद्रास्फीति 3.2 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि पूरे वर्ष के लिए 2.1 फीसदी का अनुमान रखा गया है। अगले वित्त वर्ष में शुद्ध सरकारी उधारी हल्की बढ़कर 11.7 लाख करोड़ रुपये रहने की संभावना है।

अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में उतार-चढ़ाव

- भारतीय शेयर बाजार ने ट्रेड डील और बजट के असर के चलते उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन दर्ज किया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन देखा, जिसमें व्यापार समझौते और बजट के प्रभाव ने निवेशकों की भावना पर बड़ा असर डाला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को लाल निशान पर हुई, लेकिन ब्लू-चिप कंपनियों में मजबूती और मूल्य-खरीदारी ने सेंसेक्स और निफ्टी को सकारात्मक रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया। बीएसई सेंसेक्स 302 अंक की बढ़त के साथ 81,024.94 पर पहुंचा, जबकि एनएसई निफ्टी 59.25 अंक बढ़कर 24,884.70 पर बंद हुआ। रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 37 पैसे मजबूत होकर 91.56 पर आ गया। मंगलवार को भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा ने बाजार में उत्साह भर दिया। सेंसेक्स ने दिन में 4,205.27 अंक की छलांग लगाते हुए 85,871.73 के उच्चतम स्तर को छुआ और अंततः 2,072.67 अंक बढ़कर 83,739.13 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 682 अंकों की तेजी के साथ 25,770.40 पर बंद हुआ। यह सप्ताह का सबसे जोरदार रुख रहा, जिससे निवेशकों की विश्वास में स्पष्ट बढ़त देखने को मिली। सप्ताह के मध्य बुधवार को बाजार मामूली तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 78.56 अंक बढ़कर 83,817.69 पर और निफ्टी 48.45 अंक बढ़कर 25,776 पर बंद हुआ। हालांकि गुरुवार को बाजार फिर लाल निशान में आ गया, सेंसेक्स 503.76 अंक गिरकर 83,313.93 और निफ्टी 133.20 अंक गिरकर

25,642.80 पर बंद हुए। यह गिरावट कुछ हद तक अमेरिकी बाजारों में कमजोरी और तकनीकी सुधार की वजह से आई।

सप्ताह के अंत में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में कमजोरी के बावजूद बाजार ने रिकवरी की। सेंसेक्स 266.47 अंक की बढ़त के साथ 83,580.40 पर और निफ्टी 50.90 अंक की तेजी के साथ 25,693.70 पर बंद हुआ। कुल मिलाकर इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने अमेरिका-भारत व्यापार समझौते और बजट के असर के चलते उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन दर्ज किया।

निवेशकों की निगाहें अब अगले सप्ताह के आर्थिक संकेतकों और वैश्विक बाजार की दिशा पर टिकी हैं, जिससे बाजार की स्थिरता और रुझान तय होने की संभावना है।

भारत में कॉपर खपत अगले दो सालों में 10-12 फीसदी बढ़ने का अनुमान: इक्रा

नई दिल्ली । आईसीआरए ने अनुमान लगाया है कि भारत में अगले दो वित्तीय वर्षों में कॉपर की घरेलू खपत सालाना 10-12 फीसदी बढ़ सकती है। वित्त वर्ष 26 के पहले सात महीनों में 14-15 फीसदी की तेज़ वृद्धि दर्ज होने के बाद यह दर थोड़ी धीमी रहेगी, क्योंकि ऊंची कीमतों से शॉर्ट-टर्म मांग पर दबाव हो सकता है। तेज़ शहरीकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और ग्रीन एनर्जी ट्रांज़िशन कॉपर की मांग को मजबूत कर रहे हैं। रिन्यूएबल एनर्जी, पावर ग्रिड, डेटा सेंटर और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे सेक्टर मीडियम-टर्म में प्रमुख मांग चालक बनेंगे। फिलहाल घरेलू स्तर पर रिफाइंड कॉपर की कमी है, लेकिन नई क्षमता और बेहतर सप्लाई से स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी। मजबूत कीमतों से अपस्ट्रीम कंपनियों को फायदा मिलेगा, जबकि डाउनस्ट्रीम स्मेल्टिंग और रिफाइनिंग कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बना रहेगा।` वित्त वर्ष 26 में कॉपर की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और जनवरी 2026 तक यह लगभग 13,000 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गई, माइन सप्लाई में रुकावट, ओर ग्रेड गिरावट और अमेरिकी टैरिफ अनिश्चितताओं के कारण।

गेहूं, चावल, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को पूर्ण संरक्षण

नई दिल्ली।

भारत और अमेरिका ने शनिवार को अंतरिम व्यापार समझौते के तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को पहले के 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह समझौता किसानों के हितों की रक्षा और ग्रामीण आजीविका बनाए रखने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दर्शाता है। इस समझौते में मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पॉल्ट्री, दूध, पनीर, एथेनॉल (ईंधन), तंबाकू, कुछ सब्जियां और मांस जैसे संवेदनशील कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह संरक्षित किया गया है। इन उत्पादों का संबंध छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका से जुड़ा होने के कारण इन्हें संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। कृषि और पशुपालन भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो लगभग 70 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं। विकसित देशों की तुलना में, भारत में कृषि बड़े पैमाने पर मशीनरी पर निर्भर नहीं है, इसलिए आयात और सीमा शुल्क के माध्यम से किसानों को

विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण दिया जाता है। भारत का अमेरिका को कृषि निर्यात 2024 में 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जिसमें बादाम, पिस्ता, सेब और एथेनॉल प्रमुख हैं। भारत अगले चार वर्षों में कृषि, समुद्री उत्पाद और खाद्य एवं पेय पदार्थों का संयुक्त निर्यात 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाना चाहता है। अमेरिका कई खाद्य और कृषि उत्पादों पर शुल्क घटाएगा या समाप्त करेगा, जिससे दोनों देशों के लिए व्यापार लाभ बढ़ेगा।

आईटी शेयरों में एआई के असर से सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। भारतीय आईटी शेयर इस सप्ताह सबसे खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। निफ्टी आईटी सूचकांक 1.5 फीसदी गिरकर हफ्ते भर में 6.4 फीसदी की गिरावट दर्ज कर चुका है। इससे संबंधित कंपनियों का बाजार पूंजीकरण लगभग 6.4 लाख करोड़ रुपये घट गया। इन्फोसिस में सबसे ज्यादा 8.2 फीसदी और टेक महिंद्रा में 7.1 फीसदी का नुकसान हुआ। एंथ्रोपिक ने क्लाउड ओपस 4.6 मॉडल और नए एआई प्लग-इन्स पेश किए हैं, जो वित्त, कानूनी, मार्केटिंग और डेटा एनालिसिस जैसी सेवाओं को स्वचालित कर सकते हैं। इससे पारंपरिक आईटी सेवा मॉडल पर असर पड़ने की आशंका है, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ी।

स्क्रीन में सिमटती दुनिया और कमजोर होती बचपन की नजर

कांतिलाल मांडोतल

यह समझना जरूरी है कि तकनीक अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग हमारी सबसे कीमती इंद्रियों में से एक, आंखों, को नुकसान पहुंचा रहा है। अगर आज हमने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले वर्षों में एक ऐसी पीढ़ी सामने होगी, जो बचपन से ही कमजोर नजर के साथ जीने को मजबूर होगी। खुला आसमान, दूर तक फैला मैदान और धूप में खेलते बच्चे केवल यादें न बन जाएं, इसके लिए अभी से सचेत होना होगा।

कभी बेंगलूरू जैसे शहरों में सुबह की शुरूआत खुली हवा, पेड़ों की हरियाली और दूर तक फैले मैदानों को निहारते हुए होती थी। आंखें सहज रूप से दूर तक देख लेती थीं, नजरें बिना किसी दबाव के काम करती थीं। लेकिन बीते एक दशक में यह दृश्य तेजी से बदला है। अब बच्चों और किशोरों की दुनिया कुछ इंच की स्क्रीन में सिमट गई है। मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप ने ज्ञान, मनोरंजन और संवाद को बेहद आसान बना दिया है, लेकिन इसी सुविधा की कीमत हमारी आंखें चुका रही हैं। आंखें, जो प्रकृति के हिसाब से दूर देखने और खुले वातावरण में काम करने के लिए बनी हैं, अब लगातार पास की चीजों पर टिके रहने को मजबूर हैं। इसका असर यह हुआ है कि कम उम्र में ही नजर से जुड़ी समस्याएं, खासकर मायोपिया यानी निकट दृष्टि दोष, तेजी से बढ़ रहा है।

नेत्र रोग विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, शारीरिक सक्रियता की कमी और असंतुलित जीवनशैली ने मिलकर बच्चों की आंखों पर ऐसा दबाव डाला है, जिसकी भरपाई आगे चलकर बेहद मुश्किल हो सकती है। हाल के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और अध्ययनों में लाखों बच्चों की जांच के दौरान यह सामने आया है कि दृष्टि संबंधी समस्याएं अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि सामान्य होती जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि बच्चों की आंखें अभी विकास की अवस्था में होती हैं और इस दौरान पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव जीवनभर साथ रह सकता है।

मायोपिया की समस्या को समझना जरूरी है। जब बच्चा लगातार पास की चीजों, जैसे मोबाइल स्क्रीन या किताब, पर ध्यान केंद्रित करता है तो आंखों की मांसपेशियां उसी स्थिति में ढलने लगती हैं। धीरे-धीरे आंख की संरचना में बदलाव आने लगता है और दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देने लगती हैं। शुरूआत में यह समस्या हल्की होती है, लेकिन समय के साथ चश्मे का नंबर बढ़ता चला जाता है। कई मामलों में किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते बच्चों को मोटे लेंस लगाने पड़ते हैं। यह केवल देखने की समस्या नहीं है, बल्कि सिरदर्द, आंखों में जलन, थकान और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी परेशानियां भी साथ आती हैं।

स्क्रीन की लत का एक और गंभीर पहलू ड्राई आई सिंड्रोम है, जो पहले वयस्कों में ज्यादा देखा जाता था, लेकिन अब

बच्चों में भी आम हो रहा है। जब हम स्क्रीन देखते हैं तो सामान्य से कम पलक झपकाते हैं। इससे आंखों की सतह सूखने लगती है, जलन और लालिमा बढ़ती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर आंखों की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा, नीली रोशनी का अत्यधिक संपर्क आंखों की रेटिना पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

इस पूरी तस्वीर में सबसे ज्यादा चिंता की बात शिशुओं और छोटे बच्चों को मोबाइल और टीवी दिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति है। कई अभिभावक बच्चे को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा लेते हैं। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह आदत बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और दृष्टि विकास तीनों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। शुरूआती वर्षों में बच्चे की आंखें और मस्तिष्क तेजी से विकसित होते हैं। इस दौरान स्क्रीन पर निर्भरता उनके प्राकृतिक सीखने की प्रक्रिया को बाधित करती है। आंखें गहराई, दूरी और गति को पहचानने का अभ्यास नहीं कर पातीं, जो आगे चलकर देखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

प्राकृतिक रोशनी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई अध्ययनों में यह साफ तौर पर सामने आया है कि जो बच्चे रोजाना पर्याप्त समय बाहर धूप में बिताते हैं, उनमें मायोपिया का जोखिम कम होता है। धूप में रहने से शरीर में विटामिन-डी का स्तर बेहतर होता है और आंखों में डोपामाइन का स्राव बढ़ता है, जो आंख की लंबाई को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके विपरीत, बंद कमरों में सीमित रहना और ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बिताना आंखों को उनके प्राकृतिक वातावरण से दूर कर देता है।

आज का शहरी जीवन बच्चों को खुले में खेलने से भी वंचित कर रहा है। पढ़ाई का दबाव, सुरक्षा की चिंता और डिजिटल मनोरंजन की उपलब्धता ने खेल के मैदानों को खाली कर दिया है। नतीजा यह है कि बच्चे न सिर्फ शारीरिक रूप से कम सक्रिय हो रहे हैं, बल्कि उनकी आंखों को भी वह राहत नहीं मिल पा रही, जिसकी उन्हें जरूरत है। आंखों के लिए दूर तक देखना एक तरह का व्यायाम है, जो उन्हें स्वस्थ रखता है। जब यह अभ्यास बंद हो जाता है तो आंखें कमजोर पड़ने लगती हैं।

दूरगामी परिणामों की बात करें तो यह समस्या केवल चश्मे तक सीमित नहीं रहती। उच्च स्तर का मायोपिया भविष्य में रेटिना डिटैचमेंट, ग्लूकोमा और मैक्युलर डिजनरेशन जैसी गंभीर आंखों की बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है। इसका मतलब है कि जो समस्या बचपन में शुरू होती है, वह वयस्कता में अंधेपन तक का कारण बन सकती है। इसके अलावा, कमजोर नजर का असर बच्चे के आत्मविश्वास, पढ़ाई और सामाजिक व्यवहार पर भी पड़ता है। बार-बार आंखों की थकान और सिरदर्द से जूझता बच्चा पढ़ाई में पिछड़ सकता है और खेलकूद से दूर हो सकता है।

अभिभावकों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद अहम है। बच्चों को पूरी तरह तकनीक से दूर रखना संभव नहीं है और न ही यह व्यावहारिक है। लेकिन संतुलन बनाना जरूरी है। स्क्रीन टाइम को सीमित करना, बीच-बीच में आंखों को आराम देना और बच्चों को बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं। भोजन में हरी सब्जियां, फल और पोषक तत्व शामिल करना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है। साथ ही, समय-समय पर आंखों की जांच करवाना समस्याओं को शुरूआती चरण में पकड़ने में मदद करता है।

समाज और शिक्षा व्यवस्था को भी इस दिशा में सोचने की जरूरत है। स्कूलों में लंबे समय तक डिजिटल पढ़ाई के बजाय मिश्रित तरीकों को अपनाया जाना चाहिए, जहां स्क्रीन और किताब दोनों का संतुलित उपयोग हो। बच्चों को आंखों की देखभाल के बारे में जागरूक करना और खुले में गतिविधियों के लिए समय निर्धारित करना भविष्य की पीढ़ी की दृष्टि बचाने की दिशा में बड़ा कदम हो सकता है।

यह समझना जरूरी है कि तकनीक अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग हमारी सबसे कीमती इंद्रियों में से एक, आंखों, को नुकसान पहुंचा रहा है। अगर आज हमने इस पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले वर्षों में एक ऐसी पीढ़ी सामने होगी, जो बचपन से ही कमजोर नजर के साथ जीने को मजबूर होगी। खुला आसमान, दूर तक फैला मैदान और धूप में खेलते बच्चे केवल यादें न बन जाएं, इसके लिए अभी से सचेत होना होगा। बच्चों की आंखों की सुरक्षा केवल स्वास्थ्य का सवाल नहीं, बल्कि उनके पूरे भविष्य से जुड़ा हुआ मुद्दा है। (वरिष्ठ पत्रकार,साहित्यकार,स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

भारत और ईयू वार्ता

डॉनल्ड ट्रंप के मूड के हिसाब से कभी बंद, तो कभी खुलते अमेरिकी बाजार के दरवाजों से परेशानी के दौर में भारत और ईयू ने उस वार्ता को अंजाम तक पहुंचाया है, जो 19 वर्षों से खिंच रही थी। डॉनल्ड ट्रंप के प्रहार झेल रही दुनिया में भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करके मजबूत संदेश दिया है। ट्रंप के मूड के हिसाब से कभी बंद, तो कभी खुलते अमेरिकी बाजार के दरवाजों से परेशानी के दौर में दोनों पक्षों ने उस वार्ता को अंजाम तक पहुंचाया है, जो 19 वर्षों से खिंच रही थी। इसके बावजूद एफटीए के लागू होने में अभी कम-से-कम एक वर्ष लगेगा। इसके तहत मिलने वाली रियायतों के संपूर्णतः लागू होने में तो सात साल लगेंगे। ईयू में ऐसे समझौतों पर मुहर लगने की प्रक्रिया दुरूह है। मसलन, अब समझौते के प्रारूप का वहां प्रचलित 24 भाषाओं में अनुवाद होगा। संबंधित देशों की हरी झंडी मिलने के बाद यूरोपीय संसद उसे पारित करेगी। उस प्रक्रिया से होकर निकले प्रारूप पर तब जाकर दस्तखत हो पाएंगे। चूंकि विवादास्पद मुद्दों को फिलहाल एफटीए से अलग रखा गया है, इसलिए संभावना है कि उपरोक्त प्रक्रियाएं निर्बाध पूरी हो जाएंगी। कृषि, निवेश संरक्षण, कार्बन टैक्स आदि फिलहाल एफटीए में शामिल नहीं हैं। पिछले वित्त वर्ष में भारत और ईयू के बीच व्यापार 136.5 बिलियन डॉलर का था। एफटीए लागू होने के बाद इसमें 41- 65 प्रतिशत तक वृद्धि होने का अनुमान है। अमेरिका के लगाए टैरिफ से भारत के जीडीपी को 1.6 फीसदी नुकसान का अंदाजा लगाया गया था। संभावना है कि उसमें से लगभग आधे की भरपाई ईयू से बढ? वाले व्यापार से हो जाएगी। इससे ईयू के वस्त्र बाजार में भारतीय उत्पाद बांग्लादेश और पाकिस्तान के उत्पादों का बाजार छीन पाएंगे। मगर महंगे वाहनों, नासपाती, कीवी, स्टील, फूड प्रोसेसिंग आदि के भारतीय कारोबार पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ेगा। बहरहाल, बदलती हुई दुनिया में निर्यात केंद्रित अर्थव्यवस्थाएं ऐसे ही उपायों से अपनी मुश्किलों से निकलने की जद्दोजहद कर रही हैं। पिछले हफ्ते दावो में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने आह्वान किया था कि मध्यम श्रेणी की ताकतें उत्पीड? से बचने के लिए मिल-जुल कर रास्ता निकालें। उसी तरह की एक राह निकालने की कोशिश भारत-ईयू ने की है। इससे भविष्य को लेकर फिलहाल माहौल में सकारात्मकता आई है। इसमें एक मजबूत संदेश निहित है।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापक और न्यायकारी ईश्वर

ईश्वर का दंड एवं उपहार दोनों असाधारण हैं। इसलिए आस्तिक को सदा ध्यान रहेगा कि दंड से बचा जाए और उपहार प्राप्त किया जाए।

यह प्रयोजन छुटपुट पूजा-अर्चना, जप-ध्यान से पूरा नहीं हो सकता। यह भावनाओं और क्रियाओं को उत्कृष्टता के सांचे में ढालने से ही पूरा होता है। न्यायनिष्ठ जज की तरह ईश्वर किसी के साथ पक्षपात नहीं करता। अपना गुणगान करने वाले के साथ यदि वह पक्षपात करने लगे, तब उसकी न्याय व्यवस्था का कोई मूल्य न रहेगा, सृष्टि की सारी व्यवस्था ही गड़बड़ा जाएगी। सबको अनुशासन में रखने वाला परमेर स्वयं नियम व्यवस्था में बंधा है। यदि वह उच्छृंखलता व अव्यवस्था बरतेगा तो फिर उसकी सृष्टि में पूरी तरह अंधेरा फैल जाएगा। फिर कोई उसे न तो न्यायकारी कहेगा और न समदर्शी। भगवान को हम सर्वव्यापक व न्यायकारी समझकर ईश्वर के दंड से डरें। उसका भक्त वत्सल ही नहीं, रौद्र रूप भी है, जो रुग्ण, मूक, बधिर, अंध, अपंगों की दशा देखकर सहज समझा जा सकता है। केवल बंशी बजाने वाले और रास रचाने वाले ईश्वर का ही ध्यान न रखें। उसका एक त्रिशूलधारी रूप भी है, जो दुरात्माओं का दमन व मर्दन करता है। न्यायनिष्ठ जज की तरह ईश्वर को भी भक्त-अभक्त, प्रशंसक-निंदक का भेद किए बिना व्यक्ति के शुभ-अशुभ कर्मों का दंड या पुरस्कार देना होता है। उपासना का उद्देश्य ईश्वर से अनुचित पक्षपात करना नहीं होना चाहिए। वह हमें सत्प्रवृत्तियों में संलग रहने और सत्पथ से विचलित न होने की दृढ़ता प्रदान करे। यही ईश्वर की कृपा का सर्वश्रेष्ठ चिह्न है। आस्तिक या नास्तिक की पहचान तिलक, जनेऊ, कंठी, माला आदि के आधार पर नहीं, वरन भावनात्मक व क्रियात्मक गतिविधियों को देखकर ही होती है। आस्तिक की मान्यता प्राणिमात्र में ईश्वर की उपस्थिति देखती है। इसलिए उसे हर प्राणी के साथ उदारता, आत्मीयता व सेवा सहायता भरा व्यवहार करना पड़ता है। भक्ति का अर्थ है- प्रेम। जो प्रेमी है, वह अपने क्रियतम को सर्वव्यापक देखेगा और सभी से सौम्यतापूर्ण व्यवहार कर भक्ति भावना का परिचय देगा। ईश्वर दर्शन का यही रूप है। हर चर-अचर में छिपे परमात्मा को जो अपनी ज्ञान दृष्टि से देख सका और तदनुरूप कर्त्तव्य निर्धारण कर सका, मानना चाहिए, उसे ईश्वर दर्शन का लाभ मिल गया। अपने में परमेर और परमेर में अपने को देखने की दिव्य दृष्टि जिसे मिल गई, समझो उसने पूर्णता का जीवन लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।

प्राकृतिक असंतुलन से आ रहे लगातार भूकंप और तीव्र तूफान?

डॉ हिदायत अहमद खान

मानव समाज ने विकास के नाम पर जिस क्रूरता से प्रकृति-प्रदत्त हरे-भरे जंगलों और पर्वत श्रंखलाओं को नष्ट किया है उसके अब दूष्परिणाम सामने आने लगे हैं। मानव ने जंगलों को खत्म कर कंक्रीट के जंगल खड़े किए, बहुतायत में पहाड़ों को समतल किया गया और भूमिगत जल के साथ ही तमाम तरह की खनिज संपदा निकालकर पृथ्वी को अंदर से भी खोखला कर दिया। ये वो प्राकृतिक चीजें हैं जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखती हैं, जब यही असंतुलित हो गईं तो फिर प्रकृति खुद अपना संतुलन तो बनाएगी ही। इसलिए पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के अलगझ्अलग हिस्सों से लगातार भूकंप के झटकों, तीव्र तूफानों, भीषण बारिश, बाढ़ और सुप्त ज्वालामुखियों के सक्रिय होने की खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल संयोग नहीं कह सकते हैं। दरअसल ये पृथ्वी की भूगर्भीय गतिविधियों और तेजी से बिगड़ते प्राकृतिक संतुलन की ओर इशारा कर रही हैं। प्रकृति मानो यह संकेत दे रही है कि वह अपने भीतर जमा दबाव को बाहर निकालने की प्रक्रिया में है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल और जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखा जाता है। भूगाल की भाषा में कहें तो भूकंप पृथ्वी की आंतरिक प्लेटों के आपसी टकराव, खिसकने या टूटने का परिणाम होते हैं। प्रशांत महासागर का ह्यरिंग ऑफ फायरह्न क्षेत्र इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंप आते हैं और कई ज्वालामुखी सक्रिय रहते हैं। यह क्षेत्र लंबे समय से भूगर्भीय रूप से संवेदनशील रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी गतिविधियों में तेजी आई है। इसके साथ ही, यूरोप, एशिया और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भी असामान्य भूकंपीय गतिविधियां देखी जा रही हैं, जो पृथ्वी के भीतर बढ़ते असंतुलन का संकेत मानी जा सकती हैं। दूसरी ओर, मौसम संबंधी आपदाएं भी इसी कड़ी का हिस्सा हैं। हाल ही में यूरोप के इबेरियन प्रायद्वीप पर स्टॉर्म लियोनार्डो ने भारी तबाही मचाई। स्पेन और पुर्तगाल में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण नदियां उफान पर आ गईं, बाढ़ जैसे हालात बने और हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। अकेले स्पेन के अंडालूसिया क्षेत्र में 11 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि पुर्तगाल के कई शहरों में आपातकाल लागू करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि लियोनार्डो के गुजरने के बाद भी खतरा टला नहीं है। मौसम विभाग चेतावनी दे चुका है कि मार्ता तूफान तट से टकरा सकता है, जिसकी रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। लगातार बारिश के कारण जमीन पहले ही पानी से संतृप्त हो चुकी है और अब उसमें और पानी समाने की क्षमता नहीं बची है। इसका सीधा असर नदियों के जलस्तर, बांधों और जलाशयों पर पड़ रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। अंडालूसिया के कोडोर्बा प्रांत में ग्वाडलक्विविर नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया, जिसके चलते रिहायशी इलाकों को खाली कराना पड़ा और ऐतिहासिक रोमन ब्रिज पर आवाजाही रोक दी गई। ग्रहजालेमा पर्वतीय क्षेत्र में तो हालात और भी चिंताजनक हैं, जहां चट्टानें अत्याधिक पानी सोखने पर घुलने लग जाती हैं। इससे जमीन धंसने का खतरा पैदा हो जाता है, जिससे मकानों और सड़कों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है। पुर्तगाल में भी हालात अलग नहीं हैं। साडो नदी के किनारे स्थित अल्कासेर शहर का बड़ा हिस्सा कई दिनों से पानी में डूबा हुआ है। बताया जा रहा, कि लोगों के पास पहनने के कपड़ों के अलावा कुछ नहीं बचा और हजारों नागरिकों को तत्काल सहायता की जरूरत है। टैगस नदी सहित छह प्रमुख नदियों को रेड अलर्ट पर रखा गया है। सरकार ने फरवरी मध्य तक 69 नगरपालिकाओं में आपदा स्थिति बढ़ाने का फैसला किया है, जो इस संकट की व्यापकता को दशार्ता है। ऐसे में साधारणतः यही कहा जाता है कि इन सभी घटनाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन की बड़ी भूमिका है। बढ़ता वैश्विक तापमान, अनियंत्रित शहरीकरण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन मौसम चक्र को असंतुलित कर रहे हैं। लगातार आने वाले तूफानों की यह 'स्टॉर्म ट्रेन' बताती है कि अब चरम मौसमी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि नई सामान्य स्थिति बनती जा रही हैं। भूकंप के झटके, तीव्र तूफान और ज्वालामुखीय गतिविधियां यह संकेत देती हैं कि प्रकृति अपने तरीके से संतुलन बनाने की कोशिश

कर रही है। अब सवाल यह है कि क्या मानव समाज इन चेतावनियों को गंभीरता से ले रहा है? केवल आपदा के बाद राहत और बचाव पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं होगा। जरूरत है मजबूत बुनियादी ढांचे, बेहतर शहरी नियोजन, वैज्ञानिक चेतावनी प्रणालियों और दीर्घकालिक पर्यावरण संरक्षण नीतियों की। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रकृति के साथ टकराव नहीं, बल्कि सामंजस्य ही मानव सभ्यता की सुरक्षा का एकमात्र रास्ता है। यदि समय रहते संतुलन नहीं साधा गया, तो आने वाले वर्षों में ऐसी आपदाएं और अधिक भयावह रूप ले सकती हैं। प्रकृति के संकेत साफ हैं, अब भी चेत जाने का वक्त है।

ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति अपना रहे हैं ट्रंप

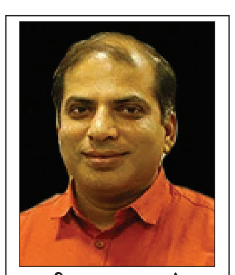

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी चरम पर होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर उन सभी देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी तरह का व्यापार जारी रखेंगे। आदेश में शुल्क की दर तय नहीं की गई है, पर उदाहरण के तौर पर पच्चीस प्रतिशत का जिक्र है। साफ कहा गया है कि जो भी देश सीधे या परोक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवा खरीदेगा, उस पर यह शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप ने अलग से बयान देते हुए दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए।

यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान में वार्ता को अच्छी शुरूआत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अविश्वास का माहौल गहरा है, खासकर इसलिए कि हाल ही में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी बताया, पर साथ में चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे।

अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ

व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा।

हम आपको बता दें कि इस तनातनी की जड़ें पिछले एक दशक में लिए गए फैसलों में हैं। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते के तहत ईरान को सीमित स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की अनुमति थी और उस पर सख्त निगरानी थी। बदले में उस पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में इस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और कठोर प्रतिबंध फिर लगा दिए थे। तेल निर्यात, जहाजरानी और बैंक तंत्र पर पाबंदियों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को भारी चोट दी। जवाब में ईरान ने समझौते की कई शर्तों से आगे बढ़ कर संवर्धन करना शुरू कर दिया।

बीते वर्षों में हालात और बिगड़े। वर्ष 2020 में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी अमेरिकी हमले में मारे गए, जिससे टकराव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। फिर संयुक्त राष्ट्र में प्रतिबंध फिर लगाने की कोशिशें हुईं। वर्ष 2025 में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर में एक अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइल दागी, हालांकि जान का नुकसान नहीं हुआ। पिछले वर्ष पश्चिमी देशों के प्रयास से संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध फिर लागू हुए।

अब ताजा कदम के तहत अमेरिका ने ईरानी तेल और पेट्रो रसायन से जुड़े पंद्रह संस्थानों और कई जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। उधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर ईरान को चेताया कि किसी भी हमले का जोरदार जवाब मिलेगा। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ तालमेल बहुत गहरा है, इसलिए अंतिम फैसला ट्रंप ही करेंगे। ट्रंप ने भी कहा है कि ईरान बातचीत इसलिए कर रहा है क्योंकि वह अमेरिकी हमले से बचना चाहता है और अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा इलाके में आगे बढ़ रहा है।

सवाल यह है कि क्या यह पूरी कवायद शांति की राह है या दबाव की राजनीति का नया दौर? ट्रंप का शुल्क हथियार दरअसल आर्थिक घेराबंदी का विस्तार है। संदेश साफ है कि जो ईरान से नाता रखेगा, वह अमेरिकी बाजार से हाथ धो सकता है। यह नीति कई देशों को कठिन दुविधा में डालेगी, खासकर वे देश जो ऊर्जा जरूरतों के लिए ईरानी तेल पर निर्भर हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और पश्चिम एशिया की सामरिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ेगा।

सामरिक दृष्टि से यह रस्साकशी खतरनाक है। एक ओर बातचीत चल रही है, दूसरी ओर युद्ध की तैयारी जैसे संकेत दिए जा रहे हैं। बेड़े की तैनाती, मिसाइल की चर्चा और प्रतिबंधों की बौछार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां एक छोटी चिंगारी भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है। ईरान भी झुकने के मूड़ में नहीं दिखता और वह बार बार अपने अधिकार की बात दोहरा रहा है।

बहरहाल, हकीकत यह है कि न तो केवल दबाव से समाधान निकलेगा, न केवल बयान से। यदि दोनों पक्ष सच में टकराव टालना चाहते हैं तो उन्हें भरोसे की बहाली, चरणबद्ध रियायत और स्पष्ट लक्ष्यों की राह पकड़नी होगी। वरना शुल्क, प्रतिबंध और हमले का यह चक्र पूरे इलाके को अस्थिर कर देगा और इसका असर दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा पर दूर तक जाएगा। अभी भी समय है कि शक्ति प्रदर्शन की जगह समझदारी दिखाई जाए, नहीं तो आने वाले दिन और ज्यादा उथल पुथल लेकर आ सकते हैं।

हंसगुल्ले

मरीज ने एक डॉक्टर से पूछा : आपने दो-दो थर्मामीटर क्यो रखे हैं?
डॉक्टर ने जवाब दिया : एक मुंह में लगाने के लिए और दूसरा जेब में।
मरीज : मैं आपका मतलब नही समझा?
डॉक्टर : मतलब यह कि एक थर्मामीटर मुंह में लगाने से पता चलता है कि आपका शरीर कितना गर्म हैं दूसरा जेब में लगाने से पता चलेगा कि आपकी जेब कितनी गर्म है।

• • •

अध्यापिका छात्र से : मोटर साइकिल के कितने टायर होते हैं?
छात्र : 6 टायर।
अध्यापिका : कैसे?
छात्र : 4 मोटर के 2 साइकिल के!

• • •

अध्यापिका छात्र से : ऐसा कौन सा जानवर है जो सबसे ज्यादा अंडे देता है?
छात्र : मैडम, हमारे गणित वाले सर। मेरी कॉपी में उन्होंने शुरु से अंत तक अंडे ही अंडे दिए हैं।

• • •

अध्यापक छात्र से : तुम्हारे घर की चाय बहुत अच्छी थी।
छात्र : सर अगर बिल्ली ने दूध झूठा नहीं किया होता तो और अच्छी होती।
एक ट्रेन बहुत देर बाद चली।

• • •

मुस्लिम बोला- या अली बला टाली।
हिंदू बोला-जय बजरंग बली।
फनी सरदार बोला-रे अली और बली, ट्रेन अपनी नहीं, साथ वाली चली।

• • •

तीन चींटी रास्ते में बैठकर बातें कर रही थीं कि अचानक उस रास्ते से हाथी गुजरता है।
वहां बैठी एक चींटी हाथी से बोली- हाथी मुझसे कुश्ती लड़ोगे।
बाकी चींटियां- अरे रहने दो यार बेचारा अकेला है।

• • •

टीचर: क्या तुम्हारे पापा ने होमवर्क करने में तुम्हारी मदद की है ?
बच्चा-जी नहीं, उन्होंने बिना किसी मदद के होमवर्क किया है।

• • •

परीक्षा हॉल में शिक्षक -क्यों सौरभ प्रश्न मुश्किल लग रहा है?
सौरभ- प्रश्न तो ठीक है सर, मुश्किल केवल उसका उत्तर लग रहा है।

• • •

डॉक्टर (रोगी से): तुम इस दुनिया में बस केवल दो-चार घंटे के मेहमान हो। क्या तुम मरने से पहले किसी को देखना चाहते हो?
रोगी: जी हां।
डॉक्टर : किससे?
रोगी: अच्छे डॉक्टर से मिलना चाहता हूं।

पहेलियाँ

वह पंखों के बगैर उड़ता है,
मगर हवाई जहाज नहीं है,
वह इस तरह से सैर करता,
क्या है भला नाम बताओ।

• • • • • •

दूध की कटोरी में काला पत्थर,
जल्दी से तुम बताओ सोच कर।

• • • • • •

पाँच अक्षर का मेरा नाम,
उल्टा सीधा एक समान।

• • • • • •

चाची के दो कान,
चाचा के नहीं कान,
चाची अति सुजान,
चाचा को कुछ ना ज्ञान।

• • • • • •

तीन अक्षर का मेरा नाम,
उल्टा सीधा एक समान,
मैं हूं एक जाति का नाम।

• • • • • •

उत्तर : 1. बादल, 2. आंख, मगरमच्छ, चना और कंकड़, ईसाई

रास्ता खोजो

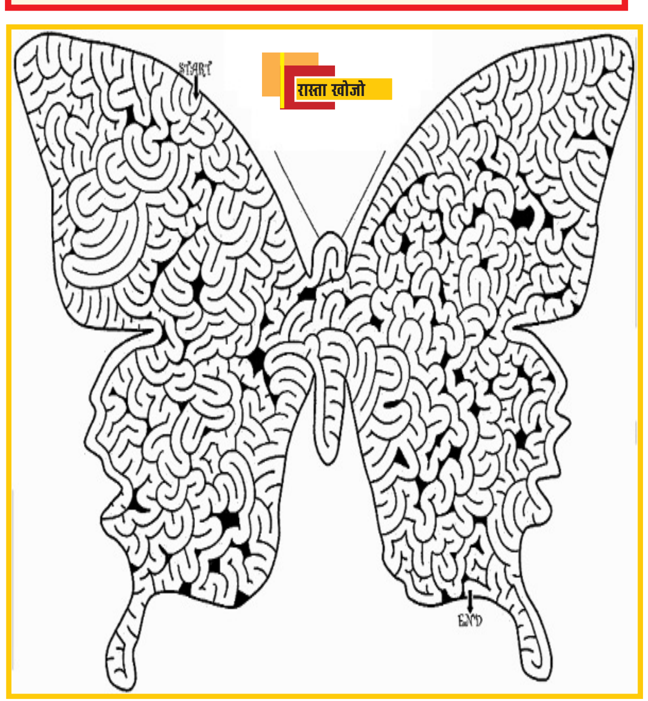

उल्लुओं की भाषा

अकबर को देखते ही बीरबल ताड़ गया कि वे क्या सोच रहे हैं। घुड़सवारी के लिए आवश्यक पोशाक उन्होंने पहन रखी थी और कालीन पर फैलाये गये तलवारों व भालों को ध्यान मग्न होकर देख रहे थे। बीरबल ने झुककर सलाम किया। चूँकि अकबर की दृष्टि हथियारों पर केंद्रित थी, इसलिए थोड़ी देर बाद उन्होंने मन ही मन गुनगुनाते हुए कहा, वाह, कितने उम्दे हथियार हैं! अकबर को शिकार करना बेहद पसंद था। हिरनों के सिरों से पूरे भवन को सजाना उन्हें कितना ही अच्छा लगता था। किन्तु बीरबल को जंगल में आजादी के साथ विचरते हुए वन्य मृगों का शिकार करना बिल्कुल ही पसंद नहीं था। वे स्वयं शिकार करने की क्रिया में भाग नहीं लेते थे। वे इसी बात को लेकर सोचा करते थे कि बादशाह की शिकार करने की आसक्ति को कैसे कम करूँ। इसके लिए वे कोई मार्ग ढूँढ़ने में लगे हुए थे।

बीरबल, जानते हो, मैं क्या करने जा रहा हूँ? अकबर ने पूछा। दूसरों के मन को पढ़ने की विद्या से मैं अनभिज्ञ हूँ महाराज, बीरबल ने मुस्कुराते हुए कहा। मैं जानता हूँ तुम यह विद्या बखूबी जानते हो। देखो, कड़ी धूप है, ठंडी हवा चल रही है। शिकार करने के लिए आज का दिन बहुत ही अनुकूल है। कहो, तुम्हारा क्या अभिप्राय है? अकबर ने पूछा।

हाँ, प्रभु, बीरबल ने कहा। इसका यह मतलब हुआ कि तुम भी हमारे साथ आ रहे हो। अकबर ने कहा। प्रभु की खुशी ही हमारी खुशी है, बीरबल ने विनयपूर्वक कहा। मुझे मालूम है कि तुम्हें शिकार से चिढ़ है, बिल्कुल पसंद नहीं करते। तुम बहुत ही होशियार हो। सही मौक़े पर चमत्कार भरी बातें करने में तुम माहिर हो। किन्तु मैं यह नहीं जानता कि तुम शारीरिक रूप से बलवान हो या नहीं। तुम हमारे साथ शिकार करने आ जाओगे तो यह भी मालूम हो जायेगा। अकबर ने मुस्कुराते हुए कहा। झुककर सलाम करते हुए बीरबल ने कहा, जैसा आपका हुक्म बादशाह।

बीरबल के साथ अकबर परिवार व सेना सहित शिकार करने घोड़े पर सवार होकर निकल पड़ा । नगर पार करने के एक घंटे के बाद वे जंगल में पहुँचे। जंगल में उनके सैनिकों ने तरह-तरह की आवाज़ों से जंगल को प्रतिध्वनित किया और डफले बजाये, जिससे वन्य मृग भय के बारे अपनी जगह से भागें। पूरा जंगल गूँज उठा। पक्षी उड़े, झाड़ियों में छिपे खरगोश, हिरण जैसे साधु प्राणी भय के मारे जंगल की ओर भागने लगे। राज परिवार उनका पीछा करने लगा। ऊँचे पेड़ों से भरे समतल भूमि पर बादशाह पहुँचे। देखा गया कि एक बाघ उनकी ओर बढ़ता हुआ आ रहा है। उसकी आँखें एकदम लाल हैं। डफलियों की ध्वनियों ने उसे नाराज़ कर दिया था। हथियारों से लोगों ने जब उसे अचानक घेर लिया तब क्षण भर के लिए वह रुक गया। पीछे मुड़कर जाने का मार्ग भी नहीं था। दिशाओं को प्रतिध्वनित करते हुए उसने गर्जना की। पंजा फैलाते हुए, पैने दांतों से भरे मुँह खोले वह अकबर पर टूट पड़नेवाला ही था। अकबर ने भाले को ऊपर उठाया और उसके मुँह को निशाना बनाकर उसे ज़ोर से फेंका। बस, बाघ के मुँह के अंदर भाले के घुस जाने से बाघ ज़मीन पर गिर पड़ा। उसके मुँह से खून लगातार बहने लगा। बादशाह घोड़े पर से उतरे और म्यान से तलवार निकालकर बाघ की ओर गये। पर तलवार चलाने की कोई जरूरत नहीं पड़ी, वह बाघ छटपटाता हुआ वहीं मर गया। राजा ने विजय के उत्साह से पूरित होकर अपना हाथ उठाया। पूरा परिवार आनंद विभोर होकर चिल्लाया, अल्लाहो अकबर। शाम तक बादशाह ने एक और बाघ को मार डाला। सब लोग आराम करने एक सरोवर के पास गये। खाना खा चुकने के बाद अकबर ने कहा, यहाँ की प्रकृति का सौंदर्य मुझे बहुत अच्छा लगा। यहीं थोड़ी और देर तक ठहरूँगा। फिर उन्होंने परिवार को वहाँ से जाने का हुक्म दिया। उन्होंने बीरबल से पूछा, क्या तुम मेरे साथ यहीं रह सकते हो? बीरबल ने झुककर सलाम करते हुए कहा, हाँ, अवश्य रहूँगा।

दोनों एक पेड़ के नीचे बैठ गये। सूर्यास्त होने जा रहा था और अंधेरा भी धीरे-धीरे फैल रहा था। बीच-बीच में पक्षियों का कलरव भी सुनायी दे रहा था। अब वहाँ का वातावरण प्रशांत और गंभीर था। थोड़ी देर और बाद उल्लू एक के बाद एक चिल्लाने लगे। अकबर ने इस पर ग़ौर किया और कहा, हमें उल्लुओं की जबान नहीं मालूम है। हम नहीं जानते कि वे आपस में क्या बातें कर रहे हैं। कहीं हमारी हँसी तो उड़ा नहीं रहे हैं। मैं उनकी भाषा जानता हूँ प्रभु। क्या मैं बताऊँ कि वे आपस में क्या बातें कर रहे हैं? बीरबल ने पूछा। तो फिर देरी क्यों? उनकी भाषा जानते हो तो बताओ न। अकबर ने कहा। प्रभु, वे आपस में दहेज के बारे में चर्चा कर रहे हैं। वर का बाप ऐसे चालीस जंगलों की माँग कर रहा है, जहाँ जंतु ही न हों। वधू का बाप उल्लू बता रहा है कि मैं बीस जंगलों को ही दे पाऊँगा, बीरबल ने कहा। तब एक उल्लू चिल्ला पड़ा। तब वधू के पिता ने कहा कि वर का परिवार छह और महीनों तक प्रतीक्षा कर सके तो और बीस जंगलों को दे पाऊँगा, जहाँ जंतु ही न हों । बीरबल ने पुनः कहा। यह कैसे मुमकिन है? बीस जंगलों से एक उल्लू मात्र जंतुओं को कैसे भगा दे सकता है? अकबर ने पूछा। इस आशा को लेकर वह वचन दे पा रहा है कि आप उसकी सहायता करेंगे, बीरबल ने कहा। तुम क्या कह रहे हो? गरजते हुए कहा अकबर ने। प्रभु, जब आप एक बार शिकार करने जंगल आते हैं, तब दो-तीन जंगल खाली हो जाते हैं। यह उनका कहना है। अगले छे महीनों में आप कम से कम बीस बार शिकार करने यहाँ पधारेंगे। इसी आशा को लेकर बधू का बाप वचन दे रहा है, बीरबल ने कहा।

इस बात पर अकबर थोड़ी देर तक मौन रह गया और फिर कहा, तुमने बहुत ही खूब बताया बीरबल। तुमने मेरी आँखें खोल दीं। जंतु, पेड़-पौधे न हों तो जंगल ही नहीं रहेंगे। वन्य मृगों का शिकार करके मैं कितनी बड़ी गलती कर रहा हूँ। समझ गया। तुम्हें वचन देता हूँ कि आगे से शिकार करने जंगल नहीं आऊँगा। अकबर ने सोचते हुए कहा। बीरबल को विश्वास ही नहीं हुआ। उसने सोचा तक नहीं था कि इतनी जल्दी अकबर बादशाह में इतना बड़ा परिवर्तन आयेगा। परंतु वह कुछ कहे बिना चुप रहा। उल्लू अब क्या बता रहा है? अकबर ने हँसते हुए पूछा। वधू का बाप कह रहा है, चूँकि बादशाह आगे से शिकार नहीं करेंगे, इसलिए तुम जो जंगल माँग रहे हो, वह नहीं दे सकता, बीरबल ने कहा। बहुत खूब! कहते हुए बादशाह जोर से हँस पड़े।

रंग भरो

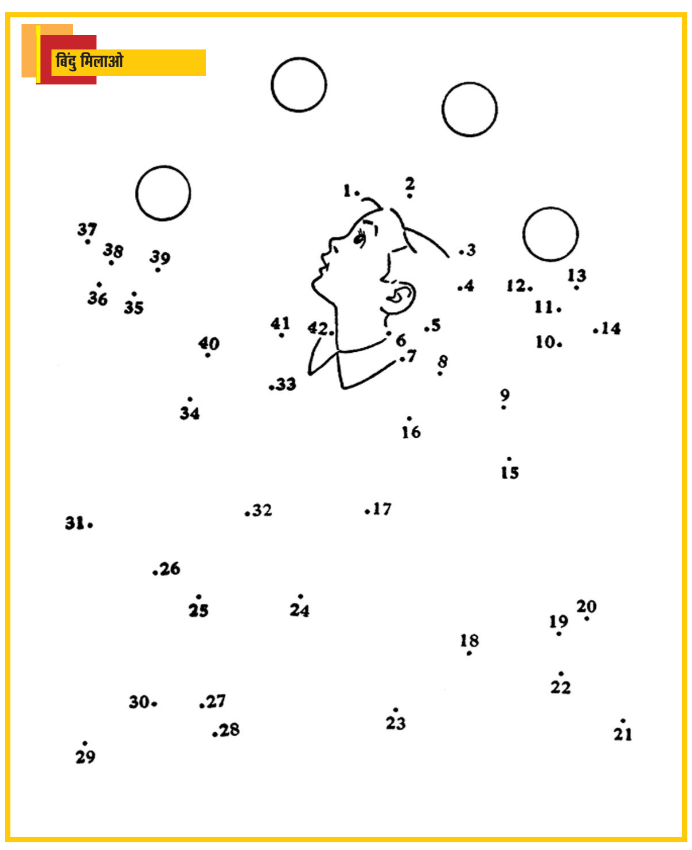

बिंदु मिलाओ

पत्थर काटकर बना लिया घर

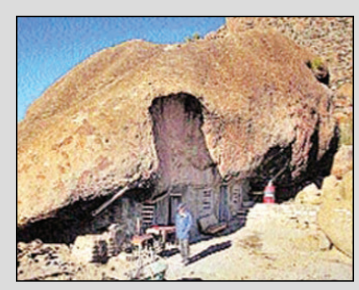

घरों में पत्थरों का इस्तेमाल तो लोग खूब करते हैं, पर मेक्सिको में एक सज्जन ने पत्थर को काटकर घर बना लिया। हालांकि इन सज्जन ने शौकिया तौर पर नहीं, बल्कि मजबूरी में घर बनाया है। सैन जो लास पियार्दस के पास एक परिवार 30 सालों से एक पत्थर के नीचे घर बनाकर रह रहा है। इस पत्थर का व्यास 131 फुट है। यह इलाका कोहुइला रेगिस्तान में है। परिवार के मुखिया के अनुसार, किसी छोटी सी बात पर उसके परिवार को सैन जो के लोगों ने इलाके से बाहर निकाल दिया था। इसके बाद व्यक्ति ने मजबूरी में कुछ ही दूरी पर एक पत्थर को काटना शुरू किया और उसी पत्थर के नीचे पूरा घर बना लिया है। इस घर को बनाने में उसे कई वर्ष का समय लग गया था।

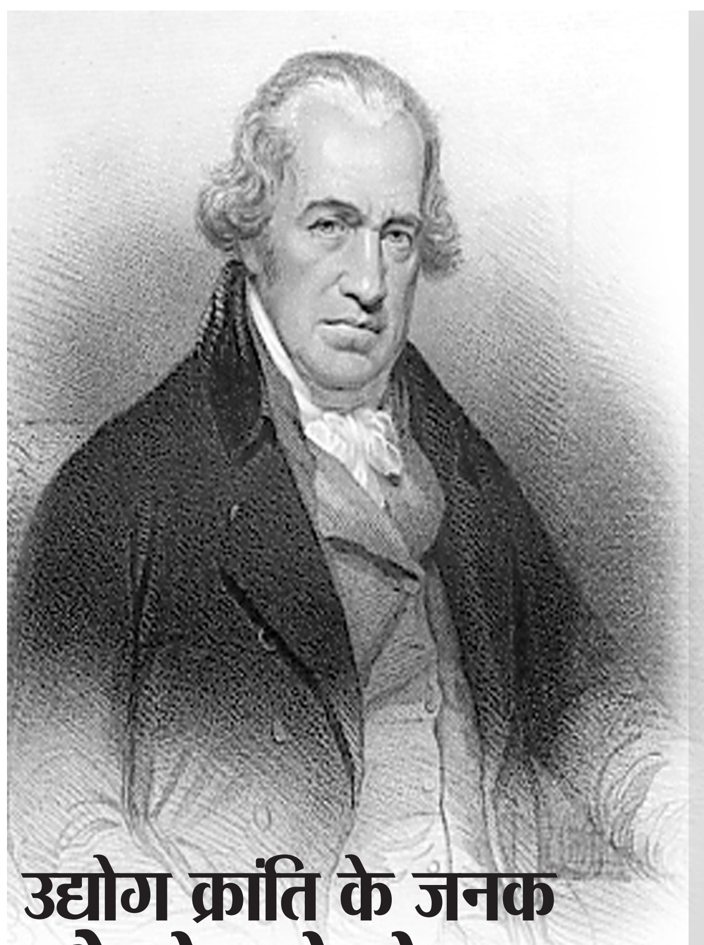

उद्योग क्रांति के जनक
कैसे बने जेम्स वाट

दुनिया में औद्योगिक क्रांति लाने वाले जेम्स वाट ने बचपन में ही भाप की शक्ति को भांप लिया था और अपनी इसी विश्लेषण शक्ति के बल पर वह आगे चलकर भाप का इंजन बनाने में सफल हुए। उन्नीस जनवरी 1736 को स्कॉटलैंड के ग्रीनॉक रेनफ्रेशाइर में जन्मे जेम्स वाट के अविष्कार से जहां रेल इंजन बनाने में सफलता मिली वहीं इससे पूरी दुनिया में औद्योगिक क्रांति आ गई। विश्व ने उनके अविष्कार को विभिन्न रूपों में इस्तेमाल कर औद्योगीकरण की राह पकड़ ली, जिसके चलते मनुष्य आज धरती से बाहर निकलकर चांद सितारों की दुनिया में भी सेंध लगा चुका है।

आज जब भी इंजन शब्द की बात आती है तो सबसे पहले जेम्स वाट का ही नाम याद आता है। उन्होंने कहा कि कोई भी औद्योगिक क्षेत्र हो वहां किसी न किसी तरह का इंजन काम कर रहा होता है। औद्योगिक योगदान के क्षेत्र में जेम्स वाट का नाम सर्वोच्च श्रेणी के वैज्ञानिकों में लिया जा सकता है। जेम्स वाट मैकेनिकल इंजीनियर थे। भाप के इंजन पर उनसे पहले भी कई वैज्ञानिक काम कर चुके थे, लेकिन आखिर में सबसे अच्छा इंजन विकसित करने का श्रेय जेम्स के खाते में ही गया। उनके बारे में कहा जाता है कि एक बार उन्होंने आग के ऊपर रखे बर्तन के ढक्कन को बार-बार ऊपर नीचे होते देखा। जेम्स वाट ने इससे अंदाज लगाया कि भाप में शक्ति होती है जिसके चलते बर्तन का ढक्कन ऊपर नीचे हो रहा है। बचपन में उनका यह विश्लेषण उनके बड़े होने पर भाप इंजन के अविष्कार का कारण बना और जेम्स वाट का नाम विज्ञान के इतिहास में अमिट हो गया।

भाप का इंजन न सिर्फ रेल इंजन के अविष्कार का कारण बना बल्कि इससे कृषि जगत से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक में क्रांति आ गई। स्कॉटलैंड की राष्ट्रीयता वाले ब्रिटिश नागरिक जेम्स वाट ने अनुसंधान कार्य के लिए ग्लासगो यूनिवर्सिटी को अपने संस्थान के रूप में चुना। 25 अगस्त 1819 को 83 साल की उम्र में दुनिया को महान खोज देने वाले इस अविष्कारक का निधन हो गया।

केसर मलाई पेड़ा

सामग्री : 4 कप स्किम्ड मिल्क, केसर के कुछ धागे, एक चुटकी सिट्रिक एसिड, 2 टी स्पून कॉर्नफ्लोर (2 टेबल स्पून दूध में घुला हुआ), 1/4 टी स्पून हरी इलायची पाउडर, 8 कटे हुए बादाम, 10 चम्मच या स्वादानुसार शुगर फ्री नैचुरा।

विधि : एक गहरे पैन में दूध डालकर एक उबाल दें। फिर आंच धीमी करके आधा होने तक पकाएं। केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। दो टी स्पून पानी में सिट्रिक एसिड मिलाएं और गाढे किए हुए दूध में मिलाएं। घुला हुआ कॉर्नफ्लोर मिलाएं और एकदम गाढा होने तक लगातार चलाएं। इलायची पाउडर और शुगर फ्री नैचुरा डालकर मिलाएं। फिर आंच से उतारकर ठंडा होने के लिए अलग रखें। मिश्रण को बराबर-बराबर आठ भागों में बांटकर गोल-गोल पेडे बनाएं। ऊपर से बादाम बुरक कर सर्व करें।

पौधों से सजाएं घर आंगन

इनडोर प्लांट्स घर को चार चांद लगा देते हैं। लेकिन, इनका चयन सही होना चाहिए। तभी इंटीरियर आकर्षक लगेगा।

पौधों का चुनाव

- जो भी पौधा आप खरीदें, यह जरूर देखें कि उसकी पत्तियों में छेद तो नहीं है या वे मुरझाई हुई तो नहीं हैं।
- फूलों वाले पौधे खरीदते समय ऐस पौधों का चुनाव करें, जिन पर फूलों के साथ-साथ कलियां भी लगी हों।
- गमले के अनुपात में लगभग मध्यम ऊंचाई तक विकसित स्वस्थ पौधा चुनें। लटकने वाले पौधे गमले के चारों ओर समान रूप से लटकें, तो सुंदर लगेंगे।
- कमरे में पौधों को रखने से पहले उनकी सड़ी-गली और पीली पत्तियों को अवश्य काट लें।
- पौधे तैयार करने के लिए अच्छी क्वालिटी के बीजों का चुनाव करें।

गमले का चुनाव

- आजकल बाजार में तरह-तरह के गमले मिलते हैं, लेकिन केवल मिट्टी के गमले ही पौधों के लिए उपयुक्त रहते हैं, क्योंकि ये गमले न तो बहुत भारी होते हैं और न ही बहुत हल्के। अन्य गमलों के मुकाबले में इनके दाम भी कम होते हैं। इन गमलों में लगे पौधों की जड़ों को हवा मिलने से उनका विकास अच्छा होता है।
- गमले का चुनाव पौधे के अनुसार ही करना चाहिए, जैसे पांच-दस इंच के पौधे के लिए छह इंच का गमला लेना उचित रहेगा।
- गमला खरीदने से पहले यह जरूर देख लें कि उसमें छेद हो। छेद इतना बड़ा होना चाहिए कि छोटी उंगली आसानी से आर-पार हो जाए। वैसे सजावटी पौधों के लिए आप महंगे गमलों का भी चुनाव कर सकते हैं।

स्थान का चयन

- कमरे के खाली कोनों में अधिक या थोड़ी ऊंचाई के पौधों से सजावट करें। एक से अधिक पौधे लगाने पर

ध्यान रखें कि सभी पौधों की ऊंचाई अलग-अलग हो।
- कोने मे लटकते लैंप के नीचे बैठने की व्यवस्था नहीं की जा सकती, इसलिए इस स्थान को खूबसूरत पौधों से जीवंत बनाएं। लंबे लैम्प के आगे मध्यम ऊंचाई के पौधे स्टूल पर रखें। लैम्प के पास कम ऊंचाई के पौधों से भी सजावट की जा सकती है।
- दो सोफों के मध्य भी पौधा रख सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे बैठकर बात करने वालों को अड़चन न आए।
- टेलीफोन की रैक के नीचे या बगल में भी पौधा रखा जा सकता है। ध्यान रखें कि बगल में रखा पौधा टेलीफोन तक पहुंचने में रूकावट न बने।
- सजावटी पौधे टीवी के पास या शयन कक्ष के उपेक्षित कोनों में भी रखे जा सकते हैं। भोजन या कक्ष या स्नानघर में लगे वॉशबेसिन के निकट पौधा रखने से वहां की सुंदरता बढ़ जाती है।
- छोटे गमलों में लगाए गए पौधे रसोइघर की खिड़की या स्लैब पर भी सजाए जा सकते हैं।
- कमरे के आकार को ध्यान में रखकर ही पौधों की संख्या निश्चित करें। कांटेदार पौधों को बच्चों व पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें। विशेष अवसरों पर गमले के चारों ओर सीपी और शंखों को छितराकर उन्हें अधिक आकर्षक बनाएं।
- घर के अंदर रखे जाने वाले पौधों में पानी कम दें, क्योंकि अधिक पानी देने से कमरे में नमी बढ़ेगी, जिससे स्वस्थ पर बुरा असर पड़ सकता है।
- पौधों को गोबर की खाद देने से पहले खाद के ढेलों को तोड़कर या बारीक करके डालें। संभव हो सके, तो गमलों में खाद छानकर ही डालें।

घरेलू फेस पैक बढ़ाए सौंदर्य

- एक बड़े चम्मच भर दूध में पिसी हल्दी मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें और चेहरे पर लगाएं। यह लेप चेहरे का रंग साफ करता है और त्वचा को कांतिपूर्ण रखता है।
- जायफल को दूध में घिसकर चेहरे पर लगाने से कील-मुंहासे और झाईयां दूर होकर चेहरा साफ हो जाता है।
- चावल का आटा दूध में घोलकर चेहरे पर गाढ़ा लेप करें।
- चेहरे पर दो चम्मच बेसन, एक चम्मच दही व चुटकी भर हल्दी का लेप करें।
- गाय के दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीसकर इसका लेप चेहरे पर लगाकर मसलें।
- मसूर की दाल दो चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।
- आक के पत्तों को पीसकर दूध और पिसी हल्दी मिलाकर इस लेप को चेहरे के काले दाग-धब्बों, झाईयों, कील-मुंहासों पर लगाएं।
- संतरे के सूखे छिलकों का चूर्ण, थोड़ा सा दही, चुटकी भर हल्दी, नींबू के रस की 5-6 बूंदें मिलाकर लेप करें।
- गुलाब के फूल की पंखुड़ियां दूध के साथ पीसकर लेप करें।
- ये सभी गुणकारी उपाय त्वचा को स्वस्थ, निरोगी, उज्ज्वल और चमकीला बनाते हैं व त्वचा को साफ रंग प्रदान करने वाले हैं।

अच्छे सौंदर्य की मालकिन बनें

- चेहरे की रंगत निखारने के लिए और बालों को छुपाने के लिए 15 दिन के अंतराल पर ब्लीचिंग करवाएं। ब्लीच कराने से बालों का रंग त्वचा के रंग के अनुरूप हो जाएगा।
- अपने हाथों पर सुबह और रात के समय हैंड बाडी लोशन लगाएं। घरेलू कार्य करने के बाद हाथों पर क्रीम अवश्य लगाएं। सप्ताह में एक बार मेनीक्योर कराएं या घर पर स्वयं भी कर सकती हैं।
- चमकदार और मुलायम केशों के लिए केशों को धोने से पूर्व कुनकुने तेल से मालिश जरूर करें। केशों को सौम्य शैम्पू से ही साफ करें। शैंपू के पश्चात् कंडीशनिंग भी अवश्य करें। कंडीशनर के रूप में आप नींबू का रस, चाय की पत्ती, अंडे, हिना का प्रयोग कर सकती हैं।
- ब्लैक हैड्स से सुरक्षा पाने के लिए त्वचा को अच्छी तरह साफ करें ताकि रोमकूपों में जमी गंदगी समाप्त हो जाए।
- ब्लैकहैड्स को साफ करने के लिए सप्ताह में एक बार 5 मिनट तक भाप लें। इससे रोमकूपों में जमे ब्लैकहैड्स बाहर आ जाएंगे और आप ब्लैकहैड्स रिमूवर से इन्हे साफ कर लें।
- त्वचा को मुलाम बनाए रखने के लिए सप्ताह में एक बार स्नान से पहले संपूर्ण शरीर पर बाडी आयल या लोशन से त्वचा की मसाज करें। इससे त्वचा की सौम्यता व प्राकृतिक नमी बनी रहेगी।
- चेहरे पर कोई भी उबटन, क्रीम या मेकअप लगाएं तो उसे गर्दन पर भी जरूर लगाएं अन्यथा चेहरे और गर्दन के रंग में फर्क नजर आएगा।
- नहाते समय लंबे हैंडल वाले ब्रश या तौलिए से पीठ को रगड़ें। इससे पीठ की मृत त्वचा साफ होगी और त्वचा के रोमछिद्र खुलेंगे।

बच्चों के कमरे का ऐसे रखें ध्यान

प्राचीन भारतीय संस्कुति एवं परंपरा में रोजमर्रा के जीवन की दैनिक, व्यावहारिक एवं अलिखित आचार संहिता के एक भाग को 'विचार' कहा गया है। कहा जाता है कि हर छोटी-बड़ी क्रिया का संबंध हमारी सुख-समृद्धि, शांति, विकास, स्वास्थ्य एवं सामाजिक मर्यादाओं से होता हैं। यहां हम उन विचारों के कुछ प्रमुख बिंदु प्रस्तुत करने जा रहे हैं, जिनको आज विश्व की ज्यादातर संस्कृतियों ने वास्तु, फेंगशुई, शमन-कल्चर, जियोमेंसी या ऐसे ही अन्य नाम से अपने जीवन में काफी महत्व दिया हैं। हालांकि ये सभी विचार आदि काल से ही मानव सभ्यता का अंग रहे हैं, लेकिन कालांतर में जीवन की गति, व्यस्तता, आधुनिकता आदि के कोहरे में धुंधला गए थे, लेकिन आज जब हम अपने जीवन के सभी सुखों के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने लगे हैं, तो इसकी जरूरत और ज्यादा हो गई है।

विचारों की इस श्रृंखला में सबसे पहले बच्चों का कमरा :-

- बच्चों के कमरे में रोजना की जरूरत की कुछ ऐसी चीजें जैसे-कम्प्यूटर, किताबें, स्कूल बैग, पढ़ने की कुर्सी, मेज, अल्मारी आदि होती हैं, जिनके रख-रखाव पर पूरा ध्यान देना चाहिए।
- बच्चे के टेबल पर या ड्रावर में पुराने टूटे-फूटे पेन, खिलौने, दर्पण, कटे-फटे कागज या बेकार सामान, कूड़ा-कबाड़ आदि एकत्र न करे।
- स्कूल बैग व किताबों को थोड़ी ऊंचाई पर इस तरह से रखें कि चलते-फिरते, पढ़ते या उठते-बैठते समय वे पांवों से न टकराएं। इससे विद्या की देवी 'सरस्वती' का अपमान होता है और उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- बच्चे अपने अध्ययन या कोर्स के अंतर्गत यदि कम्प्यूटर का प्रयोग करते है, तो इसे सदैव पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके प्रयोग करना चाहिए।
- यदि बच्चों का पलंग या बिस्तर भी इसी कमरे में हो, तो कम्प्यूटर की स्क्रीन को सोने से पूर्व एक कवर या कपड़े से ढंक देना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1981

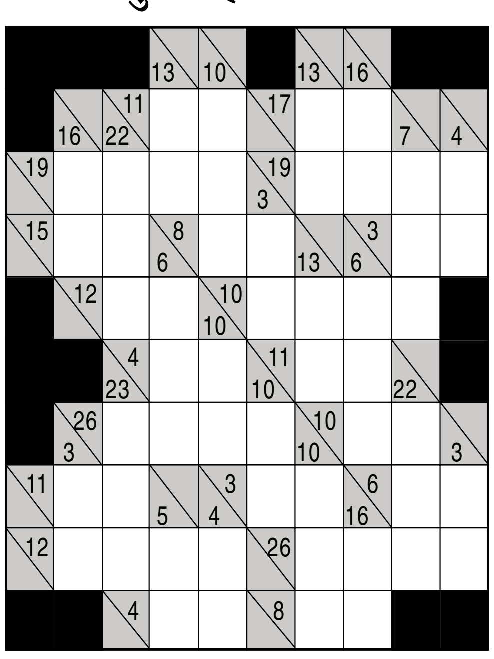

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

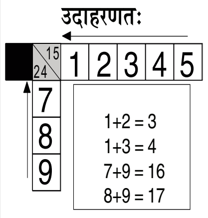

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1980 का हल

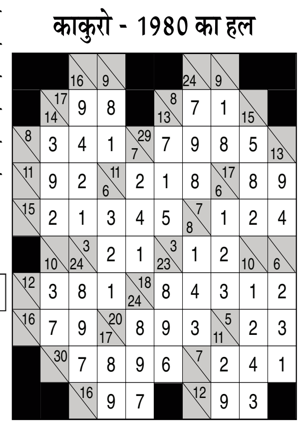

हंसी के फूव्वारें

एक कंजूस अपने खेत में जा रहा था. अचानक उसे कांटा चुभ गया. वह बड़ी बहादुरी से कांटा निकालते हुए बोला, 'ईश्वर तेरा लाख-लाख धन्यवाद है कि मैं जूते पहनकर नहीं आया वरना मेरे अच्छे जूते में सूराख हो जाता.'

❑ ❑ ❑

एक किरायेदार ने मकान मालिक से शिकायत की कि 'जनाब ये आपका मकान कैसा है ? दिन-रात चूहों की भागदौड़ देखने को मिलती है.'

मकान मालिक ने कहा- 'तो क्या आप दस रुपये में घुड़दौड़ देखना चाहते हैं ?'

❑ ❑ ❑

मालकिन: कितनी बार कहा है कि सुबह छह बजे दूध दिया करो.

दूधवाला: हम छह बजे दूध नहीं ला सकते. छह बजे नल में पानी भी नहीं आता.

❑ ❑ ❑

एक साहब को खाने के बाद उंगलियां चाटने की आदत थी. एक बार एक दावत में उन्होंने उंगलियां चाटनी शुरू कर दीं, बाजू वाले साहब ने भी अपना हाथ आगे करके कहा- जरा इसे भी साफ कर दो.

❑ ❑ ❑

जज जेबकतरे से- अच्छा बताओ तुमने भलाई का कोई काम किया ?

जेबकतरे ने जवाब दिया- सर, हमीं लोगों के कारण पुलिस विभाग और अदालत में हजारों लोगों को राजी-रोटी का सहारा मिला है.

फिल्म वर्ग पहेली- 1981

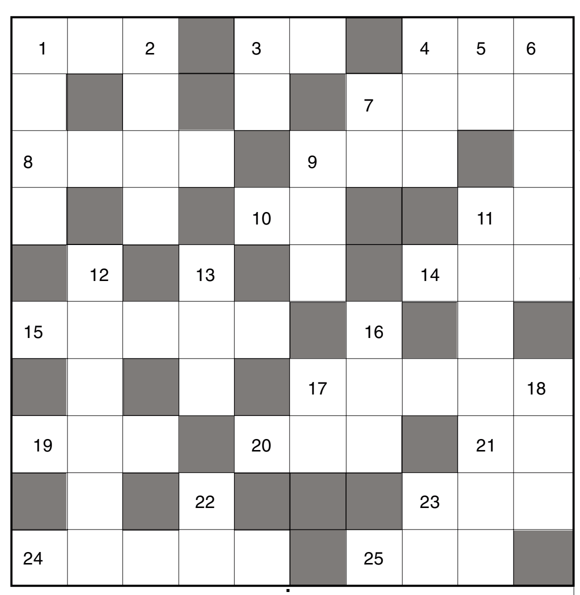

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1980

सूडोकु -1981

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1980 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 1981

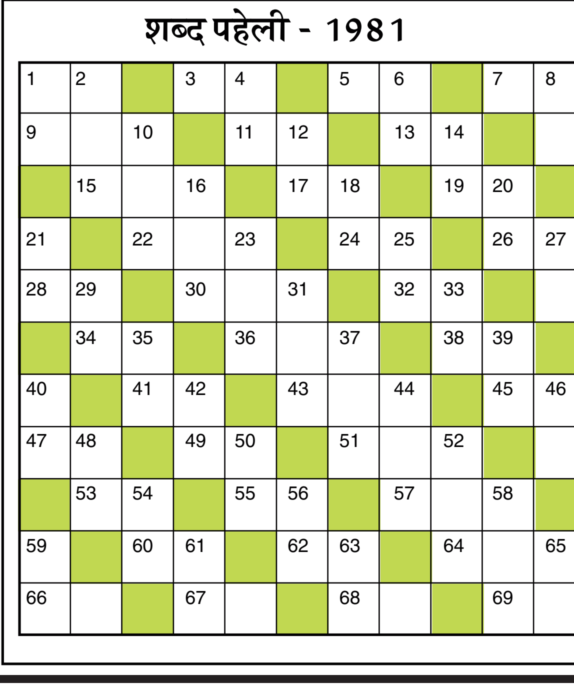

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली - 1980 का हल

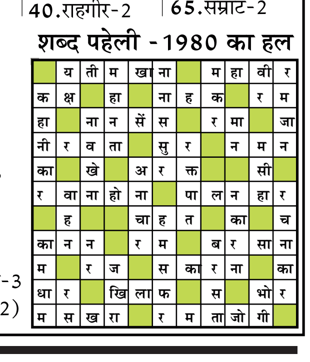

पहचान अब सत्ता के गलियारों के बजाय गांवों और जंगल के असली नायकों को मिल रही : उपसभापति हरिवंश

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि सत्ता के गलियारों के बजाय गांवों और जंगलों में सेवा करने वाले असली नायकों को पहचान मिल रही है। हरिवंश ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में 'प्रधानमंत्री मोदी के अनमोल रत्न' पुस्तक के लोकार्पण के अवसर पर कही। इस पुस्तक की लेखिका डॉ. दर्शनी प्रिय हैं। ?यह पुस्तक भारत के उन 35 अद्वितीय 'पद्मश्री' पुरस्कार विजेताओं की जीवन यात्रा और संघर्षों पर आधारित है, जिन्होंने देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अमूल्य सेवाएँ दी हैं। पुस्तक का प्रकाशन प्रतिष्ठित प्रभात प्रकाशन द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा, 2014 के बाद देश में पुरस्कारों की संस्कृति बदली है और अब सत्ता के गलियारों के बजाय गांवों, जंगलों और श्मशान घाटों में सेवा करने वाले असली नायकों को पहचान मिल रही है हरिवंश ने पुस्तक के पात्रों का वर्णन करते हुए उन्हें 'अनासक्त योगी' की संज्ञा दी। उन्होंने कहा, ये वे लोग हैं जो बिना किसी प्रचार-प्रसार या पद की आकांक्षा के गीता के संदेश के अनुरूप अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित हैं। जो काम को ही तप और साधना मानते हैं, वही प्रधानमंत्री मोदी के असली अनमोल रत्न हैं।

तेलंगाना नगर निगम चुनाव को लेकर प्रदेश भाजपा ने जारी किया चुनावी घोषणा पत्र

हैदराबाद। तेलंगाना में नगर निगम चुनावों की तैयारियाँ चरम पर हैं। राज्य की 116 नगरपालिकाओं और 7 नगर निगमों के कुल 2,996 वार्डों में नामांकन दाखिल होने और मंगलवार को नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुल 12,993 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। चुनाव अधिकारी व्यवस्थाओं में व्यस्त हैं, जबकि राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों को नियंत्रित करने, जाति और समुदाय के समीकरणों को संभालने और शहरी मतदाताओं को लामबंद करने में जुटे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी नगर निगम चुनावों में जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि जीत की स्थिति में नगर निगमों में लंबित कर और बकाया को माफ किया जाएगा और उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस बनाया जाएगा। उन्होंने भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन और वित्त आयोग से मिले निधियों के पारदर्शी उपयोग का भरोसा दिलाया। रामचंद्र राव ने कहा कि पार्टी अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई करेगी और युवाओं के लिए वॉकिंग ट्रैक विकसित करेगी। नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा ने 'विकसित तेलंगाना - भाजपा संकल्प पत्र' भी जारी किया है। घोषणापत्र में मंदिरों की सुरक्षा, कब्ज़े वाली मंदिर भूमि को वापस लेना, हर नगर पालिका में गौशालाएँ, छोटी नगर पालिकाओं में एक मल्टीपर्पस पार्क और बड़ी नगर पालिकाओं में दो पार्क विकसित करने सहित सभी नगर निगमों और पालिकाओं में 100फीसदी भूमिगत जल निकासी प्रणाली सुनिश्चित करने के प्रावधान शामिल हैं।

संभल में सरकारी स्कूल की दीवारों में लिखी गई कुरान की आयतें, हिंदू संगठनों के विरोध पर दो अध्यापक निलंबित

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एक सरकारी स्कूल में जमकर हंगामा काटा। आरोप है कि स्कूल की दीवारों पर कुरान की आयतें लिखी गई हैं और देश के महापुरुषों की फोटो एक कमरे में रस्सी से लटकाई गईं हैं। बढ़ते विरोध पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया। जिला ?बेसिक शिक्षा अधिकारी ने प्रधाना अध्यापक और सहायक अध्यापक को निलंबित करते हुए जांच गठित कर दी। चंदौसी तहसील अर्न्तगत थाना कुढ़ फतेहगढ़ क्षेत्र के गांव नगला पूर्वा में स्थित सरकारी स्कूल में शुक्रवार दोपहर को हिंदू संगठन विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे। आरोप है कि स्कूल परिसर में दीवारों पर मुस्लिम धर्म की आयतें लिखी हुई हैं। वहीं, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, मां सरस्वती, भारत माता, सुभाष चंद्र बोस, रवींद्रनाथ टैगोर सहित अन्य महापुरुषों की तस्वीरें एक कमरे में रस्सी से बांधकर रखी गई थीं। हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने इसे सरकारी स्कूल में नियमों के खिलाफ बताया। इस दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा महिला हेडमास्टर और सहायक शिक्षक से सवाल-जवाब किए गए। जिस पर पुलिस ने हस्तक्षेप किया। इसी बात को लेकर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस हो गई।

उर्दू हमारी पहचान, इसके बिना भारत कमज़ोर हो जाएगा: एमजे अकबर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री संग्रहालय में राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकाष परिषद द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विश्व उर्दू सम्मेलन का उद्घाटन हुआ। 'बहुभाषी भारत में उर्दू भाषा और संस्कृति' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर पूर्व विदेश राज्यमंत्री एम. जे. अकबर, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. तारिक़ मंसूर, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (हैदराबाद) के कुलपति प्रो. सैयद ऐनुल हसन, जश्न ए बहार ट्रस्ट के संस्थापक कामना प्रसाद उपस्थित रहे। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि भारत में बोली जाने वाली असंख्य भाषाओं में उर्दू कई दृष्टियों से विशिष्ट है। उर्दू का कोई विशिष्ट क्षेत्र नहीं है, लेकिन यह हर क्षेत्र में बोली और समझी जाती है। वर्ष 2047 में जब देश 'विकसित भारत' का उत्सव मनाएगा, तब देश की भाषाओं की भूमिका भी उल्लेखनीय होगी।

मलेशिया यात्रा से पहले प्रधानमंत्री मोदी बोले- भारतीय समुदाय हमारे रिश्तों का मजबूत सेतु

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मलेशिया दौरे पर रवाना होने से पहले बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि मैं मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ बातचीत व व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैं आज अपने दोस्त प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के न्योते पर मलेशिया की आधिकारिक यात्रा पर जा रहा हूं। भारत और मलेशिया के बीच ऐतिहासिक संबंधों में हाल के सालों में लगातार प्रगति हुई है। मैं प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ बातचीत और व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं। हमारा लक्ष्य रक्षा और सुरक्षा संबंधों को गहरा करना, आर्थिक और इनोवेशन साझेदारी को बढ़ाना व अपने सहयोग को नए क्षेत्रों में फैलाना होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं मलेशिया में

भारतीय समुदाय से मिलने के लिए भी उत्सुक हूं। लगभग तीन मिलियन की संख्या वाला यह समुदाय दुनिया के सबसे बड़े भारतीय प्रवासियों में से एक है। मलेशिया की प्रगति में उनका बहुत बड़ा योगदान और हमारे दोनों देशों के बीच एक जीवित पुल के रूप में उनकी भूमिका हमारी ऐतिहासिक दोस्ती को एक मजबूत आधार प्रदान करती है। '

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7-8 फरवरी 2026 को मलेशिया की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वे मलेशिया के प्रधानमंत्री के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत करेंगे। यह उनकी मलेशिया की तीसरी यात्रा होगी और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिए जाने के बाद पहली यात्रा होगी।

जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय चर्चा के अलावा, प्रधानमंत्री भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ उद्योग व व्यापार प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे। उनकी यात्रा के साथ ही 10वां भारत-मलेशिया सीईओ फोरम भी आयोजित किया जाएगा।

भारत और मलेशिया ऐतिहासिक, सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित दीर्घकालिक मित्रता साझा करते हैं। मलेशिया में 29 लाख से अधिक भारतीय प्रवासी समुदाय की उपस्थिति से यह संबंध और भी मजबूत होता है, जो विश्व में तीसरा सबसे बड़ा है।

तमिलनाडु चुनावः विजय के चेन्नई से मैदान में उतरने पर विचार, पार्टी में उत्साह

एजेंसी

चेन्नई । अभिनेता और राजनेता विजय अपनी पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (टीवीके) के जरिए तमिलनाडु के चुनावी मैदान में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस कड़ी में पार्टी द्वारा उम्मीदवार बनने के इच्छुक लोगों से आवेदन मांगे गए, जिस पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। पार्टी सूत्रों की मानें तो, विजय फिलहाल चेन्नई के दो निर्वाचन क्षेत्रों, वेलाचेरी और विरुगमबक्कम के बीच अपने विकल्प पर विचार कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने विक्रवंडी, वेदारण्यम और वेदसंदूर जैसे अन्य क्षेत्रों पर भी विचार किया था, लेकिन इन जगहों पर प्रचार में आने वाली मुश्किलों को देखते हुए उन्होंने रणनीति बदलने का फैसला किया। नेताओं का मानना है कि राजधानी शहर से चुनाव लड़ने से विजय आसानी से अपने प्रचार को मैनेज कर पाएंगे और शहरी क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ मजबूत होगी।

टीवीके ने अपने सदस्यता अभियान और उम्मीदवार चयन प्रक्रिया के लिए पनायुर मुख्यालय में आवेदन फॉर्म वितरित करना शुरू किया। केवल 90 मिनट में लगभग दस हजार फॉर्म वितरित किए गए। यह संख्या दर्शाती है कि विजय के नेतृत्व में लोगों के बीच पार्टी में भागीदारी लेने को लेकर कितना जोश है। फॉर्म वितरण का सिलसिला 14 फरवरी तक रोज सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक जारी रहेगा। हालांकि, भारी भीड़ जमा होने के कारण पनायुर में रहने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छोटी और पतली गलियों के चलते भारी ट्रैफिक की स्थिति बन गई है और गाड़ियां सड़क के दोनों तरफ खड़ी होने से आने-जाने में मुश्किल हो रही है।

भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना, विस्फोट में संलिप्तता के आरोप को खारिज किया

रफ़्तार हेडलाइन

नई दिल्ली। भारत ने इस्लामाबाद के एक इमामबाड़े में हुए आत्मघाती विस्फोट में संलिप्तता के पाकिस्तान के आरोपों को खारिज करते हुए कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने हमले को निंदनीय बताते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान अपने सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करने वाली समस्याओं का गंभीरता से समाधान करने के बजाय अपनी घरेलू समस्याओं के लिए दूसरों को दोषी ठहराकर झूठी तसल्ली दे रहा है। ।

विदेश मंत्रालय ने कहा, '' सुबह इस्लामाबाद की एक मस्जिद में हुआ बम विस्फोट निंदनीय है और भारत इसमें हुई जानमाल की हानि के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान अपने सामाजिक ताने-बाने को विकृत करने वाली समस्याओं का गंभीरता से समाधान करने के बजाय अपनी घरेलू परेशानियों के लिए दूसरों को दोषी ठहराकर खुद को झूठी तसल्ली दे रहा है।'' मंत्रालय ने कहा, ''भारत इस तरह के हर आरोप को खारिज करता है। यह आरोप निराधार होने के साथ-साथ निरर्थक भी है।'' उल्लेखनीय है कि विस्फोट के बाद पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा

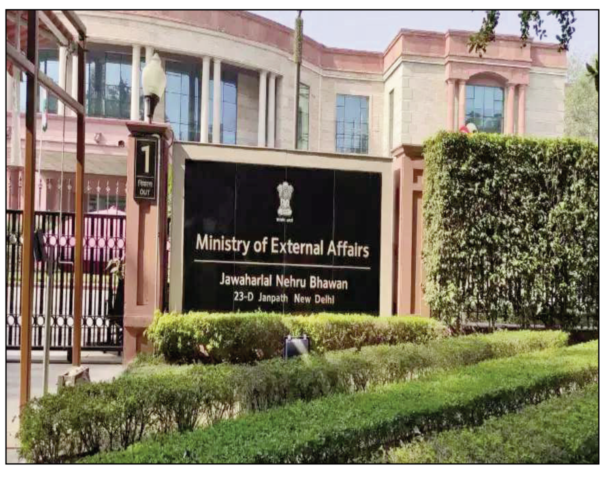

आसिफ ने बिना कोई सबूत दिए आरोप लगाया कि इस हमले में भारत और अफगानिस्तान का हाथ है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने दावा किया कि यह साबित हो चुका है कि हमले में शामिल आतंकवादी अफगानिस्तान से आया-गया था। इस्लामाबाद में नमाज के दौरान इमामबाड़े में हुए आत्मघाती हमले में मृतकों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। इस्लामाबाद पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह शक्तिशाली विस्फोट इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में स्थित खदीजा अल-कुबरा मस्जिद (इमामबाड़ा) में हुआ।

ग्वालियर व्यापार मेले में पहली बार हुई वायुसेना के बैण्ड की शानदार प्रस्तुति, युवाओं में जगाई देशभक्ति की अलख

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में चल रहे श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेले में वायुसेना के बैण्ड ने पहली बार अपनी प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति ने लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना की अलख जगा दी। रात हुई इस शानदार प्रस्तुति में वायुसेना के जवानों ने 'मां तुझे सलाम ', वंदे मातरम गीत की धुन प्रस्तुत की तो दर्शक झुम उठे। इसके बाद वायुसेना ने 'भारत हमको जान से प्यारा है' गाने की प्रस्तुति ने समा बांधा दिया। जिसके बाद जो दर्शक जहां खडा था वहीं पूरी तन्मयता के साथ बैण्ड की प्रस्तुति को सुनने में मग्न हो गया। इस अवसर पर एयर कमोडोर मनीष शर्मा वायु सेवा मेडल एयर ऑफिसर कमांडिंग एयर फोर्स स्टेशन ग्वालियर, ग्रुप कैप्टन सुभाष सी सिंह चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, ग्रुप कैप्टन अमित बाजपेई स्टेशन सिक्योरिटी ऑफिसर एवं पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह मौजूद रहे। ग्वालियर व्यापार मेले में पहली बार वायुसेना के बैण्ड ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ वायुसेना के अधिकारियों ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस प्रस्तुति में वायुसेना के जवानों के कई रंग देखने को मिले। वायुसेना के बैण्ड ने फन फेयर की मधुर धुन से शुरुआत की। इसके बाद मां तुझे सलाम, वंदे मातरम गीत की प्रस्तुति देकर देशभक्ति की अलख जगा दी। इसके बाद भारत हमको जान से प्यारा है की प्रस्तुति दी गई। इन गीतों के बाद मस्ताना होता है, इक प्यार का नग्मा है मौजों की रवानी है आदि रोमांटिक फिल्मी गानों की प्रस्तुतियां दीं। जिसे सुनकर दर्शक मग्धमुग्ध हो गए। वायुसेना की ओर से स्टॉल भी लगाया गया था, इस स्टॉल पर वायुसेना की टोपी, टीशर्ट सहित विभिन्न प्रकार की वस्तुएं रखी थीं। इन वस्तुओं को

वायुसेना के बैण्ड ने साउण्ड बैरियर, एयरफोर्स कलर, आंनद लोक, एयर बैटल एवं वायु शक्ति की धुन बजाई। देशभक्ति गीतों के बाद वायुसेना के बैण्ड ने वायलिन की धुन पर रोंमाटिक गीतों की प्रस्तुति दी। जिसे सुनकर हर कोई दंग रह गया, क्योंकि अभी तक किसी ने भी वायुसेना के बैण्ड से फिल्मी गानों को नहीं सुना था। वायुसेना के बैण्ड ने सबसे पहले नीले-नीले अंबर पर चांद जब आए, रोजा जानेमन तू ही मेरा मन, प्यार दिवाना होता है मेले में आए सैलानियों ने काफी पंसद किया और जमकर वस्तुओं की खरीदारी की। वायुसेना के बैण्ड द्वारा दी जा रही प्रस्तुति के पीछे ही बडी स्क्रीन लगाई गई थी। जब वायुसेना के जवानों ने साउण्ड बैरियर, एयरफोर्स कलर, आंनद लोक, एयर बैटल एवं वायु शक्ति की धुन बजाई तब स्क्रीन पर वायुसेना की ताकत, वायुसेना के विमान सहित विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया।

नागरिकता-वोटर लिस्ट मामले में सोनिया गांधी ने आरोपों से किया इनकार, अब 21 फरवरी को सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली । बिना भारतीय नागरिकता हासिल किए मतदाता सूची में कथित तौर पर नाम शामिल कराए जाने के मामले में सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल रिवीजन पिटीशन पर राउज एवेन्यू कोर्ट में उनकी ओर से जवाब दाखिल किया गया है। सोनिया गांधी की तरफ से कोर्ट को बताया गया है कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं और इसके पीछे साफ तौर पर राजनीतिक मंशा है। उनके जवाब में कहा गया है कि यह याचिका कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है और उन्हें बेवजह विवादों में घसीटने की कोशिश की जा रही है। कोर्ट में दाखिल जवाब में सोनिया गांधी ने साफ कहा है कि निचली अदालत ने पहले ही सही निष्कर्ष निकाला था। नागरिकता से जुड़े मामलों का अधिकार क्षेत्र केवल केंद्र

सरकार के पास है, जबकि मतदाता सूची या चुनाव से जुड़े विवादों को देखने का अधिकार सिर्फ चुनाव आयोग को है। ऐसे मामलों में कोई भी आपराधिक अदालत दखल नहीं दे सकती। उनके मुताबिक, इस तरह की याचिकाएं दाखिल कर अदालत का समय बर्बाद किया जा रहा है।

सोनिया गांधी ने यह भी कहा है कि शिकायत में जो आरोप लगाए गए हैं, उनके समर्थन में कोई ठोस दस्तावेज या सबूत पेश नहीं किया गया है। सिर्फ अनुमान और सवालों के आधार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जो कानूनन टिक नहीं सकते। इसलिए इस याचिका को खारिज किया जाना ही न्यायसंगत है। कोर्ट ने अब इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 21 फरवरी तय की है।

इस मामले में वकील विकास त्रिपाठी ने रिवीजन पिटीशन दाखिल की है। इससे पहले, बिना नागरिकता के वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के आरोपों की जांच की मांग वाली याचिका को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सितंबर 2025 में खारिज कर दिया था। याचिका में दावा किया गया था कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता हासिल की थी, जबकि उनका नाम 1980 की नई दिल्ली की वोटर लिस्ट में दर्ज था। इसी आधार पर सवाल उठाया गया कि नागरिकता मिलने से पहले उनका नाम वोटर लिस्ट में कैसे शामिल हुआ। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया था कि 1982 में सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था, जिस पर भी सवाल खड़े किए गए। याचिकाकर्ता की ओर से यह दावा किया गया कि जब 1983 में नागरिकता मिली, तो 1980 में नाम दर्ज कराने के लिए किन दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया और क्या इसमें फर्जी कागजात लगाए गए थे।

मेयर पद के लिए भाजपा की ऋतु तावड़े उम्मीदवार घोषित, उपमहापौर पद पर शिवसेना के संजय घाड़ी

एजेंसी

मुंबई । मुंबई महानगरपालिका में आगामी महापौर चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा ने अपने पार्षद ऋतु तावड़े को मेयर पद का उम्मीदवार घोषित किया है। मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम ने औपचारिक रूप से ऋतु तावड़े के नाम का ऐलान किया है। पार्टी की ओर से किए गए इस ऐलान के बाद ऋतु तावड़े जल्द ही मेयर पद के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। पार्टी नेतृत्व ने उनके नाम पर सहमति जताते हुए उन्हें इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए आगे किया है। वहीं, महायुति गठबंधन के तहत उपमहापौर पद के लिए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की ओर से पार्षद संजय घाड़ी को उम्मीदवार बनाया गया है। शिवसेना ने सवा साल के कार्यकाल के लिए उनके नाम का औपचारिक ऐलान किया है। संजय घाड़ी भी कुछ ही देर में उपमहापौर पद के लिए नामांकन दाखिल करेंगे।

इस फैसले से अब यह स्पष्ट हो गया है कि मेयर पद भाजपा के पास रहेगा, जबकि उपमहापौर पद शिवसेना को दिया गया है।बता दें कि ऋतु तावड़े की पहचान भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में होती है। उन्होंने पहली बार 2012 में वार्ड नंबर 127 से चुनाव जीता था। इसके बाद, 2017 के बीएमसी चुनाव में वार्ड नंबर 121 से दोबारा चुनी गईं। 2026 बीएमसी चुनाव जो 15 फरवरी को हुआ था, में वह वार्ड नंबर 132 से चुनी गई थीं। इससे पहले वह बीएमसी एजुकेशन कमेटी की चेयर चेयरपर्सन रह चुकी हैं।

ओडिशा के रायगढ़ा और कंधमाल में 19 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस ने माओवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अपने सघन अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। रायगढ़ा और कंधमाल जिलों में कुल 19 माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ते हुए पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्म समर्पण करने वाले माओवादियों में निखिल उर्फ निरंजन राउत व अंकिता उर्फ रश्मीता लेंका भी शामिल हैं । इन दोनों पर कुल 55 लाख रुपये का इनाम घोषित था। यह उपलब्धि राज्य सरकार के उस लक्ष्य की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है, जिसके तहत 31 मार्च से पहले ओडिशा को माओवाद मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक योगेश बहादुर खुरानिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि माओ प्रभावित जिलों में चलाए जा रहे अभियानों को और अधिक प्रभावी एवं निर्णायक बनाया गया है।

उत्तराखंड में ट्रैकिंग और पर्वतारोहण के शौकीनों के लिए बड़ा तोहफा, 83 हिमालयी चोटियां अब खुलीं

एजेंसी

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड ने साहसिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का ऐतिहासिक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (UTDB) ने वन विभाग के समन्वय से गढ़वाल और कुमाऊं हिमालय क्षेत्र की 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पर्वतारोहण अभियानों के लिए पूरी तरह खोल दिया है। इस फैसले से उत्तराखंड को वैश्विक पर्वतारोहण मानचित्र पर एक प्रमुख और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में नई पहचान मिलेगी।

खुली गई इन 83 चोटियों की ऊंचाई 5,700 मीटर से लेकर 7,756 मीटर तक है। इनमें कामेट (7,756 मीटर), नंदा देवी ईस्ट, चौखंबा समूह, त्रिशूल समूह, शिवलिंग, सतोपंथ, चंगाबांग, पंचचूली और नीलकंठ जैसी विश्व प्रसिद्ध और चुनौतीपूर्ण चोटियां शामिल हैं। ये शिखर न केवल तकनीकी कठिनाई और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाने जाते हैं, बल्कि हिमालय की भव्यता और अद्भुत दृश्यों के जीवंत प्रतीक भी हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा, 'हिमालय हमारी पहचान, हमारी विरासत और हमारी शक्ति है। 83 प्रमुख पर्वत चोटियों को पर्वतारोहण के लिए खोलना राज्य के साहसिक पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। हमारा उद्देश्य देश के युवाओं को साहसिक गतिविधियों में आगे बढ़ाना, स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना और पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित विकास सुनिश्चित करना है। राज्य सरकार सुरक्षित, जिम्मेदार और सतत पर्वतारोहण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ' अब इन 83 चोटियों पर भारतीय पर्वतारोहियों को कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। पहले पीक फीस, कैंपिंग फीस और पर्यावरण शुल्क जैसी राशि भारतीय पर्वतारोहण संस्था (IMF) और वन विभाग द्वारा ली जाती थी, लेकिन अब राज्य सरकार स्वयं इसका वहन करेगी। इससे आर्थिक बाधाओं के कारण पीछे रह जाने वाले युवा पर्वतारोहियों के लिए बड़ा अवसर खुलेगा। विदेशी पर्वतारोहियों पर पहले लागू राज्य स्तरीय अतिरिक्त शुल्क को समाप्त कर दिया गया है। अब उन्हें केवल द्रुस्त्र द्वारा निर्धारित शुल्क ही देना होगा। इससे उत्तराखंड की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपील बढ़ेगी और विदेशी अभियानों की संख्या में भी वृद्धि होगी। सभी पर्वतारोहण अभियानों के लिए आवेदन उत्तराखंड माउंटेनियरिंग परमिशन सिस्टम (चस्र्क्ष) के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किए जाएंगे। यह पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी प्रणाली है, जिससे अनुमति प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी नहीं होगी। इस फैसले से सीमावर्ती और दूरदराज के गांवों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोग गाइड, पोर्टर, होमस्टे, परिवहन और अन्य सेवाओं में रोजगार के नए अवसर प्राप्त करेंगे। यह पहल पलायन को रोकने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने में भी मददगार होगी। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी अभियानों में सुरक्षा मानकों और पर्यावरणीय नियमों का पालन अनिवार्य होगा।

'पार्टी नेतृत्व जो कहेगा, उसे सुनना होगा', कर्नाटक कांग्रेस में अंतर्कलह पर बोले डिप्टी सीएम शिवकुमार

एजेंसी

मंगलुरु । कर्नाटक कांग्रेस में खींचतान के बीच उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि पार्टी जो भी कहेगी, उन्हें उसे सुनना होगा। मंगलुरु में जब उनसे मुख्यमंत्री बनने की जनता की आकांक्षाओं के बारे में पूछा गया, तो डीके शिवकुमार ने कहा, 'लोगों के सपने होते हैं, विधायकों के सपने होते हैं और आपके (मीडिया) भी सपने होते हैं। हमें पार्टी की बात सुननी होगी।' गृह मंत्री जी. परमेश्वर के मुख्यमंत्री बनने की दलित संगठनों की इच्छा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'समर्थकों की अपनी आकांक्षाएं होती हैं। मैं इससे इनकार नहीं कर सकता और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। '

दरअसल, कर्नाटक में नेतृत्व की खींचतान उस समय फिर से सामने आई, जब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे और कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया ने दावा किया कि नेतृत्व परिवर्तन की मांगों को कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व ने स्वीकार नहीं किया है और उनके पिता पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। मैसूर

में पत्रकारों से बात करते हुए यतींद्र ने ये टिप्पणियां कीं। माना गया कि उनका यह बयान उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के कट्टर समर्थक कांग्रेस विधायक शिवगंगा बसवराज के लिए जवाब था। बसवराज ने पार्टी आलाकमान से राज्य में नेतृत्व के मुद्दे को लेकर भ्रम दूर करने का आग्रह किया था और गुरुवार को एक बयान दिया था। कांग्रेस एमएलसी यतींद्र की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कि राज्य में कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा और उनके पिता पूरा कार्यकाल पूरा करेंगे, उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा, 'सीएम का बेटा हमारा आलाकमान है और वह जो भी कहेगा, मैं उसे स्वीकार करूंगा। 'शिवकुमार ने कहा, 'वह खुद ही हमारा आलाकमान है। वह जो भी कहेगा, मैं उसे सम्मान के साथ स्वीकार करूंगा। चूंकि उसने ऐसा बयान दिया है जैसे वह खुद ही आलाकमान है, तो चलिए उसे ही आलाकमान मान लेते हैं। ' मेट्रो किराए में बढ़ोतरी पर डीके शिवकुमार ने कहा कि मेट्रो किराए पर फैसला करने के लिए एक अलग कमेटी है और हाल ही में मेट्रो किराए में बढ़ोतरी के बारे में राज्य सरकार की राय नहीं ली गई। उन्होंने कहा, 'मेट्रो किराए पर फैसला लेने के लिए एक अलग कमेटी है और इसकी अध्यक्षता केंद्र सरकार का एक सचिव करता है। मेट्रो किराए में बढ़ोतरी के मुद्दे पर हमारी राय नहीं ली गई। ' उन्होंने कहा कि बेंगलुरु लौटने के बाद वह इस मामले पर चर्चा करेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'हम जनता को कोई असुविधा नहीं पहुंचाना चाहते। मैं वित्तीय स्थिति की समीक्षा करूंगा। '

इंदौर में दूषित पानी से एक और मौत, मृतकों की संख्या बढ़कर 33 हुई

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से एक और मौत हो गई। दूषित पानी से बीमार होने के बाद 70 वर्षीय अलगूराम यादव को पिछले माह 9 जनवरी को अरबिंदो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां गुरुवार देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके बाद इंदौर में दूषित पानी से मरने वालों की संख्या 33 हो गई है। अलगूराम एक माह से अस्पताल में भर्ती थे और कुछ दिनों से वेंटिलेटर पर थे। उन्हें सांस लेने में दिक्कत आ रही थी। इसके पहले अलगूराम यादव की पत्नी की भी दूषित पानी से मौत हो चुकी है। उर्मिला यादव को भी उल्टी-दस्त की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उर्मिला यादव ने दम तोड़ा था। उनकी मौत को महीनेभर हो गए हैं। अगलूराम के बेटे संजय यादव का कहना है कि पिता को पहले से कोई बीमारी नहीं थी। करीब एक महीने पहले उल्टी और तेज बुखार की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। सांस लेने में गंभीर परेशानी होने पर डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान चली गई। इंदौर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव प्रसाद हसानी ने बताया कि भागीरथपुरा के अलगूराम यादव लंबे समय से अरविंद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उन्हें पहले से ही लकवा था। उनकी दाहिनी जांघ की हड्डी में फ्रैक्चर भी था। वह दूसरी बीमारियों से भी पीड़ित थे। इंदौर में हुई इस मौत के बाद मृतकों का आंकड़ा 33 पहुंच गया है। मृतकों में उर्मिला यादव (69), नंदलाल पाल (75), उमा कोरी (31), मंजूला (74), ताराबाई कोरी (60), गोमती रावत (50), सीमा प्रजापत (50) जीवन लाल बरेडे (80), अव्यान साहू (5 माह), शंकर भाया (70), संतोष बिगोलिया (72), अरविंद लिखर (40), गीताबाई (60), अशोक लाल पंवार (70), ओमप्रकाश शर्मा (69), हरकुंवर बाई (75), रामकली, सुमित्रा बाई (50), श्रवण खुपराव (81), हीरालाल (65), सुनीता वर्मा (49), कमला बाई (59), भगवानदास (64), शुभद्राबाई (78), हेमंत गायकवाड़ (51), विद्या बाई (82), बद्री प्रसाद (63), राजाराम बौरासी (75), खूबचंद (63), लक्ष्मी रजक (62), एकनाथ सूर्यवंशी (75). अनिता कुशवाह (65) और अगलूराम यादव (70) शामिल हैं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम को बीसीसीआई का तोहफ़ा, 7.5 करोड़ रुपये का कैश पुरस्कार घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम के लिए 7.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि का ऐलान किया है। यह इनाम न सिर्फ विजेता खिलाड़ियों बल्कि कोचिंग स्टाफ, तकनीकी टीम और चयन समिति को भी दिया जाएगा। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की और बताया कि पुरस्कार राशि के विभाजन पर जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सैकिया के अनुसार जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए रिकॉर्ड छठी बार खिताब पर कब्जा जमाया। उन्होंने बताया कि 7.5 करोड़ रुपये की राशि टीम के सभी सदस्यों के बीच बांटी जाएगी, हालांकि वितरण का सटीक फॉर्मेट अभी तय होना बाकी है।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से मात देकर अपने दबदबे को और मजबूत किया। फाइनल मैच में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन की विस्फोटक शतकीय पारी खेलकर भारत की जीत की नींव रखी। उनकी इस पारी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को शुरुआत से ही दबाव में ला दिया। कप्तान आयुष म्हात्रे के 53 रन और विकेटकीपर अभिग्यान कुंडू के 40 रन ने टीम के स्कोर को 411/9 तक पहुंचाया। जवाब में इंग्लैंड की टीम 311 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड के कैलिब फाल्कनर के 115 रन भी उनकी टीम को बचा नहीं पाए। इस खिताबी जीत के साथ भारत ने एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। फिलहाल भारत के पास अंडर-19 पुरुष और अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप दोनों के खिताब मौजूद हैं, जो देश के मजबूत ग्रासरूट ढांचे और प्रतिभा विकास प्रणाली को दर्शाता है। बीसीसीआई सचिव ने टीम की जीत की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट की प्रगति मजबूत घरेलू संरचना, गुणवत्तापूर्ण कोचिंग और प्रतिभा पहचान के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने यह भी बताया कि सीनियर पुरुष और महिला क्रिकेटरों के केंद्रीय अनुबंधों को लेकर बोर्ड जल्द ही अपडेट जारी करेगा।

डेविस कप क्वालिफायर: सुमित नागल को शुरुआती सिंगल्स में हार, भारत नीदरलैंड से 0-1 से पीछे

बेंगलुरु (एजेंसी)। डेविस कप क्वालिफायर मुकाबले में भारत को शुरुआती झटका लगा है। देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल को पहले सिंगल्स मैच में नीदरलैंड के गाइ डे ओउडेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तीन सेट तक चले इस मुकाबले में नागल 0-6, 6-4, 3-6 से पराजित हुए, जिसके बाद भारत सीरीज में 0-1 से पीछे हो गया है।

मैच की शुरुआत नागल के लिए बेहद कठिन रही। पहले सेट में गाइ डे ओउडेन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए नागल को कोई मौका नहीं दिया और सेट 6-0 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में नागल ने शानदार वापसी की, अपनी लय हासिल की और निर्णायक ब्रेक के साथ 6-4 से सेट जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया।

तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अहम मौकों पर गाइ डे ओउडेन ने बेहतर खेल दिखाया और 6-3 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इस हार के साथ ही बेंगलुरु में खेले जा रहे डेविस कप क्वालिफायर टाई में भारत पर दबाव बढ़ गया है। अब भारतीय टीम को अगले मुकाबलों में वापसी कर सीरीज में बराबरी हासिल करने की जरूरत होगी, ताकि क्वालिफिकेशन की उम्मीदें बनी रहें।

आगामी मैचों में भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने टीम वापसी कर सके।

रहाणे की बड़ी भविष्यवाणी : टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप में रचेगी 300 रन का इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज़ अजिंक्य रहाणे ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर एक साहसिक दावा किया है। उनका मानना है कि मौजूदा भारतीय टीम वह ताकत और आक्रामकता रखती है, जो इस टूर्नामेंट में पहली बार 300 रन का आंकड़ा पार कर सकती है। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारत अपने खिताब बचाव अभियान की शुरुआत यूएसए के खिलाफ करेगा, और रहाणे के अनुसार यही टीम इतिहास रचने की मजबूत दावेदार है।

एक सोशल मीडिया प्रश्नोत्तर सत्र में जब रहाणे से पूछा गया कि क्या कोई टीम टी20 वर्ल्ड कप में 300 रन बना सकती है, तो उन्होंने बिना झिझक भारत का नाम लिया। उनकी नजर में मौजूदा स्क्वाड में गहराई, क्षमता और आक्रामक मानसिकता है, जो इस उपलब्धि को संभव बना सकती है। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया की आधुनिक टी20 अप्रोच और बेखौफ बल्लेबाज़ी उन्हें इस रिकॉर्ड के बेहद करीब ले जा चुकी है।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी शैली, जिसे 'स्काईबॉलद्य' के नाम से जाना जा रहा है, भारतीय बल्लेबाज़ी की आक्रामक पहचान बन गई है। टूर्नामेंट में भारत अब तक सैकड़ों छक्के लगा चुका है और टीम के शीर्ष सात बल्लेबाज़ों का स्ट्राइक रेट भी शानदार रहा है। रहाणे का मानना है कि अगर भारतीय बल्लेबाज़ अपनी लय में रहे, तो 300 रन का आंकड़ा भी पहुंच से बाहर नहीं है।

भारत की संभावित ओपनिंग जोड़ी अभिषेक शर्मा और ईशान किशन पर भी रहाणे ने भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि ईशान किशन की फॉर्म और तेज़ शुरुआत देने की क्षमता, साथ ही अभिषेक शर्मा का पावरप्ले में आक्रामक खेल, भारत को बड़े स्कोर तक ले जाने में अहम भूमिका निभा सकता है। संजू सैमसन बनाम ईशान किशन की चर्चा पर रहाणे ने संतुलित राय रखते हुए कहा कि भले ही ईशान लय में हों, लेकिन संजू का अनुभव भी टीम के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। खिलाड़ियों को भरोसा देना बड़े टूर्नामेंट में निर्णायक साबित होता है।

अपनी बल्लेबाजी कौशल पर भरोसा था कि बड़े मैच में योगदान दे सकता हूं: सूर्यवंशी

नई दिल्ली(एजेंसी)। अंडर-19 विश्व कप में रिकॉर्ड छठी जीत, वैभव सूर्यवंशी की 175 रन की विस्फोटक पारी बनी भारत की सफलता की कुंजी. भारत को रिकॉर्ड छठा अंडर-19 विश्व कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने फाइनल में अपने स्वाभाविक अंदाज में खेलते हुए ऐसा धमाका किया, जिसने इंग्लैंड की पूरी रणनीति को ध्वस्त कर दिया। महज 14 वर्ष की उम्र में सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन की अविश्वसनीय पारी खेली, जिसमें 15 छक्के और 15 चौके शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 411 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और इंग्लैंड को 311 रन पर रोककर 100 रन से मुकाबला जीत लिया। फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' और पूरे टूर्नामेंट में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए सूर्यवंशी ने कहा कि उन्हें अपने कौशल पर पूरा भरोसा था और टीम ने शुरुआत से ही अनावश्यक दबाव नहीं लेने की रणनीति अपनाई। मैच के बाद उन्होंने कहा कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट में दिखाए गए प्रदर्शन को दोहराने पर जोर दिया और इसी प्रक्रिया ने उन्हें बड़े मुकाबले में जीत दिलाई। सूर्यवंशी ने बताया कि टीम पिछले 8-9 महीनों से लगातार कड़ी मेहनत कर रही थी, जिसका नतीजा अब जाकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि एशिया कप में पाकिस्तान से हार के बाद टीम ने और ज्यादा तैयारी की, जिसका सकारात्मक असर फाइनल में भी दिखाई दिया। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने विश्व कप जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि टीम रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर द्वारा स्थापित विश्व कप जीत की विरासत को आगे बढ़ाना चाहती थी। उन्होंने अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की और कहा

कि टीम ने फाइनल में बिना दबाव के अपना स्वाभाविक खेल दिखाया। म्हात्रे ने सूर्यवंशी की बल्लेबाजी को 'जादुई' बताते हुए कहा कि उनकी पारी को शब्दों में नहीं बांधा जा सकता।

मुख्य कोच ऋषिकेश कानिटकर ने इस जीत को 'अविश्वसनीय' करार दिया और कहा कि इंग्लैंड द्वारा दिखाए गए संघर्ष के बाद यह विजय और भी खास हो जाती है। उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों का इस तरह निखरकर सामने आना भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। वहीं इंग्लैंड के कप्तान थॉमस रियू ने स्वीकार किया कि सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी ने उनकी सारी योजनाओं को ध्वस्त कर दिया और इतनी करीब आकर ट्रॉफी गंवाना बेहद दर्दनाक है।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की जीत से शुरुआत, नीदरलैंड को रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से हराया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए अभियान की दमदार शुरुआत की। कोलंबो में खेले गए इस रोमांचक मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को 19.3 ओवर में 7 विकेट पर 148 रन बनाकर 3 विकेट से मात दी। इससे पहले नीदरलैंड की टीम 19.5 ओवर में 147 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही। सलामी बल्लेबाज सईम आयूब और साहिबजादा फरहान ने पहले विकेट के लिए 27 रन जोड़े। आयूब ने 13 गेंदों पर 24 रन बनाए, जबकि फरहान ने 31 गेंद में 47 रन की अहम पारी खेली। हालांकि बीच के ओवरों में पाकिस्तान की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई और टीम बड़े नामों के बावजूद लगातार विकेट गंवाती रही। कप्तान सलमान अली आगा 12 रन पर आउट हुए, बाबर आजम ने 18 गेंदों में 15 रन बनाए। मोहम्मद नवाज और शादाब खान जैसी अनुभवी जोड़ियों से भी बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन दोनों नाकाम रहे। एक समय पाकिस्तान का स्कोर 17 ओवर में 115/7 था और टीम हार के काफी करीब नजर आ रही थी। आखिरी 18 गेंदों पर पाकिस्तान को 33 रन चाहिए थे। 18वें ओवर में नीदरलैंड ने सिर्फ 4 रन दिए, जिससे समीकरण और मुश्किल हो गया। इसके बाद 19वें ओवर में फहीम अशरफ ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। लोगन के ओवर में फहीम ने पहली, तीसरी और पांचवीं गेंद पर छक्के जड़े और ओवर की अंतिम गेंद पर गेंद को बाउंड्री पार भेजकर कुल 24 रन बटोर लिए। इससे पाकिस्तान को आखिरी 6 गेंदों में सिर्फ 5 रन की जरूरत रह गई।

गावस्कर का पाकिस्तान पर निशाना : कहा – पहल हमेशा भारत ने की, जवाब कभी नहीं मिला

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मैच के बहिष्कार को लेकर जारी विवाद के बीच भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान हमेशा भारत से दोस्ताना कदम बढ़ाने की उम्मीद करता है, लेकिन ऐसा कोई सकारात्मक रुख पाकिस्तान की ओर से कभी दिखाई नहीं दिया। गावस्कर ने 2008 के आईपीएल का उदाहरण देते हुए कहा कि लीग की शुरुआत में लगभग हर फ्रेंचाइजी में पाकिस्तानी खिलाड़ी मौजूद थे और कई पाकिस्तानी कमेंटेटर्स को भी भारत में काम करने का मौका मिला। उनके मुताबिक, भारत ने तब भी रिश्ता सुधारने की पहल की थी, जबकि पाकिस्तान की ओर से वैसी भावना कभी नजर नहीं आई, यहां तक कि तब भी जब दोनों देशों के रिश्तों में आज जैसी तल्खियां नहीं थीं। उन्होंने सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मुद्दा भी उठाया और पूछा कि कितने भारतीय कलाकारों या गायकों को पाकिस्तानी फिल्मों में काम करने का मौका मिला। गावस्कर ने कहा कि भारत हमेशा पहला कदम उठाता है और किसी तरह की 卐बुलींग卐 नहीं कर रहा, बल्कि अपनी राह पर चलता रहा है। उनकी यह प्रतिक्रिया उस समय सामने आई है जब पाकिस्तान ने 15 फरवरी को कोलंबो के आर.प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले भारत के खिलाफ मैच में उतरने से इनकार कर दिया है। हालांकि पाकिस्तान सरकार ने टीम को टूर्नामेंट में खेलने की मंजूरी दे दी है, लेकिन भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर रुख सख्त बना हुआ है। यह फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश के समर्थन में लिया है, जिसे वेन्यू बदलने की अनुमति नहीं मिली और वह टूर्नामेंट से हट गया। उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। इस मुद्दे पर आईसीसी ने नाराजगी जताते हुए पीसीबी को चेतावनी दी है कि बहिष्कार का यह फैसला पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य को नुकसान पहुंचा सकता है और वैश्विक क्रिकेट के हित में बिल्कुल नहीं है। टी20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के आमने-सामने के रिकॉर्ड की बात करें, तो भारतीय टीम पूरी तरह हावी रही है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 8 मुकाबलों में भारत ने 7 बार जीत दर्ज की है।

बॉक्सम एलीट 2026: सचिन और लवलीना की अगुवाई में 12 भारतीय फाइनल में पहुंचे

ला नुसिया (एजेंसी)। शानदार प्रदर्शन से भरे एक और सेशन के बाद आठ महिलाओं और चार पुरुषों सहित 12 भारतीय बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 के आखिरी दिन गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगे। पुरुषों की तरफ से सचिन (60किग्रा) ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने इंग्लैंड के जैक ड्राइडन पर एक और शानदार जीत के साथ अपनी बेहतरीन लय जारी रखी। महिलाओं के सेक्शन में, ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन (75किग्रा) ने वेल्स की रोजी एक्लेस पर सर्वसम्मत जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई।

ला नुसिया, एलिकांटे, स्पेन में आयोजित बॉक्सम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से ज़्यादा मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया। शनिवार के फाइनल में भारत (12) सबसे ज़्यादा प्रतिनिधित्व वाला देश है - जो दिग्गज कजाकिस्तान (11), यूक्रेन (5), और मेजबान स्पेन (4) से आगे है - और कम से

कम एक गोल्ड पक्का है, क्योंकि एलीट महिला 54किग्रा का फाइनल पूरी तरह से भारतीयों के बीच होगा।

भारत की महिलाओं ने अलग-अलग कैटेगरी में सेमीफाइनल में शानदार जीत के साथ अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा, जिसमें 54किग्रा कैटेगरी में गोल्ड पक्का होना सबसे खास रहा, जहां प्रीति और पूनम खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। इसके अलावा, मंजू रानी (48), नीतू (51), प्रिया (60), अरुंधति चौधरी (70) और नैना (80) सभी ने शानदार जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई, जो अलग-अलग वेट क्लास में भारत की गहराई और निरंतरता को दिखाता है।

पुरुषों की प्रतियोगिता में दीपक (70), आकाश (75) और अंकुश (80) के शानदार प्रदर्शन से भारत के और फाइनलिस्ट बने। दीपक ने कजाकिस्तान के वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल के सिल्वर मेडलिस्ट नुरबेक मुरसल के खिलाफ पहले राउंड में ही आरएससी से जीत हासिल करके सेशन के सबसे खास पलों में से एक दिया, जबकि आकाश और अंकुश ने कजाख विरोधियों के खिलाफ मुश्किल मुकाबलों में जीत हासिल करके शनिवार को गोल्ड मेडल के मुकाबलों में अपनी जगह पक्की की।

भारत के कैंपेन में कई बॉक्सर्स सेमीफाइनल में हारने के बाद ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पोडियम पर पहुंचे, जिनमें महिलाओं के मुकाबले में प्रांजल यादव (65), काजल (65), सनामचा चानू (75) और मनकीरत कौर (80) शामिल हैं। पुरुषों के ड्रॉ में जदुमणि सिंह (55), मोहम्मद हुसाम उद्दीन (60), और हितेश गुलिया (70) ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारत के खिलाफ मैच से इनकार पर आईसीसी ने पाकिस्तान से मांगा जवाब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से यह स्पष्ट करने को कहा है कि भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच से इनकार को वह 'फोर्स मेज्योर' प्रावधान के तहत कैसे सही ठहरा सकता है। पीसीबी ने हाल ही में आईसीसी को पत्र लिखकर दावा किया था कि पाकिस्तान सरकार के निर्देश के कारण टीम 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले इस अहम मुकाबले में हिस्सा नहीं ले सकती। अब आईसीसी ने इस दावे पर गंभीर सवाल उठाते हुए विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा है। आईसीसी ने अपने जवाब में पूछा है कि जब पाकिस्तान टीम सरकार के निर्देशों के तहत पूरे टूर्नामेंट में बाकी सभी मैच खेलने को तैयार है, तो सिर्फ भारत के खिलाफ मुकाबले से हटने को 'फोर्स मेज्योर' कैसे माना जा सकता है। संस्था का कहना है कि किसी एक मैच को चुनकर उससे इनकार करना टूर्नामेंट के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है और इससे खेल की निष्पक्षता पर भी असर पड़ता है। पीसीबी ने सरकार के सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला देते हुए दावा किया था कि यह स्थिति 'फोर्स मेज्योर' के तहत आती है, क्योंकि यह उनके नियंत्रण से बाहर है। हालांकि आईसीसी का मानना है कि इस प्रावधान का इस्तेमाल तभी मान्य माना जाता है जब घटना अप्रत्याशित, अनिवार्य और अपरिहार्य हो, और प्रभावित पक्ष इस बात के प्रमाण दे कि उसने नुकसान को कम करने के लिए सभी संभव प्रयास किए। सिर्फ राजनीतिक असहमति या असुविधा इस प्रावधान के तहत नहीं आती। सूत्रों के अनुसार, पीसीबी ने आईसीसी की औपचारिक चिट्ठी प्राप्त होने के बाद बातचीत का सिलसिला शुरू कर दिया है। आईसीसी इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पीसीबी के साथ लगातार संपर्क में है और चाहता है कि क्रिकेट के हित में कोई संतुलित समाधान निकले। पाकिस्तान सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि टीम केवल भारत के खिलाफ मैच में हिस्सा नहीं लेगी, जबकि बाकी सभी मुकाबले खेलेगी।

एलेक्जेंड्रोवा ने मैच पॉइंट बचाकर अबू धाबी फाइनल में जगह बनाई

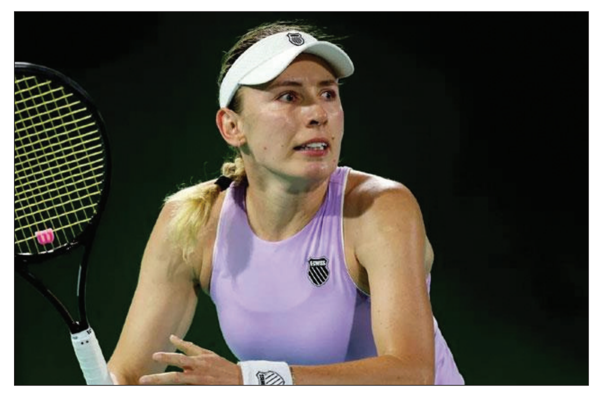

अबू धाबी (एजेंसी)। एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा ने मुबाडाला अबू धाबी ओपन फाइनल में पहुंचने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया, शुक्रवार शाम को तीन सेट में हैली बैपटिस्ट को हराने से पहले एक मैच पॉइंट बचाया। बैपटिस्ट ने पहला सेट जीता और दूसरे सेट में 5-4 पर एलेक्जेंड्रोवा की सर्विस पर मैच पॉइंट हासिल किया। एलेक्जेंड्रोवा ने इसे बचाया, सर्विस बरकरार रखी, और सेट को टाईब्रेक तक पहुंचाया, जहां उन्होंने 5-4 से पीछे होने के बाद अंतिम तीन पॉइंट जीतकर निर्णायक सेट के लिए मजबूर किया। उन्होंने तीसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बरकरार रखी, 2-0 से बढ़त बनाई और 4-2 से आगे रहते हुए थोड़े समय के लिए लड़खड़ाने के अलावा, ढाई घंटे में 3-6, 7-6 (5), 6-3 की जीत के साथ मैच को नियंत्रित किया। इस जीत के साथ वह अपने करियर के 13वें फाइनल में पहुंच गई हैं। एलेक्जेंड्रोवा ने कोर्ट पर इंटरव्यू में हंसते हुए कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। मैंने मैच के दौरान इसके बारे में नहीं सोचा था। (लेकिन) आप जानते हैं, इस मुश्किल मैच के बाद, मुझे लगता है कि यह काफी अच्छी खबर है जो आपने मुझे अभी बताई।' अन्य सकारात्मक बातों में उनके द्वारा लगाए गए 33 विनर्स और यह तथ्य शामिल है कि उन्होंने सर्विसिंग की लड़ाई में बैपटिस्ट को पछाड़ दिया, लेकिन शनिवार के फाइनल से पहले अभी भी बहुत कुछ सुधार करने की ज़रूरत है। उन्होंने 59 अनफोर्स्ड एरर किए और नेट पर काफी संघर्ष किया, पास से 13 में से सिर्फ 4 पॉइंट जीते। उन्होंने शुक्रवार को साबित कर दिया कि वह इन आंकड़ों से उबर सकती हैं, लेकिन उन्हें सारा बेजलेक के खिलाफ और भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा, जो क्वालीफाइंग से आई हैं और सेमीफाइनल में क्लारा टौसन को दो घंटे 49 मिनट में 7-5, 3-6, 7-5 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए फाइनल में पहुंची हैं।

हार्दिक पांड्या का बड़ा लक्ष्य: 'मैं भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी जीतना चाहता हूं'

मुंबई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के पहले मुकाबले से पहले हार्दिक पांड्या पूरे आत्मविश्वास और जुनून के साथ नज़र आ रहे हैं। ऑलराउंडर हार्दिक का मानना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका असली सफर अब शुरू हुआ है। 10 साल के अनुभव के साथ वह खुद को पहले से ज्यादा परिपक्व, खतरनाक और प्रभावशाली खिलाड़ी मानते हैं। उनका लक्ष्य साफ है–भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी जीतना और बड़े मंच पर खुद को निर्णायक खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना।

वानखेड़े में सबकी नजरें हार्दिक पर

जब टीम इंडिया USA के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत करेगी, तो हार्दिक पांड्या आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके आत्मविश्वास, आक्रामक शॉट्स, मैदान पर ऊर्जा और बड़े मौकों पर प्रदर्शन ने उन्हें भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विनर खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। फैंस को उम्मीद है कि पूरे टूर्नामेंट में हार्दिक अपने खेल से कई यादगार पल देंगे।

'मेरा सफर अभी शुरू हुआ है'

स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में हार्दिक ने कहा कि वह भारत के लिए कम से कम चार से पांच और आईसीसी ट्रॉफी जीतना चाहते हैं। उनके अनुसार, 10 साल का अंतरराष्ट्रीय अनुभव उन्हें और ज्यादा मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि एक बल्लेबाज के तौर पर उनकी क्षमता अब और निखर कर सामने आएगी और वह विरोधी टीमों के लिए 'डरावने' साबित हो सकते हैं।

जीत और प्रदर्शन पर पूरा फोकस

हार्दिक ने साफ किया कि उनके लिए खेल की कीमत किसी भी ब्रांड या चीज़ से ज्यादा है। उन्होंने कहा कि मैदान पर लिया गया हर कैच और खेली गई हर गेंद सबसे कीमती होती है। यह बयान उनके प्रोफेशनल रवैये और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अहम भूमिका

भारत की 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीत में हार्दिक पांड्या का योगदान बेहद अहम रहा। उन्होंने छह पारियों में 144 रन बनाए, उनका औसत 48.00 और स्ट्राइक रेट 151 से ज्यादा रहा। गेंदबाजी में भी उन्होंने 11 विकेट झटके। फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3/20 का प्रदर्शन कर उन्होंने मैच का रुख भारत के पक्ष में मोड़ दिया।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अनसंग हीरो

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हार्दिक भले ही सुर्खियों में कम रहे हों, लेकिन उनका योगदान निर्णायक था। उन्होंने चार पारियों में उपयोगी रन बनाए और जरूरत के समय विकेट भी लिए। उनकी छोटी लेकिन प्रभावी पारियों ने भारत को खिताब जीतने में मदद की।

ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत अर्जी अदालत ने खारिज की

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने छत्रसाल स्टेडियम में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनकड़ की हत्या से जुड़े मामले में आरोपी ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें सुशील कुमार ने नियमित जमानत की मांग की थी। सुशील कुमार और अन्य आरोपियों पर आरोप है कि मई 2021 में कथित संपत्ति विवाद के चलते उन्होंने सागर धनकड़ और उनके साथियों पर जानलेवा हमला किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया था कि धनकड़ को किसी भारी वस्तु से सिर में गंभीर चोट पहुंचाई गई, जिसके कारण उनकी मौत हुई। इस घटना में धनकड़ के दो दोस्त भी घायल हुए थे। घटना के तुरंत बाद सुशील कुमार को मई 2021 में गिरफ्तार कर लिया गया था। इससे पहले अदालत ने 19 जुलाई 2023 को उनकी घुटने की सर्जरी के लिए एक सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की थी। लेकिन नियमित जमानत को लेकर उनकी पिछली अर्जी और अब दायर ताजा अर्जी दोनों को अदालत ने निरस्त कर दिया। अक्टूबर 2022 में अदालत ने भारतीय दंड संहिता की हत्या, आपराधिक साजिश, धमकी और घातक हथियारों से दंगा करने जैसी गंभीर धाराओं में सुशील कुमार के खिलाफ आरोप तय किए थे। इसके अतिरिक्त, उनके विरुद्ध हथियार अधिनियम के तहत भी कार्रवाई तय की गई है। अदालत ने माना था कि धनकड़ को कथित रूप से अगवा कर स्टेडियम लाया गया और वहां कई आरोपियों ने बेसबॉल व हॉकी स्टिक से उन पर हमला किया।

आलिया भट्ट साझा की दिल की बात

आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनके मुताबिक 2022 में मां बनने के बाद उनके अंदर कई बदलाव आए हैं। हाल ही में उन्होंने एक बातचीत में बताया कि वह अपना सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट करना चाहती हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्यों कहा है?

सोशल मीडिया क्यों डिलीट करना चाहती हैं आलिया?

एस्क्वायर इंडिया से बातचीत में आलिया भट्ट ने बताया कि कई बार लगता है कि सोशल मीडिया से दूरी बना ली जाए और सिर्फ अपने काम पर ध्यान दिया जाए। एक अभिनेत्री होने के नाते अभिनय ही असली पहचान है। लगातार ऑनलाइन मौजूद रहने का दबाव कई बार थका देता है। आलिया के मुताबिक कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मन करता है कि सारे सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिए जाएं। एक एक्ट्रेस के तौर पर जिया जाए।

मां बनने के बाद हुए बदलाव

आलिया ने आगे कहा जब अपनी निजी जिंदगी को सबके सामने लाने की बात आती है, तो थोड़ा मुश्किल लगता है। मेरी फोटो एल्बम राहा से भरी हुई है। मुझे अपनी तस्वीरें लेने के लिए सच में बहुत मेहनत करनी पड़ती है। आलिया भट्ट ने यह भी बताया कि मां बनने के बाद उनमें कई बदलाव हुए हैं।

आलिया भट्ट का परिवार

आपको बता दें कि आलिया भट्ट ने कई वर्षों तक रणबीर कपूर को डेट करने के बाद अप्रैल 2022 में शादी की। उनकी पहली बच्ची राहा का जन्म नवंबर 2022 में हुआ।

आलिया भट्ट का वर्कफ्रंट

आलिया भट्ट जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आने वाली हैं। इसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल अहम भूमिकाओं में होंगे। इसके अलावा वो यशराज फिल्म्स की अल्फा का भी हिस्सा हैं, जिसमें शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी नजर आएंगे।

रकुल प्रीत ने खोली बॉलीवुड में पेड पीआर की पोल

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने इंडस्ट्री में चल रहे पेड पीआर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने पीआर कल्चर की भी असलियत के बारे में बात की। रकुल ने उन अभिनेताओं के बारे में भी बात की जो अपने काम की वजह से नहीं बल्कि पर्दे के पीछे होने वाले प्रचार की वजह से चर्चा में रहते हैं।

हम सभी को थोड़ा पीआर करना पड़ता है

जूम टीवी के साथ बातचीत के दौरान रकुल प्रीत सिंह ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पैसे लेकर की जाने वाली पीआर पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि लोग ऐसा क्यों करते हैं। रकुल ने कहा कि हम सभी को थोड़ा-बहुत पीआर करना पड़ता है। हमें अपनी उपस्थिति दर्ज करानी पड़ती है। कुछ लोग तो दूसरों की बुराई करने तक चले जाते हैं। मेरा मतलब है, जीवन में आप कितने नकारात्मक हो सकते हैं? आप खुद से कैसे संतुष्ट हो सकते हैं? मेरा सबसे बड़ा सवाल यही है। मुझे लगता है कि अच्छे कर्मों का फल अच्छा ही मिलता है। अच्छा कर्म करने से ही फल मिलता है। मैं इसी सोच की हूं। मेरा दिमाग स्वाभाविक रूप से पीआर पर नहीं चलता।

पैपराजी को लेकर की बात

अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें पैपराजी द्वारा तस्वीरें खींचे जाने की चिंता नहीं है। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरी मां कभी-कभी मुझे फोन करके पूछती हैं, 'तुमने क्या पहना है? इस महीने पाँचवीं बार तुम्हारी उसी जींस में तस्वीर खींची गई है।' तो लोग जब भी बाहर जाते हैं तो अच्छा दिखने की कोशिश करते हैं। पैपराजी यहां कैसे आ जाते हैं? कभी आप सजे-धजे होते हैं और कभी नहीं। यह ठीक है। इसलिए मुझे लगता है कि खुद पर इतना दबाव मत डालो।

'रामायण' के अलावा इन फिल्मों का हिस्सा हैं रकुल

वर्कफ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आई थीं। वहीं उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में 'पति पत्नी और वो दो' है, जिसमें आयुष्मान खुराना और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा वह कमल हासन की फिल्म 'इंडियन 3' में भी हैं। वहीं रकुल नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित मल्टीस्टारर मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का भी हिस्सा हैं। रणबीर कपूर की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में रकुल सूर्पनखा की भूमिका में नजर आएंगी। दो पार्ट में बनने वाली इस फिल्म का पहला पार्ट दिवाली 2026 पर रिलीज होना है।

आदिवी शेष की 'डकैत' की बदली रिलीज डेट, 'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' बनी वजह!

19 मार्च 2026 को बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त क्लैश देखने को मिलेगी। क्योंकि इस दिन बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्में 'टॉक्सिक' और 'धुरंधर: द रिवेंज' रिलीज होने वाली हैं। दोनों ही फिल्मों को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। इन्हीं फिल्मों के साथ 19 मार्च को आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की 'डकैत: एक प्रेम कथा' भी रिलीज होनी थी। लेकिन अब 'डकैत' के मेकर्स ने इस क्लैश से बचने के लिए अपनी फिल्म आगे बढ़ा ली है।

अब 10 अप्रैल को होगी रिलीज

'टॉक्सिक' और 'धुरंधर: द रिवेंज' जैसी बड़ी फिल्मों की टक्कर से बचने के लिए 'डकैत' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 19 मार्च को रिलीज होने वाली 'डकैत' अब 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फैसले की वजह 'टॉक्सिक' और 'धुरंधर 2' जैसी फिल्मों की क्लैश से होने वाले नुकसान से बचना है। ताकि 'डकैत' लंबे समय के लिए सिनेमाघरों में बनी रहे और दर्शक जुटाती रहे।

दामिनी वाले अंदाज में लौटे सनी देओल, अक्षय खन्ना से होगा मुकाबला

1997 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर' में एक साथ सनी देओल और अक्षय खन्ना नजर आए थे। अब 29 साल बाद दोनों एक साथ कोर्ट रूम ड्रामा मूवी 'इक्का' में साथ नजर आने वाले हैं। जिसकी खास झलक आज जारी की गई है। जिसे देखने के बाद फैंस बहुत उत्साहित हैं।

ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स ने एक इवेंट में अपने इंडिया प्लान की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली फिल्मों और सीरीज से पर्दा उठ गया है। इसी के साथ यह भी पता चला है कि सनी देओल ओटीटी पर धाक जमाने आ रहे हैं। उनकी फिल्म 'इक्का' रिलीज होगी। इसमें वे वकील के रूप में नजर आएंगे।

सनी देओल से भिड़ेंगे अक्षय खन्ना

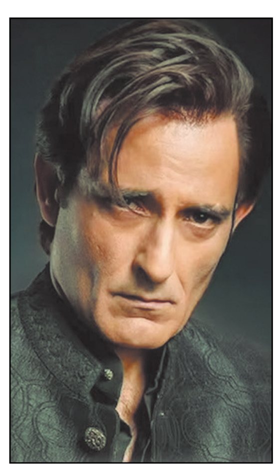

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'इक्का' में अक्षय खन्ना भी नजर आएंगे। फिल्म 'दामिनी' में सनी देओल ने वकील की भूमिका दमदार तरीके से अदा की। उनके डायलॉग आज भी दर्शकों की जुबान पर हैं। कुछ इसी अंदाज में एक बार फिर उन्हें देखा जा सकेगा। वहीं, 'धुरंधर' में रहमान डकैत की भूमिका से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अक्षय एक बार फिर नेगेटिव रोल में नजर आएंगे।

'धुरंधर द रिवेंज' में हुई यामी गौतम की एंट्री?

'धुरंधर: द रिवेंज' 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है, लेकिन लोगों ने इसकी काफी आलोचना की, क्योंकि इसमें पहले भाग के क्लाइमेक्स सीन ही ज्यादा दिखाए गए हैं। वहीं ताजा जानकारी के अनुसार 'धुरंधर' के सीक्वल में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं?

खबर के अनुसार, यामी गौतम 'धुरंधर: द रिवेंज' में एक खास कैमियो रोल में नजर आएंगी। उनका किरदार एक्शन से भरपूर और कहानी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। यामी ने इस रोल के लिए लगभग 5 दिन की शूटिंग की है। हालांकि ये कैमियो है, लेकिन ये इतना खास और सरप्राइजिंग होगा कि दर्शक चौंक जाएंगे। यामी ने 'काबिल', 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक', 'ए थर्सडे', 'आर्टिकल 370', 'बाला' जैसी फिल्मों में दमदार रोल के अलावा हाल ही में 'हक' में भी सराहना बटोरी है। पहली फिल्म 'धुरंधर' 2025 में सुपरहिट रही थी। अब इस सीक्वल में ज्यादा डार्क, एक्शन और प्रतिशोध की कहानी होगी। फोकस रणवीर सिंह के किरदार जसकिरत सिंह रंगी (जो हमजा के नाम से भी जाना जाता है) की असली पहचान और उसके अगले मिशन पर होगा। पहली फिल्म में रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) की मौत के बाद, अब हमजा बड़े साजिशकर्ताओं खासकर 'बड़े साहब' को पकड़ने की कोशिश करेगा। फिल्म में आर. माधवन (इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर अजय सान्याल) की भूमिका और बड़ी होगी। वो हमजा को एडवांस ट्रेनिंग देंगे। कुल मिलाकर, ये सीक्वल पहले से ज्यादा एक्शन और रिवेंज वाली होगी।

विक्की कौशल आएंगे नजर?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल अपनी 2019 की फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' वाले किरदार मेजर विहान सिंह शेरगिल को फिर से निभा सकते हैं। निर्देशक आदित्य धर ने दोनों कहानियों के समय में फर्क होने के बावजूद 'उरी' का एक ट्रैक शामिल किया है। इसमें कुछ एक्शन सीन होंगे, लेकिन ये साफ नहीं है कि विक्की का किरदार रणवीर सिंह के किरदार से मिलेगा या नहीं। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में इस अफवाह को खारिज भी किया गया है।

कंटेंट आधारित और सामाजिक रूप से जागरूक फिल्में करना पसंद है

भूमि पेडनेकर की वेब सिरीज 'दलदल' सिर्फ एक क्राइम-थ्रिलर कहानी नहीं है, बल्कि इसमें बचपन हुए ट्रॉमा पर भी बात की गई है। बातचीत में भूमि ने फिल्म में दिखाए गए वॉयलेंस और उसे दिखाने के उद्देश्य पर चर्चा की। इसके अलावा एक्ट्रेस ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में भी काफी कुछ साझा किया।

पिछले साल बॉक्स ऑफिस पर मेल एक्शन और वॉयलेंस ट्रेंड में रहा। ऐसे माहौल में आपकी सीरीज का वॉयलेंस कहां खड़ा होता है?

सीरीज में वॉयलेंस है, लेकिन मैं इसे महिला बनाम पुरुष के नजरिए से नहीं देखती। मेरे लिए वॉयलेंस का कोई जेंडर नहीं होता। असली बात यह है कि कहानी में वॉयलेंस दिखाया क्यों जा रहा है ? यहां वॉयलेंस सिर्फ दिखावे के लिए नहीं बल्कि किरदारों की मनोवैज्ञानिक हालत और उनके भीतर के ट्रॉमा को समझाने के लिए है। जब किसी के अंदर इतनी घुटन हो तो प्रतिक्रिया भी तीखी ही होगी। ऐसे में दलदल का वॉयलेंस मुझे जरूरत के मुताबिक लगता है न कि बनावटी।

क्या पर्सनल लाइफ में कभी कोई दर्दनाक अनुभव हुआ?

जी हां। हम सबकी जिंदगी में कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है जो भीतर एक तरह का ट्रॉमा छोड़ जाता है। यह हमेशा बहुत बड़ा नहीं होता। कभी बचपन में कोई बुरा अनुभव हो जाए, कोई बैड टच हो, या स्कूल में किसी ने बुली कर दिया हो। उस समय हम आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन हमारी बॉडी उस अनुभव को याद रखती है। वह याद हमारे शरीर में कहीं न कहीं दर्ज हो जाती है। औरत होने के नाते अगर कभी आपको खतरा महसूस हुआ हो, कोई आपको दूर से घूरता रहा हो, या किसी की मौजूदगी ने आपको असहज कर दिया हो, तो वह भी ट्रॉमा ही है।

कठिन अनुभवों से बाहर आने में आपकी सबसे बड़ी ताकत कौन रहा?

कठिन अनुभवों से बाहर आने में मेरे परिवार ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं कि मेरे पास ऐसा परिवार है। स्कूल के दिनों में भी मेरे साथ कुछ बातें हुईं, लेकिन मैं हमेशा अपने माता पिता के पास जा सकती थी। वे मजबूती से मेरे साथ खड़े रहे। मुझे पता था कि वे बिना जज किए मुझे समझेंगे और संभालेंगे।

आपको अक्सर सामाजिक मुद्दों वाली फिल्मों से जोड़ा जाता है। क्या यह टैग आपको सीमित करता है?

हां, मेरी फिल्मों में अक्सर सामाजिक मुद्दे दिखाई देते रहे हैं और कुछ समय तक मुझे इस बात का डर भी था कि कहीं मुझे सिर्फ सामाजिक विषयों वाली फिल्मों का टैग न मिल जाए। पहले यह सवाल मुझे थोड़ा परेशान कर देता था क्योंकि लगता था कि शायद लोग मुझे एक ही तरह की फिल्मों में देखने लगेंगे। लेकिन आज मैं इस बात पर गर्व महसूस करती हूं। पहले मैं इस टैग से भागती थी पर अब मुझे एहसास है कि यह एक तरह की जिम्मेदारी भी है और मुझे वह जिम्मेदारी निभाने में खुशी होती है मैं ऐसे ही काम करना चाहती हूं। मुझे कंटेंट आधारित और सामाजिक रूप से जागरूक फिल्में करना पसंद है ऐसी कहानियां जिनमें कोई सार्थक बात हो... जो किसी की सोच को बदल सकें या कम से कम प्रभावित कर सकें। अगर मेरा काम किसी की सोच को थोड़ा भी आगे बढ़ा सके तो मेरे लिए यही सबसे बड़ा पुरस्कार है।

किस तरह के किरदार और निभाने की इच्छा है?

मैं एक पीरियड फिल्म करना चाहूंगी। मैंने अब तक कोई पीरियड फिल्म नहीं की और मैं हमेशा से इस जोनर के प्रति बेहद आकर्षित रही हूं। हमारे इतिहास में कई महान औरतें, नेता और नायिकाएं रही हैं जिनके बारे में जानकर लगता है कि उन किरदारों को निभाना कितना प्रेरणादायक होगा। स्वतंत्र भारत या उससे पहले के दौर की किसी मजबूत महिला पर आधारित कहानी में काम करना मुझे बहुत पसंद आएगा।

इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए कौन सा बदलाव देखना चाहेंगी?

मैं हमेशा पे गैप के बारे में बात करती हूं क्योंकि मुझे लगता है कि हमारी इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए पे गैप अब भी बहुत ज्यादा है। खासकर पोस्ट पैंडेमिक इसका असर और भी बढ़ गया है और उसका पूरा बोझ औरतों को ही झेलना पड़ा है।मैं सच में उम्मीद करती हूं कि इसमें कुछ बराबरी आए। साथ ही मुझे लगता है कि महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को थिएटर में जितना स्पेस और अवसर मिलना चाहिए उतना अब नहीं मिल रहा। यह धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।यह बदलाव सिर्फ इंडस्ट्री अपने आप नहीं ला सकती इसमें ऑडियंस की भी बड़ी भूमिका है। अगर ऑडियंस ऐसे कंटेंट को सपोर्ट करे तो महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को फिर से वह जगह मिल सकती है जिसकी वे हकदार हैं।

प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग

ऊटी

यदि आपको प्राकृतिक स्थानों की सैर करने में आनंद आता है तो ऊटी से अच्छी जगह आपके लिए कोई और नहीं। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको बांधकर रख लेती हैं।

पहाड़ों की रानी ऊटी

नीलगिरी जिले की राजधानी है, इसे उद्गमंडल के नाम से भी जाना जाता है। नीलगिरी का अर्थ है- नीला पहाड़, शायद हरे-भरे पहाड़ों के कारण इसे यह नाम दिया गया है। यह समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर है।

जब आप कल्लार से कुनूर जाते हैं तो आपको रास्ते में पेड़-पौधों में तथा मौसम में आश्चर्यजनक बदलाव देखने को मिलता है। आपको कल्लार में गरम मौसम मिलेगा तो उससे आगे गरमी हल्की होती चली जाती है। कुनूर के पास चीड़, नीली गोंद, साइप्रस (सुरू) वृक्षों के कारण जलवायु में नमी महसूस होती है।

जैसे ही ऊटी से गुडलूर की तरफ बढ़ते हैं तो वनस्पतियों को देखकर आपके मन में हर्ष की हिलोरें उठने लगती हैं। यही है प्रकृति के सान्निध्य का आनंद! जलवायु और वनस्पति मिलकर एक खूबसूरत मंजर पेश करते हैं। यहां के चाय बागानों ने बहुत ख्याति पाई है। यहां हर वर्ष चाय और पर्यटन उत्सव में भारी संख्या में लोग शामिल होते हैं।

दोदाबेट्टा पीक

यह 2623 मीटर की ऊंचाई पर है। यह जिले का सबसे ऊंचा स्थान है, यहां से आप ऊटी के आसपास के क्षेत्र का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं। यह ऊटी से केवल 10 किलोमीटर दूर है।

लैम्ब्स रॉक

यह कुनूर से केवल 9 किलोमीटर दूर है। यहां से आप कोयंबटूर के नजारों और आसपास के इलाकों के चाय बगानों के सुरम्य दृश्य देख सकते हैं। यहां का हर दृश्य फोटो खींचने लायक है तो यहां अपने भीतर छिपे फोटोग्राफर को बाहर निकालिए और जमकर फोटोग्राफी कीजिए।

कोडानाडू व्यू पाइंट

यह नीलगिरी पर्वत श्रृंखला के पूर्वी छोर पर कोटागिरी से लगभग 16 किलोमीटर दूर है। यहां से आप मोयार नदी और चाय के बागानों का मोहक दृश्य देख सकते हैं। यहां एक प्रेक्षण मीनार भी हैं, जहां से आप रंगास्वामी शिखर का नजारा देख सकते हैं।

बोटनिकल गार्डन्स

जो लोग प्रकृति प्रेमी है, हरियाली देखने, घूमने-फिरने के शौकीन हैं और दुर्लभ फर्न और अन्य पौधे देखना पसंद करते हैं, उनके लिए इस उद्यान से बढ़ कर दूसरी कोई बेहतर जगह नहीं। लगभग 22 हेक्टेयर इलाके में फैले हुए शासकीय वनस्पति उद्यान 1847 में बनाए गए थे। इनमें पौधों और वृक्षों की सैकड़ों-हजारों प्रजातियां हैं। इनमें एक ऐसे वृक्ष का भी जीवाश्म है, जिसके बारे में विश्वास किया जाता है कि वह 2 करोड़ वर्षों से भी अधिक पुराना है। इन खूबसूरत उद्यानों का रखरखाव राज्य के बागवानी विभाग के हाथ में है।

ऊटी झील

यहां नौका विहार कीजिए या मछली पकड़ने का शौक भी पूरा कर सकते हैं।

मुदुमलाई वन्य प्राणी विहार

यह ऊटी से 67 किलोमीटर दूर है। अगर आप 1-2 दिन रुकते हैं, तो वन्य प्राणी विहार को देखना आपके लिए बहुत अच्छा अनुभव होगा। यहां बहुत से पेड़-पौधे और जीव-जंतु हैं। यहां इनकी दुर्लभ प्रजातियां हैं।

यहां हाथी, बड़ी गिलहरियां, सांभर, चीतल, भौंकनेवाले हिरण और उड़नेवाली गिलहरियां तो यूं ही देखने को मिल जाती हैं। इस अभयारण्य में किस्म-किस्म के पक्षियों को भी देखा जा सकता है। इनमें रंगबिरंगे तोते, काले कठफोड़वे, गरुड़ आदि शामिल हैं।

कोटागिरी

यह ऊटी के पूर्व में 28 किलोमीटर दूर पर छोटा-सा गांव है, यह नीलगिरी के 3 हिल स्टेशन में से सबसे पुराना है। यहां का मौसम अन्य पर्वत स्थलों से कहीं अधिक खुशनुमा रहता है। यहां हैरत में डालनेवाले कई चाय

बागान हैं। इसलिए ऊटी जाएं तो कोटागिरी की सैर के लिए जाना न भूलें।

कालहट्टी वॉटरफॉल्स

कालहट्टी की ढलानों पर खूबसूरत रमणीक कालहट्टी जलप्रताप लगभग 100 फुट ऊंचा है। जो शहर से लगभग 13 किलोमीटर दूर है। इसलिए ऊटी जा रहे हैं तो इन प्रपातों को और आसपास के सुरम्य स्थलों को देखना भी न भूलें।

जलप्रपातों को देखते हुए आपको कालहट्टी-मसीनागुडी ढलानों पर वन्य प्राणियों की प्रजातियां भी देखने को मिल जाएंगी जिनमें पैंथर, सांभर और जंगली भैसें शामिल हैं।

मुकरूथी

यह ऊटी से लगभग 36 किलोमीटर दूर हैं और यहां से आप रमणीक मुकरूथी शिखर को देख सकते हैं।

सिम्स पार्क

यह पार्क ऊपरी कुनूर में 12 हेक्टेयर से अधिक इलाके में फैला हुआ है और माना जाता है कि इस पार्क में 1 हजार से अधिक पौधों की प्रजातियां हैं, जिनमें अनेक चीड़, फर्न और झाड़ियां शामिल हैं।

डॉल्फिंस नोज

यहां आप अपना समय मौजमस्ती में बिता सकते हैं। खेलों में हिस्सा ले सकते हैं और सैरसपाटा कर सकते हैं। यहां आने का एक फायदा यह है कि वहां से आसपास के इलाकों का समग्र दृश्य देख सकते हैं। अगर दिन साफ हो, तो वहां से कैथरीन जलप्रपातों को भी देख सकते हैं।

कब जाएं

अप्रैल से जून और सितंबर से नवंबर तक।

मौसम

गर्मियों में अधिकतम 25 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस। सर्दियों में अधिकतम 21 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 5 डिग्री सेल्सियस।

कैसे जाएं

रेल मार्ग से

मेत्तूपलयम बड़ी लाइन का रेलवे स्टेशन है। बड़ी लाइन का प्रमुख रेल जंक्शन कोयंबटूर है, जो कि सभी बड़े नगरों से मिला हुआ है।

हवाई मार्ग से

यहां से सबसे नजदीक हवाई अड्डा कोयंबटूर है, जो कि 100 किलोमीटर दूर है। आप चेन्नई, कोजीकोडे, बंगलोर और मुंबई से कोयंबटूर के लिए सीधी उड़ान भर सकते हैं।

स्थानीय वाहन

बसें, टैक्सी आदि उपलब्ध हैं।

कहां ठहरें

डेक्कन पार्क रिजॉर्ट, होटल वेलबैक रेजीडेंसी, होटल लेक व्यू, होटल ऊटी आदि।